हैवी ड्यूटी
GUJRAAJ MATRIX
ओवर हैड/अन्डरग्राउण्ड टैंक

GUJRAAJ
8120670000

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

दवा कंपनियां मनचाही एमआरपी लिखकर दवा सप्लाई को हो गई तैयार, दो ने कहा- एमआरपी नहीं बदलेंगे

सात कंपनियों के प्रतिनिधियों से बात

धंधा है पर गंदा है यह...

दो दिन से चल रहे इंडियन फार्मा फेयर में एमआरपी के नाम पर होने वाले खेल के बारे में जानने के लिए हम केमिस्ट बने

फार्मा फेयर में टीम हरिभूमि पहुंची केमिस्ट बनकर, कंपनियों ने कहा, स्ट्रिप पर 8 गुना तक एमआरपी प्रिंट कर देंगे, डॉक्टर को दे सकते हैं 40 फीसदी कमीशन

कहा- आप ही बता दो, कितना प्रिंट करना है

प्रतिनिधियों ने यहां तक प्रस्ताव दिया कि अपना खर्च और मुनाफा, डाक्टरों का कमीशन और अन्य खर्च जोड़कर दवाओं की कीमत तय कर उन्हें बता दें। उन्होंने कहा कि अलग-अलग इलाकों के लिए एक ही दवा अलग-अलग कीमत पर सप्लाई कर देंगे। एक ही बैच की दवा की कीमत भी बदलने को कंपनी तैयार थीं। एक कंपनी के प्रतिनिधि ने तो यहां तक कह दिया कि भले ही दवा की कीमत सौ रुपए हो अगर वे (संवाददाता) चाहे तो उसकी एमआरपी एक हजार रुपए अंकित कर उन्हें दी जा सकती है फिर चाहे वे दवा की दस पैकेट ले अथवा सौ पैकेट। आसपास के इलाके में दवाओं की खपत अगर बढ़ाया जाता है तो एमआरपी का लाभ और बढ़ाया जा सकता है।

विकास शर्मा के साथ ललित राठोड़ ⏭ रायपुर

आम आदमी बीमार होने के बाद डॉक्टर के पास इलाज कराने पहुंचता है। डॉक्टर उसे दवाएं लिखकर देता है। मरीज दवा दुकान से दवा खरीदता है। बीमार, हैरान और परेशान आम आदमी इस सफर में लुट जाता है। फार्मा कंपनियों, डॉक्टरों और दवा विक्रेताओं की मिलीभगत की पड़ताल की हरिभूमि ने। राजधानी के एक निजी होटल में दो दिन से चल रहे इंडियन फार्मा फेयर में एमआरपी के नाम पर होने वाले खेल के बारे में जानने के लिए हम केमिस्ट बने। फार्मा फेयर में हमने सात कंपनियों के प्रतिनिधियों से बात की। पांच कंपनी डाक्टरों के कमीशन, मुनाफा के तर्क पर एनपीपीए की सूचीबद्ध दवाओं को छोड़कर बाकी सभी की एमआरपी में आठ गुना तक बढ़ाने और प्रिंट करने के लिए तैयार हो गए। यानी दस रुपए की दवा ⏭ शेष पेज 7 पर

हरिभूमि लाइव

दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों से रिपोर्टर की चर्चा, हरिभूमि के पास सबकी रिकॉर्डिंग

केस 01

हमने कहा- हम दुकानों में सप्लाई करते हैं, सब कमीशन मांगते हैं

- रिपोर्टर- डॉक्टर दवा लिखने के पीछे कमीशन लेते हैं। अधिक मुनाफे के लिए क्या एमआरपी बढ़ाकर प्रिंट की जा सकती है?
- फार्मा कंपनी के प्रतिनिधि- बिलकुल हो सकता है। मिनिमम क्वांटिटी होती है और 300 पैकेट का बैच बनता है। हमारा कोई प्रोडक्ट में आप एमआरपी में बदलाव चाहते हैं, तो ऑर्डर के दौरान 100 से 150 पैकेट अलग निकाल दिए जाएंगे।
- रिपोर्टर- हम जो एमआरपी ⏭ शेष पेज 7

केस 02

हमने कहा-बिरगांव में हमारी दुकान हैं, उसके लिए दवाएं चाहिए

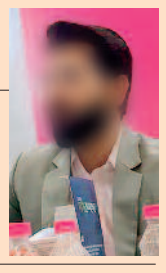

- रिपोर्टर- आपके यहां किस तरह की दवाएं मिलती है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- कैल्शियम और विटामिन से जुड़ी सभी तरह की दवाएं मिल सकती हैं, आपको क्या चाहिए?
- रिपोर्टर- बिरगांव में हमारी छोटी दुकान है। डॉक्टर कमीशन लेते हैं इसलिए हम चाहते हैं कि सस्ती दवा अधिक एमआरपी में मिल जाए?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपको कैसी दवाएं चाहिए?
- रिपोर्टर- हमें बीपी, शुगर, ⏭ शेष पेज 7 पर

केस 03

हमने कहा-डॉक्टर ज्यादा कमीशन मांगते हैं, हम कैसे कमाएं?

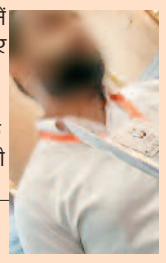

- रिपोर्टर- ग्रामीण क्षेत्र में डॉक्टर कमीशन लेकर ही दवा लिखते हैं। हमारी कमाई नहीं हो पाती। हम चाहते हैं कि दवा अधिक एमआरपी में मिल जाए?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- बिलकुल संभव है, आपके हिसाब से एमआरपी बनाकर दें देंगे। नंबर दीजिए अपनी सारी दवाओं की जानकारी आपको भेजता हूं।
- रिपोर्टर- आपकी यह दवा 460 रुपए की है इसके कितना बढ़ा सकते है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- ⏭ शेष पेज 7 पर

केस 04

फार्मा कंपनी ने कहा-130 रुपए की दवा पर 1000 रुपए प्रिंट कर सकते हैं

- रिपोर्टर- दवा दुकान शुरू करना चाहते हैं। क्या हमें दवा एमआरपी से अधिक मिल सकती है?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- एमआरपी बढ़ाकर मिल जाएगा। हमारे 5 से 7 प्रोडक्ट है डॉक्टर को दिखा दीजिए।
- रिपोर्टर- आप हमें दवा कितनी अधिक एमआरपी में दे सकते हैं?
- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपका डॉक्टर दवा के पीछे कितना कमीशन लेता है?
- रिपोर्टर- डॉक्टर 15 ⏭ शेष पेज 7 पर

जेनेरिक दवाओं पर भी बड़ा खेल

जेनेरिक दवाओं के नाम पर बाजार में बड़ा खेल होता है। जिन दवाओं का फार्मूला का उपयोग निर्माण के लिए एक से अधिक कंपनी करती हैं उसे जेनेरिक की श्रेणी में रखा जाता है। इन दवाओं की मार्केटिंग भी नहीं होती इसलिए ब्रांडेड की तुलना में यह काफी सस्ती होती है। दवा कंपनियां इन जेनेरिक दवाओं के एमआरपी में भी गोलमाल करती हैं और मनचाहे दाम निर्धारित कर उसमें छूट का झांसा देकर अधिक कीमतों में लोगों सस्ती दवाएं थमा जाती है।

बीमार खरीदता है औने-पौने दाम पर

यह खेल कितना जानलेवा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ दवाएं केवल डॉक्टर की बताई गई दुकान पर ही मिलती हैं। वे खास तौर पर उसी डॉक्टर या केमिस्ट के लिए तैयार की जाती हैं। मरीज और उसके परिजन मजबूरी में कई गुना दाम पर दवाएं खरीदने के लिए मजबूर होते हैं। जो पहले से ही संकट में है उसे भी लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ता।

भारत माला का तिलस्म...

हरिभूमि को मिले दस्तावेजों में मुआवजे पर बड़ा खुलासा

खसरा अलग, रकबे में अंतर, फिर भी 102 लोगों को एक जैसा मुआवजा

भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे में मुआवजे को लेकर एक बार फिर बड़ा खुलासा हुआ है। हरिभूमि को मिले दस्तावेजों से पता चलता है कि अलग-अलग खसरा नंबर में भी एक तरह का मुआवजा दे दिया गया। सिर्फ नायकबांधा गांव में ही 51 बार 95 लाख 95 हजार 520 रुपए मुआवजा देने का उल्लेख है। इसी तरह इसी गांव में 36 बार 71 लाख 96 हजार 640 रुपए मुआवजा दिया गया है। जबकि उनकी जमीन अलग, खसरा नंबर अलग और मालिक भी अलग-अलग हैं।

गौरव शर्मा ⏭ रायपुर

दरअसल एक जैसे मुआवजे के पीछे जमीनों की बंदरबांट का खेल हैं। खसरे का बटांकन करने की वजह से एक जैसा मुआवजा दिया गया। यह खेल सिर्फ नायकबांधा में खत्म नहीं होता। टोकरो गांव में भी इसी तरह एक ही एमाउंट कई बार अलग अलग किसानों को देने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि कुछ मामलों में जमीन के रकबे में भी अंतर है, फिर भी उन्हें एक जैसे मुआवजे का भुगतान किया गया है। मुआवजे को लेकर अहम जानकारी यह भी है कि उरला, सातपारा समेत कई गांवों में जमीन देने के बावजूद मुआवजे का ⏭ शेष पेज 7 पर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

14 बार 23,98,880 रुपए मुआवजा

जमीनों का बटांकन कर मुआवजे को बढ़ाने के खेल में ही एक जैसी राशि का मामला सामने आया है। यह खेल टोकरो गांव में बड़े पैमाने पर देखने मिलता है। यहां 23 लाख 98 हजार 880 रुपए की राशि 14 बार और 29 लाख 98 हजार 600 रुपए की राशि 15 बार मुआवजे के रूप में दर्ज है। इससे स्पष्ट है कि अफसरों और भूमाफियाओं ने सुनियोजित ढंग से जमीनों के एक जैसे टुकड़े किए और एक जैसा मुआवजा वितरित किया।

रकबे में अंतर राशि एक जैसी

95 लाख 95 हजार 250 रुपए मुआवजा के अधिकतर मामलों में रकबा 0.400 है, लेकिन एक प्रकरण ऐसा भी है, जिसमें इतने ही रकबे में 99 लाख 63 हजार 512 रुपए मुआवजे का भुगतान किया गया है। नायकबांधा गांव के ही एक अन्य मुआवजा प्रकरण में 0.300 हेक्टेयर भूमि में सिर्फ बोर होने की वजह से 1 करोड़ 29 लाख 17 हजार 500 रुपए मुआवजा दिया गया है।

इन्हें मिली एक जैसी राशि

नायकबांधा गांव में 95 लाख 95 हजार 520 रुपए की राशि जिन प्रभावितों को दी गई, उनमें पुखराज गांधी, बिंदु शर्मा, बॉबी गुलाटी, दुर्गा अग्रवाल, सुनील ओगरे, रोशन चंद्राकर, फुलचंद पिता बुधराम, प्रेमलाल पिता बुधराम, परमानंद पिता छोटूराम, शोभित पिता छोटूराम. भूपेंद्र चंद्राकर, रोशन चंद्राकर, अमित राठी पिता लक्ष्मीनारायण राठी समेत कई नाम हैं, जिन्हें अलग खसरा के बाद भी एक जैसी राशि मिली।

अफसर, दलाल और किसानों की तिकड़ी

ग्रामीण दबी जुबान में कहते हैं कि अधिग्रहण से पहले ही दलाल गांव में एक्टिव हो गए थे। किसानों से संपर्क किया और उन्हें कई गुना ज्यादा मुआवजा दिलाने के लिए तैयार किया। इसके बाद अफसर और दलालों ने मिलकर जमीन के मुआवजे में खेल किया गया है। हालांकि किसान यह भी कह रहे हैं कि उन्हें उतना मुआवजा नहीं मिला जितना कागजों में दिखाया गया है। बिचौलियों और अफसरों ने रकम में बंदरबांट की है।

यह है वो खसरा

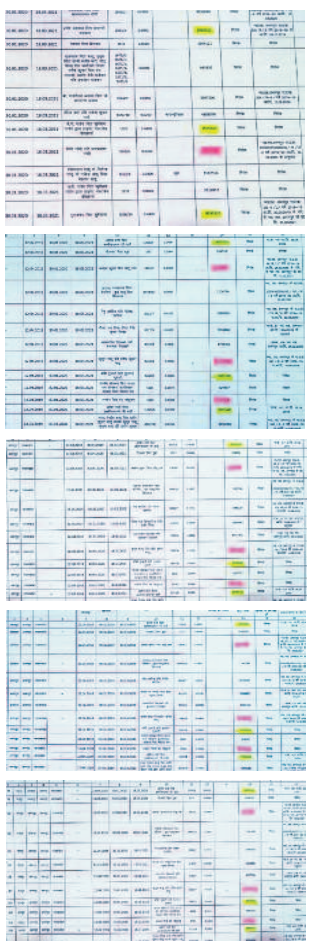

जमीन की फर्जी खरीदी-बिक्री और धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

रजिस्ट्री में 10 क्रांतिकारी बदलाव, अब लंबे इंतजार से मुक्ति, मिनटों में काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार में 10 क्रांतिकारी नवाचारों का तोहफा प्रदेशवासियों को दिया है। शनिवार को मेफेयर रिसॉर्ट में इन नवाचारों का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भूमि पंजीयन के लिए 10 नए क्रांतिकरी नवाचारों से राज्य की जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, सरकार अपने डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में सुशासन की राह में आगे बढ़ रही है। राजस्व से जुड़े कार्यो के लिए अब लोगों को कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पंजीयन के साथ अब नामांतरण का कार्य भी तत्काल होगा। उन्होंने कहा, राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटि का असर भूस्वामी पर पड़ता है। त्रुटि कोई और करे और भुगतता कोई और है। अब लोगों को इन समस्याओं से ⏭ शेष पेज 7 पर

- ऑफलाइन व्यवस्था को बंद कर ऑनलाइन करने से भ्रष्टाचार की संभावना खत्म

जनता को मिलेगा लाभ- ओपी चौधरी

वाणिज्यिक कर मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, कोई भी अर्थव्यवस्था, देश और समाज जब तक तकनीक और रीफार्म को नहीं अपनाता है, तब तक महान नहीं बनता। उन्होंने कहा, पंजीयन विभाग ने सुधारों को लागू करने के लिए दिन-रात मेहनत की है। व्यवस्था में परिवर्तन होने से पहले इसका विरोध होता है, लेकिन यह सत्य है कि विकास के लिए परिवर्तन जरूरी है। जनता के हित और सुशासन के लिए ईमानदारी और निष्ठा से कार्य हो, यह जरूरी है।

नामांतरण के 90 प्रतिशत प्रकरण- टंकराम

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा, पंजीयन में 10 नई क्रांतिकारी बदलाव आमजन को सहूलियत और राहत दिलाएगा। राजस्व और पंजीयन विभाग का यह संयुक्त प्रयास लोगों के लिए भूमि पंजीयन को नई दिशा देने का कार्य करेगा। इसका लाभ जनता को मिलेगा। राजस्व विभाग आम जनता से जुड़ा विभाग है, इन क्रांतिकारी उपायों के लागू होने से रजिस्ट्री की गड़बड़ियों को रोकने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, राजस्व विभाग में 90 प्रतिशत प्रकरण नामांतरण के हैं। नई व्यवस्था के लागू होने से इन प्रकरणों की संख्या तेजी से कम होगी।

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में ईडी की एंट्री ईओडब्ल्यू, एसीबी से एफआईआर की कॉपी मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

48 करोड़ रुपए से ज्यादा के भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में ईडी की एंट्री हो गई है। ईडी ने फिलहाल इस मामले में अपराध दर्ज नहीं किया है। ईओडब्लू द्वारा दर्ज मामले की एफआईआर की कापी देने ईडी ने संबंधित विभाग को पत्र लिखा है। भारतमाला प्रोजेक्ट भू-अर्जन मुआवजा राशि गड़बड़ी मामले में ईओडब्लू ने पिछले सप्ताह 20 अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई करते हुए 11 ⏭ शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप

भारतमाला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला में चार गिरफ्तार

पूछताछ के लिए जनप्रतिनिधि तलब

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाले की जांच कर रही ईओडब्लू की टीम ने पूर्व के जिला पंचायत के सदस्य रहे कई जनप्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है। पूर्व के जिला पंचायत सदस्यों पर फर्जी तरीके से मुआवजा लेने का आरोप है। सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर ईओडब्लू ने जिला पंचायत सदस्यों को नोटिस जारी किया है।

आरोपी के अकाउंट में लेन-देन होने की जानकारी

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए हरमीत सिंह खनूजा के बैंक अकाउंट में जैतू साव मठ की जमीन घोटाला मामले की रकम ट्रांसफर होने की ईओडब्लू के अफसरों को पुख्ता जानकारी मिली है। इसके अलावा पूछताछ में किसानों तथा जमीन दलालों ने हरमीत द्वारा जैतू साव मठ का जमीन घोटाला करने ⏭ शेष पेज 7 पर

शनिवार को मौसम में जबरदस्त उलटफेर हुआ। दोपहर 3 बजे के बाद चली 80 किमी प्रतिघंटे की तेज हवा ने जद में आने वाले दर्जनों पेड़, बिजली के खंभे और शेड को धराशायी कर दिया। मौसम का असर बिलासपुर एवं सरगुजा दोनों संभाग में देखने को मिला। जशपुर में कार पर पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, वहीं अन्य घायल हो गए। पत्थलगांव में बालाझर डेम में घूमने गए युवक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए जिससे तीन घायल हो गए। इसी तरह कोरबा में निर्माणाधीन अटल आवास का छज्जा गिरने से युवक घायल हो गया। रायगढ़, जांजगीर-चाम्पा और अंबिकापुर में भी तेज हवाएं चलने से कई पेड़ धराशाई हो गए। बिजली के खंभे उखड़ गए जिससे बिजली आपूर्ति बाधित रही।

बिलासपुर व सरगुजा संभाग में बदला मौसम, जशपुर में एक की मौत

80 किमी की रफ्तार से चली हवा, बिजली के खंबे उखड़े, दर्जनों पेड़ धराशायी

बिलासपुर / अम्बिकापुर / जगदलपुर/ कांकेर। पछुआ विक्षोभ के प्रभाव से शनिवार को अंधड़ एवं गरज-चमक के साथ मूसलाधार वर्षा हुई। वहीं जरही एवं आसपास के क्षेत्रों में जमकर ओले गिरे। मौसम विज्ञानी आगामी दो दिनों तक विक्षोभ के प्रभावी रहने तथा गरज-चमक एवं आंधी चलने व बारिश होने की संभावना व्यक्त कर रहे हैं। मौसम कार्यालय द्वारा 18.7 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है।

पछुआ विक्षोभ के प्रभाव से शनिवार को दोपहर में अचानक मौसम बदला तथा आसमान पर घने बादल छाने के साथ ही तेज रफ्तार आंधी चली तथा गरज-चमक के साथ मूसलाधार वर्षा हुई। आंधी से जगह-जगह विद्युत लाइन पर डंगाल गिरने से दोपहर से रात्रि 7.30 बजे तक आधे शहर में अंधेरा छाया रहा। कड़ी मशक्कत के बाद देर शाम विद्युत आपूर्ति सुचारू की गई। अंधड़ से जगह-जगह के पेड़ उखड़ गए हैं। वहीं पेड़ों की डाले टूटकर गिर गई है। बेमौसम बारिश से तापमान में तेज गिरावट हुई है। इस दौरान जरही में जमकर ओले गिरे हैं जिससे गर्मी खत्म हो गई है तथा वातावरण में ठंडक घुल गई है।

बिलासपुर में 45 मिनट तक चली तेज हवाएं

बिलासपुर। बिलासपुर में शनिवार को 45 मिनट तक तेज हवा चलने के बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे तापमान लुढ़क गया। इधर आंधी चलने के बाद पूरे जिले की बिजली सप्लाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई, रात 9 बजे तक पूरे शहर की बिजली बंद रही। इस दौरान बिजली कर्मचारियों को हर घंटे 40 से 50 कॉल आते रहे,और फ्यूज कॉल ने फोन उठाना भी बंद कर दिया। खास बात यह है कि दो दर्जन से अधिक पेड़ डंगाल बिजली तारों से उलझे, जिसके चलते बिजली सप्लाई नार्मल करने में अधिकारियों के पसीने छूट गए। इस दौरान रेलवे क्षेत्र के 100 साल से अधिक पुराने पेड़ भी गिर गए।बताया जा रहा है कि जबड़ापारा में एक साथ 2 बिजली के खंबे धराशायी हो गए जिसके चलते सरकंडा क्षेत्र के कई इलाके अंधेरे में ही रहे।

आंधी तूफान में चलती कार पर पेड़ गिरा, एक की मौत, दो गंभीर

जशपुर। जशपुर जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को करीब 3 बजे एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां स्टेट हाईवे बगीचा-चराईडांड मार्ग पर तेज आंधी के दौरान एक चलती कार पर भारी आम का पेड़ गिर गया, जिससे कार चालक प्रदीप राम करमाली (40 वर्ष), निवासी रामगढ़, झारखंड की मौके पर मौत हो गई। कार में सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान विवेक कुमार (23 वर्ष), निवासी जरही, सूरजपुर (छत्तीसगढ़) और पप्पू कुमार मिस्त्री (27 वर्ष), निवासी रामगढ़ टोपा, झारखंड के रूप में हुई है। विवेक की हालत गंभीर होने के चलते उसे रांची रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, प्रदीप अपने रिश्तेदारों के यहां शादी समारोह में शामिल होने सूरजपुर के जरही गए थे और लौटते समय विवेक को रांची छोड़ने जा रहे थे।

आकाशीय बिजली से 200 गांव में रहा ब्लैक आउट

बस्तर संभाग के सातों जिलों में रोज दोपहर एवं शाम को मौसम बदल रहा है, जिससे बारिश, तेज अंधड़ और आकाशीय बिजली हो रही है। इसके चलते एक सप्ताह में सातों जिलों में बारिश, तेज अंधड़ और आकाशीय बिजली के चलते पेड़ एवं डगाल विद्युत लाइन में गिरने से 33 केव्ही के 9, 11 केव्ही के 102 पोल, तेज हवाओं से 265 विद्युत लाइन के तार टूट गए। साथ ही इससे बस्तर संभाग के लगभग 200 गांवों में बिजली बंद होने से ब्लैक आउट की स्थिति हो गई थी। सूचना पर कार्यपालन अभियंता, सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं के नेतृत्व में 225 विद्युत लाइनमेन रात और दिन बंद बिजली को बहाल करने में जुटे रहे, जिससे वर्तमान में 191 गांव की बिजली बहाल हो सकी, पर 9 गांव में सुधार कार्य शुरू है, जो बहाल होगी।

निर्माणाधीन पीएम आवास का गिरा छज्जा, दो घायल

कोरबा। तेज आंधी पानी का कहर मोतीसागरपारा वार्ड में एक गरीब परिवार पर टूट पड़ा। बताया जाता है कि मोतीसागरपारा वार्ड में रविदास अपने परिवार के साथ निवास करता है। शनिवार को जब बारिश हुई तो रविदास परिवार सहित घर में खाना खा रहा था तो अचानक निर्माणाधीन पीएम आवास का छज्जा गिरने से रविदास के सिर में चोट आई वहीं उसकी पांच साल की बेटी का पैर दब गया।

उड़ा पंडाल

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव एक दिवसीय प्रवास पर कांकेर पहुंचे थे। इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। कोकपुर में आयोजित डड़सेना कलर के कार्यक्रम में डिप्टी सीएम पहुंचे, जहां मौसम में बतलाव के बाद चली आंधी से पंडाल उड़ गया, परन्तु किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

रायगढ़ में 60 किमी प्रति घंटे की गति से चली हवाएं

रायगढ़। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस की वजह से शनिवार की शाम को अचानक मौसम बदला और आसमान में काले बादल छाने के साथ ही करीब 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने लगी। हवाओं के कारण रायगढ़ में कई पेड़ धराशाई हो गए। वहीं, बिजली विभाग के कई पोल उखड़ गए। बिजली विभाग ने देर रात तक मरम्मत का कार्य किया। अंधड़ के कारण जिले के कई इलाकों में अंधेरा छाया रहा।

खबर संक्षेप

स्कूल में बकरा पार्टी मामले की जांच में लीपापोती

पिथौरा (ग्रामीण)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भगवान परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया जैसे धार्मिक पर्व के दिन शिक्षिका कमलजीत जोसेफ और लिपिक तानसिंह वर्मा की विदाई के नाम पर विद्यालय परिसर में खुलेआम बकरा और शराब पार्टी के आयोजन मामले में हरिभूमि समाचार पत्र में प्रमुखता से प्रकाशित खबर पश्चात जिला प्रशासन हरकत में आया और तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन की। लेकिन, जांच टीम ने सीसीटीवी फूटेज देखे ही नही। जांच समिति में सहायक संचालक सतीश नैयर, प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी डड़सेना और प्राचार्य पुहुप शामिल थे। लेकिन, जांच की प्रक्रिया खुद सवालों के घेरे में है। केवल चुनिंदा शिक्षकों और रसोइयों से पूर्वनिर्धारित बयान लिए गए। और सिर्फ शिक्षकों, रसोइयों के बयान के आधार पर प्रतिवेदन तैयार किया गया।

युवक ने नाबालिग लड़की की पूजा करते समय टंगिया मार की हत्या

कांकेर। लारगांव मरकाटोला में आरोपी युवक ने नाबालिक लड़की को पूजा करते समय टंगिया मारकर हत्या कर दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर हत्या करने का कारण पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस को आरोपी की पहचान हो चुकी है। आरोपी जल्द पुलिस के शिकंजे में होगा। ढेकुना निवासी आरोपी तुलसीराम मृतिका के नए भवन बनाने के लिए काम करने आया था और वहीं पर रहकर काम कर रहा था। मृतिका नाबालिक मिनाक्षी मरकाम 3 मई की सुबह मंदिर में पूजा कर रही थी, उसी समय उनके नवनिर्माणाधीन मकान में रहने वाला तुलसीराम टंगिया लेकर मंदिर पहुँचा और पूजा कर रही नाबालिक के गले पर कई बार हमला बोला दिया, जिससे नाबालिक की मौत हो गई।

नक्सल पीड़ित भरेंगे हुंकार दोरनापाल से प्रदर्शन का आगाज

जगदलपुर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक नक्सलियों का देश के नक्सल पीड़ित राज्यों से सफाए के ऐलान के बाद एक ओर जहां बस्तर में फोर्स आक्रामक होकर नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ते हुए उनके कब्जे से जमीन खाली कराने में लगी हुई है। वहीं, दूसरी ओर नक्सल पीड़ितों ने भी नक्सलियों के खिलाफ हुंकार भरने तैयारी शुरू कर दी है। सुकमा जिले के दोरनापाल से इसकी शुरूआत रैली निकालकर की जाएगी। इसके लिए 12 मई की तारीख मुकर्रर की गई है, जिसमें छग समेत चार राज्यों के राष्ट्रवादी विचारधारा के लोग तथा नक्सल पीड़ित शामिल होंगे।

अब एआई, सेमीकंडक्टर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से मिल रही पहचान- मुख्यमंत्री

नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश के पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डेटा सेंटर पार्क की नीव शनिवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के सेक्टर-22 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रखी। यह डेटा सेंटर पार्क 13.5 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जिसमें 2.7 हेक्टेयर हिस्सा विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित होगा। रैक बैंक डेटा सेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित यह परियोजना पूरी तरह एआई सेवाओं को समर्पित होगी। पहले चरण में 5 मेगावाट क्षमता से शुरू होकर इसे 150 मेगावाट तक विस्तारित किया जाएगा। भविष्य में इस परियोजना में लगभग 2000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश संभावित है। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस डेटा सेंटर को हरित और ऊर्जा दक्ष तकनीक के अनुरूप डिजाइन किया गया है।

यहां से न केवल स्टोरेज और प्रोसेसिंग की सुविधा उपलब्ध होगी, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हेल्थटेक, डिफेंस, फिनटेक और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अत्याधुनिक सेवाएं भी दी जाएंगी। पार्क में जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, रिकॉर्डिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, और एआई प्रॉसेसिंग जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी। परियोजना के जरिए लगभग 500 प्रत्यक्ष और 1500 अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर तैयार होंगे। खास बात यह है कि इसमें स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे छत्तीसगढ़ न केवल तकनीकी क्षेत्र में अग्रणी बनेगा बल्कि युवाओं के लिए नई संभावनाएं भी खुलेंगी। इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सीएसआईडीसी के चेयरमैन राजीव अग्रवाल, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, उद्योग सचिव रजत कुमार उपस्थित रहे ।

ये सेवाएं उपलब्ध होंगी

इसके जरिए जीपीयू आधारित हाई-एंड कंप्यूटिंग, लाइव डेटा स्ट्रीमिंग, एआई प्रोसेसिंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी वैश्विक स्तर की सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। इसका असर हेल्थटेक, फिनटेक, स्मार्ट एग्रीकल्चर और रक्षा क्षेत्र में बड़े बदलावों के रूप में दिखाई देगा।

छत्तीसगढ़ के भविष्य की नीव- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, यह सिर्फ एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के भविष्य की नींव है। उन्होंने इसे राज्य के युवाओं, किसानों और आदिवासी समुदाय के लिए परिवर्तनकारी बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि छत्तीसगढ़ अब डिजिटल भारत की धड़कन बनेगा। यह वर्ष छत्तीसगढ़ की स्थापना का रजत जयंती वर्ष है, हमारी कोशिश रहेगी कि इसी साल स्थापना दिवस पर डाटा सेंटर का लोकार्पण हो जाये। एआई डाटा सेंटर छत्तीसगढ़ के लिए सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी क्रांति लेकर आया है। यह हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जय विज्ञान, जय अनुसंधान के मंत्र को साकार करेगा और विकसित छत्तीसगढ़ की बुनियाद बनेगा। उन्होंने कहा, देश का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ अपने कोयला, स्टील, आयरन ओर, ऊर्जा के लिए पहचाना ही जाता है। अब एआई, सेमीकंडक्टर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री से हमें वैश्विक पहचान मिल रही है।

500 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

एआई डेटा सेंटर से प्रदेश में एआई आधारित सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग और व्यापार जगत के साथ इसका सीधा लाभ लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मिलेगा। केंद्र सरकार ने पिछले साल इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी थी। मोबाइल क्रांति के बाद अब एआई का दौर है। हमारे जीवन के हर क्षेत्र को एआई प्रभावित कर रहा है। ऐसे में छत्तीसगढ़ की एआई क्रांति देश के लिए मॉडल बनेगी। एआई डाटा सेंटर की स्थापना से 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के लिए क्या बदलेगा?

यह डाटा सेंटर पार्क आईटी, डाटा एनालिटिक्स, और तकनीकी रखरखाव जैसे क्षेत्रों में हजारों नौकरियां पैदा करेगा। छत्तीसगढ़ के युवा अब दिल्ली-मुंबई जाए बिना अपने घर पर ही तकनीकी करियर बना सकेंगे।

किसानों की मदद: एआई तकनीक से किसानों को स्मार्ट खेती, मौसम की सटीक जानकारी, और फसल प्रबंधन में मदद मिलेगी। इससे उनकी मेहनत का ज्यादा फल मिलेगा।

आदिवासियों को डिजिटल ताकत: दूरदराज के आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य, और सरकारी सेवाएं डिजिटल रूप से आसानी से पहुंचेंगी।

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़: यह पार्क राष्ट्रीय और वैश्विक डाटा ट्रैफिक को संभालेगा, जिससे सरकारी सेवाएं तेज होंगी और राज्य डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनेगा।

धर्मांतरित युवक के अंतिम संस्कार को लेकर तनाव चक्काजाम और प्रदर्शन

बकावंड। विकासखंड बकावंड के ग्राम सरगीपाल में एक धर्मांतरित युवक के अंतिम संस्कार को लेकर बवाल खड़ा हो गया है। ग्रामीण अपने गांव में शव न दफनाने पर अड़ गए हैं। वहीं, इसके विरोध में मृतक के परिजन और ईसाई समुदाय के लोग शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने चक्काजाम भी कर दिया।

ग्राम पंचायत सरगीपाल निवासी 35 वर्षीय अजय बघेल बीते 21 अप्रैल को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में भर्ती कराया गया था, जहां आज उसकी मृत्यु हो गई। परिजन अजय के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम सरगीपाल और दशापाल के ग्रामीण एकजुट होकर शव को गांव में दफनाने का विरोध करने लगे। ग्रामीणों का कहना था मृतक व उसके परिजन ईसाई धर्म अपना चुके हैं। मृतक के परिवार पहले हिंदू थे इसलिए हिंदू रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार किया जाए। वहीं मृतक के परिजन ईसाई धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार पर अड़ गए। काफी गहमा गहमी के बाद मृतक के परिजन और ईसाई समुदाय के लोगों ने रोड पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। खबर मिलने पर एसडीएम ऋषिकेश तिवारी, तहसीलदार जागेश्वरी गावड़े, थाना प्रभारी डोमेंद्र सिन्हा मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाने की कोशिश की, लेकिन कोई भी मानने को तैयार नहीं है।

- ग्रामीणों ने धर्मांतरित युवक की अंत्येष्टि रोकी

कब्रिस्तान में होगा अंतिम संस्कार

शव को लेकर ग्रामीणों और मसीही समाज के बीच जारी विवाद की स्थिति शाम को समझाईश के बाद खत्म हो गई। मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने दोनों पक्ष को विवाद खत्म करने मनाया। अब शवगृह से शव लेकर मसीही कब्रिस्तान में शव दफनाया जाएगा।

रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 से, गर्मी के कारण पर्चे सिर्फ सुबह की पाली में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी घोषित कर दी गई है। रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 मई से प्रारंभ होगी। पर्चे 30 जून तक चलेंगे। सेमेस्टर परीक्षाएं सिर्फ एक ही पाली में होगी। गर्मी को देखते हुए इसके लिए सुबह का समय निर्धारित किया गया है। परीक्षाएं सुबह 7 बजे प्रारंभ होगी और 10 बजे तक का समय विद्यार्थियों को दिया जाएगा। परीक्षा केंद्र में छात्रों को 6.30 बजे तक पहुंचना होगा। मुख्य परीक्षाओं के साथ एटीकेटी की समय-सारिणी भी रविवि ने महाविद्यालयों को प्रेषित करने के साथ वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों ही परीक्षाओं के टाइम-टेबल जारी किए गए हैं।

- 30 जून तक चलेगी परीक्षाएं , सुबह 7 से 10 बजे तक पर्चे हल करेंगे छात्र

वार्षिक परीक्षाओं में आई थी शिकायत

मार्च-अप्रैल में हुई वार्षिक परीक्षाओं के दौरान गर्मी को लेकर कई छात्रों ने शिकायत की थी। ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ महाविद्यालयों में पंखे की भी व्यवस्था नहीं थी। इसे लेकर छात्रों ने संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्यों को खत भी लिखा था। ठंडे पानी की व्यवस्था किए जाने की भी मांग छात्रों ने की थी। इसमें रविवि अध्ययनशाला के विद्यार्थी भी शामिल रहे थे।

बीकॉम द्वितीय वर्ष के नतीजे 68%

रविवि द्वारा शनिवार को बीकॉम द्वितीय वर्ष के साथ ही बीएससी होम साइंस प्रथम और द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए गए। बीएससी द्वितीय वर्ष की परीक्षा में शामिल 62 छात्रों में से 41 ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। तृतीय वर्ष की परीक्षा में 56 विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें से 54 उत्तीर्ण रहे। बीकॉम द्वितीय वर्ष की परीक्षा में शामिल 6 हजार 770 में से 4 हजार 585 ने परीक्षा उत्तीर्ण की है। 938 छात्रों को पूरक श्रेणी में रखा गया है। 6 के नतीजे विभिन्न कारणों से रोके गए हैं, जबकि 55 छात्र अनुपस्थित रहे। परिणाम 67.75% रहे। छात्र रविवि की आधिकारिक वेबसाइट में जाकर परिणाम देख सकते हैं।

नहाने गए परिवार के तीन सदस्य डूबे, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

मोहारा के ऑक्सीजोन में नहाने गए परिवार का एक सदस्य डूबकर मर गया। मृतक अपने डूबते जीजा को बचाने गया था, लेकिन उन्हें बचाने की जगह वो ख़ुद ही पानी के गहराई में चला गया जिससे उसकी मौत हो गई। इस हादसे के दौरान मृतक का छोटा भाई भी डूब रहा था, परंतु छोटे भाई और जीजा को डूबने से बचा लिया गया।

बताया गया की जीजा एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने जगदलपुर से राजनांदगांव आया हुआ था। 29 अप्रैल को शादी का कार्यक्रम पूरा हो गया था, उसके बाद शनिवार की सुबह परिवार के करीब आधा दर्जन सदस्य ऑटो के जरिए नहाने के लिए मोहारा स्थित ऑक्सीजोन गए हुए थे। सुबह करीब 8 से 9 बजे के मध्य सभी नहा रहे थे, इसी दौरान नहाते हुए जीजा हरीश देवांगन डूबने लगा। उन्हें बचाने के लिए साला जयंत देवांगन पानी के भीतर गया, जीजा को तो बचा लिया गया लेकिन बचाने गए साले की अधिक गहराई में जाने से मौत हो गई।

घरेलू उपभोक्ताओं को 50 से 500 रुपए तक, उद्योगों को बचेंगे

पहली बार एफपीपीएएस शुल्क माइनस में, अप्रैल माह के बिजली बिल में 12.61 फीसदी की राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भरी गर्मी में प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली। वैसे तो इस साल महंगी बिजली का झटका लगना तय है, लेकिन इसके पहले एक बड़ी राहत वाली बात यह है कि पहली बार टैरिफ पर लगने वाला एफपीपीएएस शुल्क इस बार माइनस में चला गया है। ऐसे में अप्रैल का जो बिजली बिल मई में आएगा उसमें 12.61 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क नहीं देना पड़ेगा। यह शुल्क मार्च के बिल में लगा था। इस बार यह शुल्क माइनस 0.15 हो गया है।

प्रदेश में अब तक बिजली उपभोक्ताओं से वीसीए के स्थान पर उत्पादन लागत के अंतर की राशि को उपभोक्ताओं से वसूलने के लिए नया फार्मूला फ्यूल पॉवर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) लागू है। सबसे पहले 2023 के अप्रैल में पहली बार नया फार्मूला लागू किया गया। बीते दो साल से उपभोक्ताओं को एफपीपीएएस शुल्क के नाम से हर माह झटका ही लगता रहा है। पहली बार यह झटका नहीं लगा है। इसके पीछे का कारण यह है कि एनटीपीसी लारा से ली गई बिजली का 15 सौ करोड़ अंतर का पैसा बीते छह माह से उपभोक्ताओं से वसूला जा रहा था जिसके कारण एफपीपीएएस शुल्क ज्यादा लग रहा था।

ज्यादा खपत पर बड़ी राहत

ज्यादा खपत करने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। गैर घरेलू उपभोक्ताओं की खपत ज्यादा होती है। जैसे व्यापारिक संस्थान और उद्योग।इनको भी जरूर फिलहाल एक माह तो बड़ी राहत मिल जाएगी। उद्योगों का बिजली हर माह लाखों के साथ करोड़ों में भी आता है। उद्योगों में हर माह लाखों यूनिट बिजली की खपत होगी। ऐसे में उद्योगों को जरूर लाखों रुपए की बचत एक माह के लिए होगी। लेकिन जैसे ही शुल्क में इजाफा होगा, फिर से लाखों का फटका भी लगने लगेगा। अब तक वैसे लाखों रुपए का फटका ही लगता रहा है।

छोटे उपभोक्ताओं को कम राहत

अप्रैल के बिल में एफपीपीएएस शुल्क न लगने के कारण घरेलू छोटे उपभोक्ताओं को कम राहत मिलेगी, क्योंकि इनकी खपत कम रहती है। सौ यूनिट का टैरिफ 3.90 रुपए है, इस पर लगने वाला 12.61 फीसदी शुल्क न लगने के कारण सौ यूनिट खपत करने वालों को 50 रुपए की राहत मिलेगी। इसी तरह से 400 यूनिट की खपत का टैरिफ यानी ऊर्जा प्रभार 1900 रुपए होता है। इस पर 239 रुपए नहीं लगेंगे। इसी तरह से ज्यादा खपत करने वालों को पांच सौ रुपए से ज्यादा की बचत हो जाएगी। लेकिन यह बचत फिलहाल तो एक ही माह होगी। अगले माह फिर से शुल्क का निर्धारण होगा तो शुल्क बढ़ भी सकता है। शुल्क के प्रतिशत के हिसाब से तय होगा कि फिर से टैरिफ के अलावा और कितने पैसे देने पड़ेंगे।

रायपुर
रविवार, 4 मई 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष : 23, अंक : 286
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 39.9
न्यून. 26.5

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

06 चित्रांगदा 'अधिक गोरी' नहीं होने के कारण रिजेक्ट

विचार पेज
04 जातिगणना के आंकड़ों का

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत, आठ घायल

हिम्मतनगर। गुजरात के साबरकांठा जिले में तीन वाहनों की भिड़ंत से हुए सड़क हादसे में बच्ची समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में आठ अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना हिंगटिया गांव के पास राज्य राजमार्ग पर उस समय हुई जब जीप और बस में टक्कर हो गई। इस हादसे के बाद एक मोटरसाइकिल जीप से टकरा गई। उमट ने कहा कि मोटरसाइकिल पर तीन व्यक्ति सवार थे। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और जिनमें से अधिकतर लोग जीप में सवार थे।

राजनाथ 'विक्टरी डे परेड' में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रूस द्वारा नौ मई को मॉस्को में आयोजित 'विक्टरी डे परेड' में शामिल नहीं होंगे। उनके स्थान पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ वहां भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। मॉस्को में नौ मई को आयोजित वाले समारोह में रक्षा राज्य मंत्री सेठ को भेजने का कदम पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर भारत व पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव मद्देनजर उठाया गया है।

राजस्थान में बार्डर पर पकड़ा पाक रेंजर

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल ने राजस्थान में भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक पाकिस्तानी रेंजर को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई शनिवार को की गई। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर सामने आया है, जब करीब दो हफ्ते पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था।

ड्रोन से दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा

बैतूल। मप्र के बैतूल में पहली बार पुलिस ने दुष्कर्म के एक आरोपी को पकड़ने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया, जो 10 माह से छिपता फिर रहा था। पुलिस ने दो दिन तक ड्रोन का इस्तेमाल करके आरोपी अमित मालवीय (27) की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में उसे पकड़ लिया। हमने दो दिन तक आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया और 29 अप्रैल को आरोपी को उस वक्त पकड़ लिया जब वह अपने घर में घुस रहा था। जैसे ही मालवीय परिसर में दाखिल हुआ, पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

कहीं टंकी लीकेज तो कहीं बोरवेल सूखे, 277 से ज्यादा ग्रामों में भी पेयजल की सप्लाई नहीं

लक्ष्मण लेखवानी ⏭ रायपुर

भारत सरकार ने जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत रायपुर जिले में भी 477 ग्रामों में रहने वाले प्रत्येक घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके तहत नल कनेक्शन देने के लिए पाइप लाइन बिछाने से लेकर पानी टंकी निर्माण ⏭शेष पेज 7 पर

अलग खबर

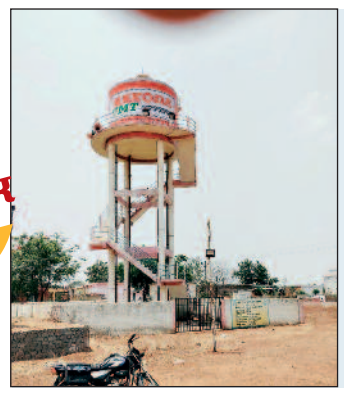

जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले में 87 ग्रामों में पाइप लाइन बिछाने व टंकी निर्माण के कार्य अधूरे

477 में से 200 ग्रामों में ही पानी की सप्लाई

जल जीवन मिशन के तहत जिले में 477 ग्रामों में नल कनेक्शन के माध्यम से घर-घर पेयजल की आपूर्ति का कार्य अगस्त 2019 से शुरू हुआ है, जिसे वर्ष 2024 तक पूर्ण किया जाना था। इस तरह जिले में इस योजना के तहत कार्य शुरू हुए करीब 6 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन अब तक मात्र 200 ग्रामों में ही घर-घर पेयजल की आपूर्ति शुरू हो पाई है। शेष 277 ग्रामों में अभी तक पेयजल पहुंचाया नहीं गया है।

केस:1
तिल्दा क्षेत्र के ग्राम पंचायत खुड़मुड़ी में पाइप लाइन, पानी टंकी निर्माण कार्य पिछले दो साल से अधूरे पड़े हुए हैं। इसके कारण इस गांव में पेयजल की समस्या बनी हुई है।

केस:2
तिल्दा क्षेत्र के ग्राम कोहका में इस योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण कराया गया है, लेकिन यह टंकी में लीकेज है तथा पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी अधूरा है। इस कारण इस गांव में भी घर-घर नल कनेक्शन लग नहीं पाए हैं।

केस: 3
ग्राम रजिया, छतोद व घुलघुल में पाइप लाइन बिछाने से लेकर पानी टंकी का निर्माण एवं घर-घर नल कनेक्शन के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन इन तीनों गांव में टंकी के बोरवेल सूख चुके हैं, जिसके कारण लोगों के घरों में पेयजल ही नहीं पहुंच रहा है।

भारत का एक और कड़ा एक्शन, सभी तरह की आदान-प्रदान रोके गए

पाक से आयात पर रोक, डाक-पार्सल सेवा बंद, जहाजों के प्रवेश पर पाबंदी

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पड़ोसी देश के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान शनिवार को बंद कर दिया। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सेवाओं को बंद करने का आदेश डाक विभाग द्वारा जारी किया गया, जो संचार मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। आदेश में कहा गया, भारत ने हवाई और जमीनी मार्गों के माध्यम से पाकिस्तान के साथ सभी श्रेणियों के डाक और पार्सल का आदान-प्रदान स्थगित करने का फैसला किया है। वहीं, नौवहन महानिदेशालय (डीजीएस) के अनुसार, भारतीय बंदरगाहों में पाकिस्तानी जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के अलावा, भारत ने भारतीय जहाजों को पाकिस्तानी बंदरगाहों पर जाने से भी रोक दिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू ⏭शेष पेज 7 पर

पहलगाम आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम के रूप में भारत ने शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दीं। भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा पाकिस्तान से आने वाली चीजों पर अब पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह पाकिस्तान पर गहरी चोट है।

पीएम मोदी से मिले उमर कश्मीर के हालात में मंथन

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उमर अब्दुल्ला ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले समेत अलग-अलग मुद्दों पर उनके साथ चर्चा की।

भारत से क्या-क्या चीजें जाती थीं

दोनों देशों के बीच व्यापार प्रतिबंध होने से पहले भारत मुख्य रूप से कपास, केमिकल, फूड प्रोडक्ट्स, दवाइयां और मसाले निर्यात करता था। इसके अलावा, चाय, कॉफी, रंग, प्याज, टमाटर, लोहा, इस्पात, चीनी, नमक और ऑटो पार्ट्स जैसी चीजें भी तीसरे देशों के माध्यम से भेजता था।

बंदरगाह पर पाकिस्तान जहाजों को भी किया बैन

भारत सरकार के शिपिंग महानिदेशालय ने पाकिस्तान के झंडे वाले जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, भारतीय झंडे वाले जहाजों को पाक के किसी भी बंदरगाह पर जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

कोलंबो में विमान की तलाशी

पहलगाम हमले से जुड़े कुछ संदिग्ध आतंकी चेन्नई से कोलंबो भागने की कोशिश कर सकते हैं। इसी सूचना के आधार पर चेन्नई से श्रीलंकाई एयरलाइंस की फ्लाइट यूएल 122 को शनिवार को कोलंबो के बंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष सुरक्षा जांच के लिए रोका गया। इसके तुरंत बाद दिल्ली से कोलंबो हवाई अड्डे को 'अलर्ट' पर रखा गया।

न्यायिक जांच के आदेश

मंदिर में उत्सव के दौरान भगदड़ दो महिलाओं समेत छह की मौत

एजेंसी ⏭ पणजी

उत्तरी गोवा के एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से लगभग 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की घोषणा की। पुलिस ने बताया कि हजारों श्रद्धालु वार्षिक उत्सव श्री लैराई जात्रा में भाग लेने के लिए ⏭शेष पेज 7 पर

क्यों मची भगदड़

महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई।

श्री लैराई जात्रा

श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

80 घायल, पांच गंभीर

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने बताया कि लगभग 80 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 वर्तमान में गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसी) में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है, जबकि शेष को विशेष रूप से बनाए गए आपातकालीन वार्ड में रखा गया है। उन्होंने बताया कि दो महिलाओं सहित छह लोगों को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया।

नीट आज : दिशा-निर्देश पहले ही जारी

पारंपरिक कपड़े पहने तो पहुंचना होगा सबसे पहले जांच में लगेगा समय

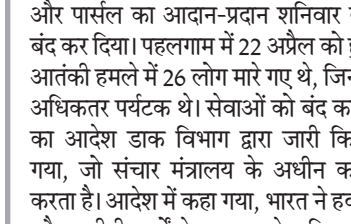

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नीट का आयोजन आज दोपहर 2 से 5 बजे तक होगा। एडमिट कार्ड अपलोड किए जाने के साथ ही परीक्षा संबंधित दिशा-निर्देश भी छात्रों के लिए जारी कर दिए गए थे। जो छात्र परीक्षा में पारंपरिक परिधान पहनकर आएंगे उन्हें 12.30 तक केंद्र पहुंचना होगा, ताकि उनकी तलाशी के लिए समय मिल सके। परीक्षा केंद्र पर 1 बजकर 30 मिनट पर ताला लगा दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र के भीतर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा 2 बजे प्रारंभ होगी, जो 5 बजे तक चलेगी। बीते सत्रों की तरह इस बार भी छात्रों को लंबे बाह वाले कपड़े, जूते, घड़ी सहित किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पहनने की अनुमति नहीं है। हालांकि गर्मी को देखते हुए पानी की पारदर्शी ⏭शेष पेज 7 पर

- छग के सभी जिलों में केंद्र, अकेले रायपुर में 27 सेंटर

यह नहीं पहन सकते...ख्याल रखें

लंबे बाह वाले कपड़े, जूते, घड़ी, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स

बी सेक्शन में नहीं आएंगे ऑप्शनल सवाल

इस साल एनटीए ने नीट यूजी के पेपर पैटर्न में संशोधन कर दिया है, जिसमें 'बी' सेक्शन में ऑप्शनल सवाल अब नहीं आएंगे, इन्हें एनटीए ने हटा दिया है। गौरतलब है कि एनटीएन ने कोविड-19 महामारी के दौरान सेक्शन बी के ऑप्शनल क्वेश्चन शुरू किए थे, जिसमें छात्रों के पास 15 प्रश्नों में से 10 प्रश्नों को हल करना होता था। अब नीट 2025 के पेपर में कुल 180 सवाल पूछे जाएंगे, जो 720 नंबर के रहेंगे यानी कि एक सवाल 4 नंबर के पूछे जाएंगे। पेपर में माइनस मार्किंग भी हैं। एक गलत जवाब के लिए आपके सही सवाल में से एक अंक काट लिए जाएंगे।

गलत सिग्नल मिला

गेवरा जाने वाली लोकल पहुंच गई कुसमुंडा साइडिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा/ बिलासपुर

शनिवार को गलत सिग्नल का नतीजा ऐसा हुआ कि गेवरा स्टेशन जाने वाली बिलासपुर-गेवरा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कम लोकल कुसमुंडा साइडिंग में पहुंच गई। अचानक साइडिंग को देखकर चालक के भी होश उड़ गए। इसकी जानकारी मिलते ही बिलासपुर डिवीजन के अधिकारियों ने तत्काल कुसमुंडा और कोरबा स्टेशन के स्टेशन मास्टर को सस्पेंड करने का आर्डर जारी कर ⏭शेष पेज 7 पर

किया गया है सस्पेंड

मामले में जांच शुरु कर दी गई है। जांच चलने तक कुसमुंडा और कोरबा के स्टेशन मास्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। जांच की रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।
-अनुराग सिंह
सीनियर डीसीएम

गरियाबंद में 8 लाख का ईनामी नक्सली ढेर एसएलआर और विस्फोटक सामग्री बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद/ मैनपुर

गरियाबंद जिले के थाना जुगाड़ क्षेत्र के ग्राम मोतीपानी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 8 लाख रुपए का ईनामी नक्सली डीव्हीसीएम योगेश मारा गया। सुरक्षा बलों ने मौके से एक ऑटोमेटिक एसएलआर रायफल समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। जिला बल ई-30 गरियाबंद व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम 2 मई को शाम लगभग 6 बजे ⏭शेष पेज 7 पर

सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी

घटना के बाद सुरक्षाबलों द्वारा पूरे क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जिला मुख्यालय लौटने के बाद मारे गए नक्सली के शव और बरामद सामग्री को वैधानिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि अभियान और तेज किया जाएगा।

नक्सली पर पहले से थे कई गंभीर अपराध दर्ज

पुलिस के अनुसार मारे गए नक्सली योगेश पर थाना मैनपुर में अपराध क्रमांक 31/2025 दर्ज है। उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 308 बीएनएस, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 5, साथ ही छत्तीसगढ़ विशेष जनसुरक्षा अधिनियम 2025 की धारा 3 और 10 समेत कई संगीन धाराएं दर्ज थीं। ये मामला 20 मार्च 2025 को ग्राम बेगरपाला मरदकला के मध्य पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सली वारदात से जुड़ा है।

घंटों पड़ा रहा सड़क के किनारे, किसी ने नहीं दिया ध्यान

युवा व्यवसायी स्कूटी कर रहा था स्टार्ट, अटैक आया, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सरगुजा में अब साइलेंट हार्टअटैक के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। एक बार फिर हार्ट अटैक से एक युवा व्यावसायी की मौत हो गई। मृतक को स्कूटी स्टार्ट करते समय अटैक आया और वह जमीन पर गिर गया। बड़ी बात यह है कि जमीन पर गिरे युवक पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जब तक लोगों का ध्यान युवक पर गया काफी देर हो चुकी थी। युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अब युवक को हार्ट अटैक आने और उसकी मौत से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि नगर के नवापारा निवासी ⏭शेष पेज 7 पर

देर तक सड़क किनारे पड़ा रहा

युवक के जमीन पर गिरने के बाद रास्ते से गुजर रहे लोगों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। रात का समय होने के बाद भी संगम चौक के आस पास लोगों की आवाजाही बनी रहती है, लेकिन किसी ने सड़क किनारे गिरे युवक की ओर जाकर नहीं देखा। कुछ समय बाद किसी का ध्यान युवक पर गया तो उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने इंद्रजीत सिंह को मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी वीडियो हुआ वायरल

अब युवक के हार्ट अटैक से मौत से जुड़ा एक सीसीटीवी वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमे यह नजर आ रहा है कि किस तरह युवक जमीन पर गिर गया। यदि युवक को समय रहते अस्पताल पहुंचाया गया होता तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। इस घटना के बाद परिवार सदमे में है।

बिना दिमाग के जीते हैं ये समुद्री जीव, अंग के उपयोग से समझते हैं आसपास का वातावरण

दिमाग को जानवरों का सबसे जरूरी अंग माना जाता है क्योंकि यह उन्हें सोचने, समझने और निर्णय लेने की शक्ति देता है। हालांकि, कुछ समुद्री जीव ऐसे होते हैं, जिनके पास दिमाग नहीं होता और फिर भी वे जीवित रहते हैं। ये समुद्री जीव अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिना दिमाग के जीते हैं और अपने आसपास की दुनिया को समझने के लिए अन्य अंगों का उपयोग करते हैं। आइए आज हम आपको कुछ समुद्री जीवों के बारे में बताते हैं।

स्टारफिश

स्टारफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जो बिना दिमाग के जी सकता है। यह अपने पैरों की मदद से समुद्र की सतह पर चलती है और अपने भोजन को खोजती है। स्टारफिश में एक खासियत होती है कि अगर इसका कोई हाथ कट जाए तो यह उसे फिर से उगा सकती है।इसके अलावा स्टारफिश पानी के माध्यम से भी अपने आसपास के माहौल को महसूस कर सकती है।

जेलीफिश

जेलीफिश भी एक ऐसा समुद्री जीव है, जिसके पास वास्तव में कोई दिमाग नहीं होता। जेलीफिश अपने शरीर के झिल्लियों के माध्यम से संवेदनाओं का अनुभव करती हैं और अपने पर्यावरण के साथ बातचीत करती हैं। जेलीफिश की कुछ प्रजातियां तो बिना किसी दिमाग के कई वर्षों तक जीवित रह सकती हैं। जेलीफिश समुद्र के गहरे हिस्सों में रहती हैं इसलिए इनके शरीर में किसी भी तरह की जटिल संरचना विकसित नहीं होती है।

समुद्री मकड़ी

समुद्री मकड़ी एक अनोखा समुद्री जीव है, जो बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहती है। यह मकड़ी समुद्र के गहरे हिस्सों में पाई जाती है और इसकी खासियत है कि यह अपने शरीर के अन्य हिस्सों के माध्यम से पोषक तत्व ग्रहण करती है। वह पानी में मौजूद ऑक्सीजन और अन्य पोषक तत्वों का इस्तेमाल करके जीवित रहती है। इस प्रक्रिया को 'डायरेक्ट अब्जॉर्प्शन' कहा जाता है।

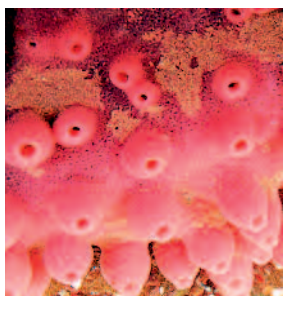

स्पंज

स्पंज एक ऐसा जीव है, जो पानी में पाया जाता है और बिना किसी दिमाग के भी जीवित रहता है। स्पंज अपनी सतह के माध्यम से पानी को अवशोषित करता है और इससे पोषक तत्वों को ग्रहण करता है। स्पंज की संरचना बहुत सरल होती है, लेकिन यह कई प्रकार के पोषक तत्वों को अपने शरीर में जमा कर सकता है। इसके अलावा स्पंज की खासियत यह भी है कि यह समुद्र की गहराइयों में पाया जाता है।

रोचक खबरें

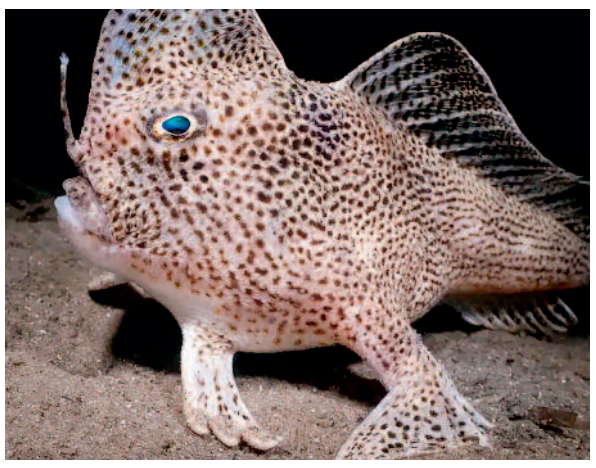

दुनिया की वो रंग-बिरंगी मछली, जो समंदर में चलती है, तैरती नहीं

नई दिल्ली। जंगल और समंदर के कुछ जीव ऐसे हैं जो अब गिने चुने बचे हैं। इन्हें विलुप्त होती प्रजातियों में रखा जाता है। ऐसी ही कुछ मछलियों को ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया द्वीप पर देखा गया है। देखने में यह अजीब सा जीव लगता है। इसके पंख हथेली की तरह दिखाई देते हैं। इसी के सहारे मछली पानी में आगे बढ़ती है। इसका नाम हैंडफिश है। पर्पल, रेड, पिंक कलर की इस फिश को आसानी से पहचाना जा सकता है। ये समंदर के नीचे तली में चलती हैं और अपने शिकार की तलाश में रहती हैं। ये छोटे कीड़े खाती हैं। इन रंगीन मछलियों को बचाने के लिए संरक्षण कार्यक्रम भी चल रहे हैं। पहली बार इन मछलियों को देखने का मौका मिले तो ऐसा लगेगा कि जैसे किसी ने पेंटिंग की हो। तस्मानिया यूनिवर्सिटी ने इसके संरक्षण के मकसद से एक वेबसाइट बनाई है और डोनेशन की पहल कर रही है। बताया गया है कि ये मछलियां ऐसे फैमिली से आती हैं जिनके 'हाथ' काफी बड़े होते हैं और ये तैरती नहीं बल्कि चलती हैं। जी हां, ये वॉक करती हैं। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में कुल 14 हैडफिश की प्रजातियां पाई जाती हैं। इनके रहने की जगह खत्म हो रही है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन भी इन्हें प्रभावित कर रहे हैं।

दुनिया के ऐसे 5 भयानक युद्ध, जिसमें पूरा का पूरा देश ही हो गया तबाह; भारत ने भी दिखाई थी ताकत

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल नजर आने लगा है। भारत जहां पाकिस्तान में मौजूद आतंकियों को सबक सिखाने के लिए अपनी कमर कस लिया है तो वहीं पाकिस्तान अपनी गीदड़ भभकी करने से बिल्कुल बाज नहीं आ रहा है। फिलहाल, 30 अप्रैल 1975 को वियतनाम का युद्ध खत्म हुआ था, जो 1 नवंबर 1955 से शुरू हुआ था। हम आपको दुनिया की पांच उन युद्धों के बारे में बताते हैं जिसमें पूरा देश ही तबाह हो गया।

वियतनाम युद्ध (1955-1975)

वियतनाम युद्ध शीत युद्ध का हिस्सा था. कम्युनिस्ट उत्तर वियतनाम ने गैर-

कम्युनिस्ट दक्षिण वियतनाम पर हमला किया। अमेरिका 1961 में युद्ध में शामिल हुआ और 1973 में सैनिकों को वापस बुलाया। 1975 में, उत्तर वियतनाम ने दक्षिण पर कब्जा कर लिया। इस युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

भारत ने दिखाया दमखम, बांग्लादेश स्वतंत्रता संग्राम (1971)

1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) और पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के बीच नौ महीने का युद्ध हुआ। भारत ने, शरणार्थियों की समस्या के कारण हस्तक्षेप किया। दिसंबर 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया, जिससे भारत-पाक युद्ध शुरू हुआ। भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हावी होकर 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया। यह युद्ध बांग्लादेश की स्वतंत्रता के साथ खत्म हुआ।

अफगानिस्तान युद्ध (2001-2021)

9/11 हमले के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र गठबंधन ने

अफगानिस्तान पर हमला किया क्योंकि तालिबान ने ओसामा बिन लादेन को सौंपने से इनकार कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश ने हमले की अनुमति दी। तालिबान सरकार गिरा दी गई, लेकिन तालिबान ने फिर से हमले शुरू किए। 2011 में अमेरिका ने पाकिस्तान में ओसामा को मार गिराया। 2021 में राष्ट्रपति बाइडेन ने सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की घोषणा की। 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया।

कोरियाई युद्ध (1950-1953)

25 जून 1950 को नॉर्थ कोरिया ने सोवियत संघ की सलाह पर साउथ कोरिया

पर हमला किया। नॉर्थ कोरिया का लक्ष्य पूरे कोरिया को कम्युनिस्ट शासन में लाना था। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका साउथ कोरिया की मदद के लिए आया। चीन ने नॉर्थ कोरिया का साथ दिया। इस युद्ध में लगभग 25 लाख लोग मारे गए। जुलाई 1953 में युद्ध खत्म हुआ, लेकिन कोरिया आज भी दो हिस्सों में बंटा है। यह युद्ध शीत युद्ध के दौरान अमेरिका और रूस के बीच बड़ा संघर्ष था।

इराक युद्ध (2003-2011)

2003 में अमेरिका और ब्रिटेन ने इराक पर हमला किया ताकि कथित सामूहिक विनाश के हथियार नष्ट किए जाएं और सद्दाम हुसैन का शासन खत्म हो। हथियारों की खबर गलत निकली, जिससे इराक में हिंसा बढ़ी। सद्दाम को पकड़कर फांसी दी गई। 2011 में राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाया, जिससे नौ साल का युद्ध खत्म हुआ।

जापान के इस शहर में लोगों दिनभर में एक बार हंसना है अनिवार्य

जापान को दुनिया का सबसे खुशहाल देशों में से एक माना जाता है। अब यहां के यामागाटा प्रान्त ने एक अनोखा कानून बनाया है, जिसमें नागरिकों को दिन में एक बार हंसना अनिवार्य किया गया है। यामागाटा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के एक अध्ययन से प्रेरित इस कानून का उद्देश्य निवासियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना है। शोध से पता चलता है कि हंसने से हृदय रोग का खतरा कम होता है और दीर्घायु को बढ़ावा मिलता है। यह कानून लोगों को हंसी के लाभों के बारे में बताने और कार्यस्थलों पर हंसी से भरे माहौल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके बावजूद इसे टोरू सेकी और सटोरू इशिगुरो जैसे राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा, जिनका तर्क है कि यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। सेकी ने कहा कि हंसना या न हंसना मौलिक मानव अधिकार है, जबकि इशिगुरो ने बीमारी जैसे कारणों से हंसने में असमर्थ लोगों के अधिकारों पर जोर दिया। विवाद के बावजूद, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के काओरी इटो ने कानून का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत निर्णय के सम्मान पर जोर देता है और हंसने को मजबूर नहीं करता है। स्थानीय अधिकारियों ने आगे स्पष्ट किया कि रोजाना हंसने में असमर्थ लोगों के लिए नए नियम में कोई दंड प्रावधान नहीं है।

जापान के इस बार में बॉडीबिल्डर महिलायें करती हैं ग्राहकों की पिटाई, ग्राहक देते हैं पैसे

आम तौर पर बार या रेस्टोरेंट में वेटर ग्राहकों की खूब खातिरदारी करते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि उन्हें कोई तकलीफ न हो। हालांकि, जापान में एक ऐसा विचित्र बार है, जहां ग्राहकों की पिटाई की जाती है। इसके लिए बार में कई बॉडीबिल्डर महिलाओं को नियुक्त भी किया गया है। ये सभी महिलायें ग्राहकों को थप्पड़ और लातें मारकर अपनी मेहमान-नवाजी दिखाती हैं। जापान के टोक्यो स्थित इस बार का नाम 'मसल गर्ल्स बार' है, जो फिटनेस थीम पर बना है। इस बार में ब्राजीलियाई जिउ-जित्सु अभ्यासकर्ता, फिटनेस के प्रति जागरुक महिलायें, पेशेवर महिला पहलवान और अभिनेत्रियां वेट्रेस के रूप में काम करती हैं। ग्राहक वेट्रेस द्वारा थप्पड़ खाने, लात खाने या उठाकर पटके जाने जैसी सेवाओं के लिए उन्हें पैसे देते हैं। ग्राहक जापानी येन खर्च करके 'मसल मनी' खरीद सकते हैं, जो मार खाने के लिए वेट्रेस को दी जाती है। इस बार की मालकिन का नाम हरि है, जो कि एक पूर्व फिटनेस यूट्यूबर हैं। 2020 में उनका जिम बंद होने के बाद हरि ने बार खोला था। इन महिलाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली पिटाई की व्यक्तिगत सेवाओं की लागत 30,000 येन यानि करीब 17,000 रुपये तक हो सकती है। स्क्वाट करते समय ग्राहक इन महिलाओं के कंधों पर भी सवारी कर सकते हैं, जिसका शुल्क ग्राहक के वजन के आधार पर अलग-अलग होता है। हरि बचपन से ही एक उत्सुक वॉलीबॉल खिलाड़ी रही हैं, जिन्हें अपनी ताकत पर गर्व है। हरि ने एक आस्ट्रेलियन ग्राहक को थप्पड़ मारा था, जिसके बाद अन्य ग्राहक उनसे थप्पड़ खाने के लिए आने लगे थे।

दुनिया के सबसे जहरीले सांपों का घर है ये टापू, यहां इंसानों का बचना नामुमकिन!

धरती पर एक ऐसी जगह भी है, जहां कदम रखना मतलब मौत को बुलावा देना। यहां चारों तरफ सिर्फ जहर ही जहर फैला है। हर कोने में मौत घात लगाए बैठी है. यही है दुनिया का सबसे खतरनाक टापू!

स्नेक आइलैंड: खौफ का दूसरा नाम

इल्हा दा क्वेमादा ग्रांडे, जिसे स्नेक आइलैंड कहा जाता है, दुनिया की सबसे खतरनाक जगहों में शुमार है। यह छोटा-सा द्वीप ब्राजील के साओ पाउलो तट से 33 किमी दूर अटलांटिक महासागर में बसा है। यहां हर कदम पर सांपों का सामना होता है, और वो भी इतने जहरीले कि इंसान का बचना नामुमकिन है। इस जगह का नाम सुनते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं!

हर वर्ग मीटर में सांपों का बसेरा

स्नेक आइलैंड की सबसे डरावनी बात यह है कि यहां हर वर्ग मीटर में 3 से 5 जहरीले सांप मौजूद हैं। यानी आप जहां भी कदम रखें, सांपों से सामना तय है। अनुमान है कि इस 43 हेक्टेयर के द्वीप पर हजारों सांप रहते हैं। इनमें से ज्यादातर गोल्डन लैंचहेड वाइपर हैं।

ब्राजील सरकार का सख्त बैन

स्नेक आइलैंड की खतरनाक स्थिति को देखते हुए ब्राजील सरकार ने इस द्वीप पर आम लोगों के जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रखा है। केवल वैज्ञानिकों और विशेष अनुमति प्राप्त लोगों को ही यहां जाने की इजाजत है। वह भी सख्त सुरक्षा और नौसेना की निगरानी में। यह बैन इस जगह को और भी रहस्यमय बनाता है। स्नेक आइलैंड का इतिहास कहा जाता है कि स्नेक आइलैंड का नाम पुर्तगाली भाषा के शब्द "क्वेमादा" से आया है, जिसका मतलब है "जलाया हुआ"।

गोल्डन लैंचहेड वाइपर जहर का बादशाह

इस आइलैंड का सबसे खतरनाक निवासी है गोल्डन लैंचहेड वाइपर, जिसे दुनिया का सबसे जहरीला सांप कहा जाता है। इसका जहर इतना खतरनाक है कि यह इंसान के मांस को पिघला सकता है और कुछ ही मिनटों में जान ले सकता है। इस सांप की खासियत यह है कि यह केवल स्नेक आइलैंड पर ही पाया जाता है, और इसकी संख्या 2,000 से 4,000 के बीच मानी जाती है।

क्यों है इतना खतरनाक यह द्वीप?

स्नेक आइलैंड की खतरनाक प्रकृति का राज इसके इतिहास में छिपा है। हजारों साल पहले यह द्वीप ब्राजील की मुख्य भूमि से अलग हो गया था। उस वक्त यहां मौजूद सांपों को जीवित रहने के लिए पक्षियों का शिकार करना पड़ा।

ये जानवर है या पत्थर की फुटबॉल? शख्स ने मारी गोली, तो उल्टा ही पड़ गया दांव

नई दिल्ली। ये बात है साल 2015 की... जब सेंट्रल जॉर्जिया में 54 साल के एक शख्स ने गलती से अपनी सास को गोली मार दी। इस घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। दरअसल 54 साल के लैरी मैकलेरॉय ने अपनी 9एमएम की पिस्तौल से एक आर्मांडिलो पर फायर किया था। आर्मांडिलो एक ऐसा जानवर है, जिसे बुलेट प्रूफ कहा जाता है। जब पिस्तौल से निकली गोली आर्मांडिलो की सख्त चमड़ी से टकराई तो वो उछल कर घर में कुर्सी पर बैठी बुजुर्ग की पीठ में लगी। आर्मांडिलो दुनिया के सबसे शातिर जीवों में से एक है। ये बड़े से बड़े हमले में भी खुद को बचा लेने में माहिर है। आज हम आपको इसी विचित्र जानवर के बारे में बताएंगे।

फुटबॉल बन जाता है ये जानवर : ये जानवर साउथ अमेरिका में पाया जाता है। आर्मांडिलो की खासियत यही है कि ये खतरा भांपते ही खुद को समेत के गोलाकार आकार ले लेता है। जब ये खुद को समेटता है, तो बिल्कुल एक पत्थर की फुटबॉल जैसा हो जाता है। वहीं इसकी आवरण पत्थर से भी कठोर होता है, जिसे तोड़ना नामुकिन है।

आर्मांडिलो बेहद खूबसूरत जीव : आर्मांडिलो बेहद खूबसूरत जीव है। इसकी 20 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके ऊपर की शैल इतनी मजबूत होती है, जिसपर बंदूक की गोली का भी कुछ असर नहीं होता। यहीं वजह से कि इसे बुलेट प्रूफ जीव कहा जाता है।

ना गंगा, ना यमुना... ये है भारत की सबसे पुरानी नदी गायब हुई नदी आज भी बह रही है धरती के नीचे!

नई दिल्ली। भारत में नदी को देवी का स्थान दिया गया है। इससे लोगों की लोक आस्था जुड़ी हुई है। नदी के जल से लोग पूजा पाठ भी करते हैं। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन गंगा नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है। इसके अलावा, गंगा सप्तमी के दिन भी मां गंगा की पूजा का महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, गंगा नदी में डुबकी लगाने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। कई लोगों की ऐसी धारणा है कि गंगा भारत की सबसे पुरानी नदी है, लेकिन आज के आर्टिकल में हम आपको यह बताएंगे कि भारत की सबसे पुरानी नदी न ही गंगा है और ना ही यमुना है। भारत की सबसे पुरानी नदी का नाम सुनकर आप सभी को आश्चर्य होगा, क्योंकि धरती के ऊपर से इसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले ही खत्म हो चुका है।

सरस्वती है भारत की सबसे पुरानी नदी

दरअसल, भारत में बहने वाली इस नदी का नाम सरस्वती है, जो कि सबसे पुरानी नदी मानी जाती है। जिसका अस्तित्व सैकड़ों साल पहले धरती के ऊपर से खत्म हो चुका है, लेकिन आज भी यह धरती के नीचे बह रही है। इस नदी की धारा आज भी जमीन के नीचे मौजूद है।

नदी का अवशेष

वैज्ञानिकों की खोजबीन के अनुसार, प्राचीन काल में बहने वाली इस नदी का प्रमाण भी मिला है। उनके अनुसार, हिमालय में आदि बद्री से गुजरात में कच्छ से होकर 5000 किलोमीटर तक जमीन के भीतर जल भंडार का पता चला है। वैज्ञानिकों की मानें तो, सालों पहले यहां भूकंप आने से सरस्वती नदी का पानी नीचे चला गया। हालांकि, आज भी इस नदी के अवशेष घग्गर-हकरा नदी के रुप में मौजूद है।

ग्रंथों में है उल्लेख

हिंदू ग्रंथो में सरस्वती नदी का उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद में सरस्वती नदी को यमुना के पूर्व और सतलुज के पश्चिम में बहता हुआ बताया गया है। अमूमन इस नदी का नाम तो सभी ने सुना है, लेकिन आज तक किसी ने इस नदी को देखा नहीं है। मान्यताओं के अनुसार, प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। इसलिए इस त्रिवेणी संगम कहते हैं। महाभारत में इस नदी के गायब होने की बात लिखी गई है। जिसके अनुसार, यह नदी हरियाणा में यमुनानगर से थोड़ा ऊपर और शिवालिक पहाड़ियों से थोड़ा नीचे आदि बद्री नामक स्थान से निकलती थी।

'मैं खुद जाऊंगा सीमा पर, फिदायीन बनकर पाकिस्तान पर हमला करूंगा'

एजेंसी ▶▶| बंगलुरू

कर्नाटक के आवास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव को बीच मंत्री जमीर अहमद खान का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें अनुमति दें तो वे पड़ोसी देश से जंग के लिए खुद ही फिदायीन हमलावर बनकर जाने के लिए तैयार हूं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया गया उनका यह नाटकीय बयान तुरंत वायरल हो गया और राजनीतिक हलकों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई।

वायरल हो रही वीडियो में कर्नाटक सरकार के मंत्री जमीर खान कह रहे है कि पाकिस्तान हमेशा से ही भारत का दुश्मन रहा है। ऐसे दुख के मौके पर अगर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुझे मौका देते हैं तो मैं खुद सीमा पर जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं।

कर्नाटक के मंत्री ने लगाई 'मोदी, शाह से गुहार

वायरल हुआ बयान, कहा- मुझे दे दें आत्मघाती बम

पहलगाम हमले के बाद देशभर में है पाक को लेकर गुस्सा

हमारा पाक से कोई नाता नहीं

मंत्री जमीर खान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, हम सब भारतीय हैं, हम हिन्दुस्तानी हैं। हमारा पाकिस्तान से कोई नाता नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन मुल्क रहा है। मैं पाकिस्तान जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। मोदी, शाह मुझे आत्मघाती बम दें, मैं बांधकर पाकिस्तान जाऊंगा और हमला करूंगा। मंत्री ने कहा कि वह देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं और उन्होंने केंद्र से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। खान के इस बयान के बाद आस-पास मौजूद सभी लोग हंसने लगे, लेकिन उन्होंने कहा, "मैं यह मजाक नहीं कर रहा हूं या इसे मजाकिया अंदाज में नहीं कह रहा हूं, मैं इसे लेकर बहुत गंभीर हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सामना करने के लिए हर भारतीय को एकजुट होना चाहिए

टिप्पणी की टाइमिंग

मंत्री जमीर अहमद की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिनों पहले ही उनकी पार्टी के सहयोगी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की देशव्यापी आलोचना हुई थी कि वह पाकिस्तान के साथ युद्ध के पक्ष में नहीं हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सिद्धारमैया ने कहा था कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की कोई जरूरत नहीं है। कड़े सुरक्षा उपाय शुरू किए जाने चाहिए। हम युद्ध छेड़ने के पक्ष में नहीं है।. शांति होनी चाहिए, लोगों को सुरक्षित महसूस होना चाहिए और केंद्र सरकार को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

ये है मामला

गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी। तीन जुलाई से शुरू होने जा रही श्रीअमरनाथ यात्रा से पहले इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। उस हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान मारे गए थे।

खबर संक्षेप

म्यूजिकल कॉन्सर्ट विवाद सोनू के खिलाफ एफआईआर

बेंगलुरू। मशहूर प्लेबैक सिंगर सोनू निगम विवादों में घिर गए हैं।

गायक के खिलाफ बेंगलुरु के अवलाहल्ली पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। सोनू ने हाल में बेंगलुरू में अपना म्यूजिकल कॉन्सर्ट किया था। शिकायत के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक छात्र ने गायक से कन्नड़ गाना गाने का अनुरोध किया। जवाब में सोनू निगम ने भड़कते हुए कथित तौर पर कहा, 'कन्नड़, कन्नड़, कन्नड़... यही कारण है कि पहलगाम में यह घटना हुई,' सिंगर ने छात्र की रिक्वेस्ट को 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले से जोड़ते हुए फटकारा।

पं. प्रदीप मिश्रा ने दिया पहनावे पर विवादित बयान

सीहोर। सीहोर में हो रहे एक आयोजन में कथावाचक पंडित

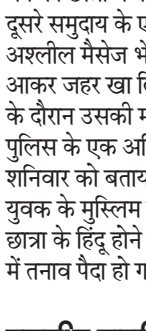

प्रदीप मिश्रा ने लड़कियों को उनकी सुरक्षा का एक ऐसा तरीका बताया है जो विवादों में आ गया। कथावाचक द्वारा महिलाओं के पहनावे को उनके साथ होती आपराधिक घटनाओं का जिम्मेदार बताने के कारण बवाल मच गया है। समारोह में मिश्रा ने कहा कि जिस तरह से तुलसी के पौधे की जड़ दिखने पर वो मर जाता है। उसी तरह से महिला की भी अगर नाभि दिखती है तो उसकी इज्जत चली जाती है। अगर नाभि दिखेगी तो महिला असुरक्षित हो जाएगी और उसके साथ आपराधिक घटनाएं हो जाएगी।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने की आत्महत्या

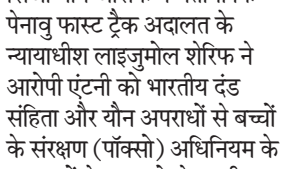

इटावा (उप्र)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के ऊसराहार थाना क्षेत्र के एक गांव में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने कथित तौर पर दूसरे समुदाय के एक युवक द्वारा अश्लील मैसेज भेजे जाने से तंग आकर जहर खा लिया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि आरोपी युवक के मुस्लिम होने और पीड़ित छात्रा के हिंदू होने की वजह से गांव में तनाव पैदा हो गया है।

मूकबधिर नाबालिग से दुष्कर्म मिला आजीवन कारावास

इडुक्की (केरल)। केरल की एक अदालत ने चार साल पहले इडुक्की जिले में एक मूक-बधिर लड़की से दुष्कर्म के दोषी 32 वर्षीय व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) शिजो मोन जोसेफ ने बताया कि पेनावु फास्ट ट्रैक अदालत के न्यायाधीश लाइजुमोल शेरिफ ने आरोपी एंटनी को भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोहरे आजीवन कारावास की सजा सुनाई और निर्देश दिया कि उसे मृत्यु तक कारावास में रखा जाए।

संयुक्त राष्ट्र में की अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग

पाक ने दुनिया से लगाई 'बचाने' की गुहार कहा- काइनेटिक एक्शन करेगा हिंदुस्तान

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने भारत-पाक के बीच तनावपूर्ण स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय दखल की मांग की है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से पाकिस्तान 'काइनेटिक एक्शन' के खतरे का सामना कर रहा है, ऐसे में दुनिया इस तरफ ध्यान दे। उन्होंने कहा कि भारत पर तनाव कम करने की दुनिया की अपील का कोई खास असर नहीं हो रहा है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस मामले में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव की वजह पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकवादी हमला है, इसमें 26 लोगों की जान गई है। भारत की ओर से इस हमले के लिए पाकिस्तान पर उंगली उठाई है। आसिम इफ्तिखार अहमद ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की है। अहमद ने उन्हें भारत और पाकिस्तान दोनों का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया है। ताकि पहलगाम के मुद्दे पर वह खुद चीजों को देख सकें। हालांकि भारत का रुख पाकिस्तान के साथ विवाद में किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी नहीं करने का रहा है। ऐसे में ये बहुत संभव नहीं लग रहा है।

पहलगाम आतंकी अटैक के बाद है तनाव का माहौल

संयुक्त राष्ट्र महासचिव से दौरा करने की मांग की

संयुक्त राष्ट्र तक लेकर जाएंगे मामला

भारत के साथ तनाव पर आसिम ने कहा कि पाकिस्तान इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने पर विचार करेगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के साझा दोस्तों को तनाव कम करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत-पाक संघर्ष के दूरगामी और विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इसलिए हम बातचीत पर जोर दे रहे हैं। इंटरनेशनल कम्युनिटी को भी हस्तक्षेप तेज करने की जरूरत है। आसिम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से हालिया दिनों में दो बार मुलाकात की है।

तनाव के बीच अब्दाली मिसाइल का परीक्षण भी किया

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ बढ़े तनाव के बीच पाकिस्तान ने शनिवार को अब्दाली मिसाइल का परीक्षण किया है। अब्दाली हथियार प्रणाली, 450 किलोमीटर की रेंज वाली सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है। पाकिस्तान की ओर से यह परीक्षण ऐसे समय किया गया है, जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस प्रक्षेपण का उद्देश्य सैनिकों की अभियानगत तत्परता सुनिश्चित करना और मिसाइल की उन्नत नौवहन प्रणाली तथा उन्नत गतिशीलता विशेषज्ञताओं सहित प्रमुख तकनीकी मापदंडों की जांच करना था। सेना ने अभ्यास के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि मिसाइल प्रक्षेपण 'अभ्यास इंडस' का हिस्सा था, जो सफल रहा है। प्रशिक्षण प्रक्षेपण में सेना सामरिक बल कमान के कमांडर, सामरिक योजना प्रभाग, सेना सामरिक बल कमान के वरिष्ठ अधिकारी आदि मौजूद थे।

गल्फ देशों की शरण में पहुंचे पीएम शरीफ

प्रधानमंत्री शहबाज ने क्षेत्र के वर्तमान राजनीतिक माहौल पर अन्य देशों के साथ अपनी बातचीत जारी रखी। शुक्रवार को पाकिस्तान में सऊदी अरब के राजदूत नवाफ बिन सईद अल-मलिकी के साथ हुई मुलाकात के बारे में पीएमओ के बयान में कहा गया, 'उन्होंने सऊदी अरब समेत भाईचारे वाले देशों से क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए भारत पर दबाव बनाने का आग्रह किया। उन्होंने दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए पाकिस्तान की इच्छा दोहराई।' प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत हमद ओबैद इब्राहिम सलेम अल-जाबी के साथ एक अलग बैठक में भी इसी तरह का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री शहबाज ने कुवैत के राजदूत नासिर अब्दुलरहमान जस्सर से भी मुलाकात की।

आतंकवाद मानवता के लिए बड़ा खतरा, आतंकियों के मददगारों को भी नहीं छोड़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाए जाएंगे।

राजधानी दिल्ली में अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लौरेंको के साथ एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हम दोनों इस बात पर सहमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है।' प्रधानमंत्री ने इस हमले में जान गंवाने वालों के लिए दुख जताया और कहा, 'मैं पहलगाम हमले में जानमाल के नुकसान पर संवेदना जताने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला का धन्यवाद करता हूं।' इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के एक कार्यक्रम में बोलते हुए पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने हमले के दोषियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत आतंकवादियों और उनके समर्थकों का हर हाल में पीछा करेगा और उन्हें सजा दिलाकर ही दम लेगा।

पीएम मोदी ने फिर किया बड़ा ऐलान

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस

प्रधानमंत्री ने कहा, 'बिहार की धरती से मैं पूरी दुनिया को यह साफ संदेश देना चाहता हूं — भारत हर आतंकवादी और उनके समर्थकों को ढूंढ़ निकालेगा, उनकी पहचान करेगा और उन्हें सख्त सजा देगा। हम उन्हें धरती के किसी भी कोने में छिपे रहें, वहां तक पीछा करेंगे।' प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ किया कि सरकार की नीति आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की है और जो भी इस हमले में शामिल है, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा, 'चाहे कोई सीधे हमले में शामिल हो या पर्दे के पीछे साजिश रच रहा हो – किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। भारत पूरी ताकत के साथ इसका जवाब देगा।'

आतंकियों के घरों में जाती थीं महबूबा कश्मीरी पंडितों को किसने मारा?

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती पर शनिवार को निशाना साधा। दरअसल, पहलगाम हमले के पीछे स्थानीय लोगों के सपोर्ट वाली बात की महबूबा मुफ्ती ने आलोचना की थी। इसे लेकर फारूक ने कहा, '34 साल हो गए। इसकी शुरुआती किसने की। वे कौन लोग थे जो बाहर गए और वापस आए। वे कौन थे जिन्होंने हमारे पंडित भाइयों को यहां से निकाला।

इसका जवाब दीजिए। मैं जिन जगहों पर नहीं जा सकता था, वहां ये (महबूबा मुफ्ती) जाती थीं... उन आतंकियों के घरों में।' उन्होंने कहा कि मुफ्ती की हर बात का मैं जवाब दूं तो अच्छा नहीं लगेगा। मैं महबूबा से कहूंगा कि ऐसी बातें ना करें। हम कभी आतंकवाद के साथ नहीं रहे और ना ही रहेंगे। ना हम कभी पाकिस्तानी थे, ना हैं और ना होंगे। हम भारत का अटूट अंग हैं और हम भारत का मुकुट हैं।

पीडीपी चीफ की आलोचना से भड़के फारूक अब्दुल्ला

ऐसे हुई दोनों के बीच बहस की शुरुआत

फारूक ने कहा था कि पहलगाम जैसे हमले बिना लोकल समर्थन के नहीं हो सकते। इस पर एनसी प्रमुख ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता कि ये चीजें तब तक हो सकती हैं जब तक कोई उनकी मदद न करे। इसी की आलोचना करते हुए महबूबा ने कहा था कि अब्दुल्ला की टिप्पणी न केवल भ्रामक है, बल्कि घातक भी है। इससे मीडिया चैनलों को कश्मीरियों तथा मुसलमानों को और अधिक बदनाम करने का मौका मिल रहा है।'

दीक्षांत समारोह में छलकी खुशी...

जबलपुर। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह के दौरान शनिवार को छात्र खुशी मनाते हुए।

पाक ने एलओसी पर तोड़ा लगातार 9वीं रात सीजफायर

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की नापाक हरकतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीती नौ रातों से लगातार पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी की जा रही है। कुपवाड़ा, उरी और अखनूर क्षेत्रों में पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर से संघर्षविराम का उल्लंघन किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। तीन दिन पहले भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि निरंतर सीजफायर उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पहलगाम हमले का असर, संख्या में आई 50 फीसदी तक की कमी

करतारपुर कॉरिडोर पर आधे से भी कम हो गए श्रद्धालु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले का असर करतारपुर कॉरिडोर से होकर गुरु नानक देव जी से जुड़े गुरुद्वारे श्री दरबार साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं पर भी पड़ा है। श्री दरबार साहिब गुरुद्वारा जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में 50 फीसदी तक की कमी आई है।

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक का निधन यहीं पर हुआ था और उनकी स्मृति में ही यह गुरुद्वारा बना हुआ है। यह पाकिस्तानी पंजाब के नारोवाल जिले में पड़ता है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 पर्यटकों को आतंकियों ने धर्म पूछकर मार डाला था। इसके जवाब में भारत सरकार ने अगले ही दिन सिंधु जल समझौते को रद्द कर दिया था। इसके अलावा कूटनीतिक संबंधों को भी डाउनग्रेड किया गया था। इसके तहत भारत में स्थित पाकिस्तान के राजनयिकों की संख्या कम की गई है। इस हमले के तत्काल बाद भारत ने अटारी वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया था। लेकिन करतारपुर कॉरिडोर को दोनों देशों में से किसी ने भी बंद करने की पहल नहीं की है। फिर भी ऐतिहासिक गुरुद्वारे जाने वाले लोगों की संख्या आधे से भी कम हो गई है।

पाकिस्तानी पंजाब के नारोवाल जिले में पड़ता है करतारपुर कॉरिडोर

वाघा बॉर्डर बंद होने के बाद ये एकमात्र जमीनी रूट है जो खुला है

लगातार संख्या में कमी

आतंकी हमले के अगले ही दिन करीब 408 श्रद्धालुओं ने सीमा पार की थी। लेकिन 24 अप्रैल से इसमें गिरावट आने लगी। उस दिन 493 श्रद्धालुओं को सीमा पार जाने की अनुमति मिली थी, लेकिन 333 लोग ही गए। फिर अगले ही दिन यह संख्या 308 हो गई। इसके बाद 26 अप्रैल को 208, 27 तारीख को 239 और 28 तारीख को 133 लोग ही गुरुद्वारे पर गए। 29 को 223, 30 अप्रैल को सिर्फ 152 तथा 1 मई को 192 लोगों ने यात्रा पूरी की।

नानक कस्बे से महज 5 किमी दूर

यह गुरुद्वारा पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक कस्बे से महज 4.5 किलोमीटर की दूरी पर ही स्थित है। मालूम हो कि अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने के बाद ये एकमात्र जमीनी रूट है जो खुला है। वर्ष 2024 में दोनों देश इस कॉरिडोर को पांच साल तक खोलने के लिए राजी हुए थे।

तहव्वुर राणा की लिखावट का लिया गया सैंपल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के आरोपियों के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश होने पर तहव्वुर राणा के वकील पीयूष सचदेवा ने कहा कि आरोपी तहव्वुर राणा को उसकी लिखावट का नमूना लेने के लिए लाया गया और यह न्यायिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया गया। उसने अदालत के आदेशों का पालन किया है। एजेंसियों ने लोधी रोड स्थित अपने मुख्यालय में आवाज के नमूने एकत्र किए। हस्ताक्षरों की तरह ही लिखावट के नमूनों में सामान्य अल्फा-न्यूमेरिक अक्षर लिए गए। दो दिन पहले ही दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति दे दी थी। एक सूत्र ने यह जानकारी दी थी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश 30 अप्रैल को एजेंसी द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया।

पटियाला हाउस कोर्ट पहुंचा मुंबई हमले का गुनहगार

पहलगाम आतंकी हमले से सन्न व शोकाकुल देश में सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ जाति गणना कराने का ऐलान कर समूचे आवाम को चौंका दिया है। एक समय तक संसद से सड़क व अदालत तक पीएम नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार और भाजपा जाति गणना के मुखर विरोधी रहीं, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की जाति गणना की मांग को सामाजिक भेदभाव बढ़ाने वाली बता कर खारिज करती रहीं, हालांकि विपक्ष में रहते हुए भाजपा जाति जनगणना की मांग करती रही थी। जाति जनगणना कराने के कई मायने निकाले जा रहे हैं। कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल सरकार के इस कदम को दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए अपनी जीत बता रहे हैं, तो विश्लेषक व राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि पीएम मोदी ने जाति गणना की घोषणा कर राहुल गांधी व विपक्ष के मुद्दे की हवा निकाल दी है। राष्ट्रीय जनगणना कब होगी, जिसमें जातियों के हिसाब से गिनती होगी, इसकी कोई भी समय सीमा नहीं बताई गई है। वर्ष 2026 में परिसीमन होना है तो माना जा रहा है कि उससे पहले जनगणना हो जाएगी। जाति गणना के बाद आंकड़े जारी होंगे या नहीं, यह भी नहीं पता। इस आंकड़े के राजनीतिक दुरूपयोग तो नहीं होंगे या इससे सामाजिक विभाजन तो नहीं बढ़ेगा यह भी आशंका है। तमाम पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

जातिगणना के आंकड़ों का सदुपयोग हो

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं। 1979 में मंडल आयोग का गठन और इसे राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे राजनीति ही थी।

शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार अचानक जनगणना के साथ जातिगणना करने की घोषणा कर देगी। पूरा देश पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद गुस्से में है, सरकार भी लगातार कठोर तेवर अपनाए हुए है, कूटनीतिक मोर्चे पर सक्रिय होने के साथ पाकिस्तान की घेरेबंदी की जा रही है, कश्मीर के अंदर आतंकवादियों और उनके समर्थकों ,जिन्हें ओवरग्राउंड वर्कर्स कहते हैं के घर ध्वस्त किए जा रहे हैं तथा स्वयं प्रधानमंत्री चीफ ऑफ़ डिफेंस स्टाफ, सेना के तीनों प्रमुखों, प्रमुख मंत्रियों, मंत्रिमंडल की प्रमुख समितियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। इन सारी गतिविधियों के बीच अचानक इस निर्णय ने निश्चित रूप से लोगों को चौंकाया है।

राजनीतिक दुरूपयोग की आशंका

निस्संदेह, पहलगाम आतंकवादी हमले और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई और तैयारियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल द्वारा जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के निर्णय ने राष्ट्रीय विमर्श को कुछ समय के लिए एक सीमा तक दूसरा मोड़ भी दिया है। हमारे देश में गंभीर दूरगामी परिणाम वाले विषयों के भी राजनीतिक दुरुपयोग करने की ऐसी घातक प्रवृत्ति है जिसमें वास्तविक मुद्दे ओझल हो जाते हैं। भारत की एकता -अखंडता, सामाजिक सद्भाव आदि की दृष्टि से जाति जनगणना ऐसा कदम है जिसके सदुपयोग - दुरुपयोग दोनों की संभावनाएं हैं और उनके खतरे भी बड़े हैं। इसके बावजूद राजनीति होगी और हो रही है। 1979 में मंडल आयोग का गठन, उसकी रिपोर्ट और राष्ट्रीय स्तर पर 1990 में लागू किए जाने के पीछे भी राजनीति थी। इससे शुरू सामाजिक-राजनीतिक- सांस्कृतिक उथल-पुथल का दौर पूरी तरह कभी स्थिर नहीं हुआ क्योंकि इसे वास्तविक सामाजिक न्याय का ईमानदार-जिम्मेदार अंग बनाने की बजाय मंडलवादी नेताओं की अदूरदर्शिता और संकुचित सोच के कारण इसका घातक दुरूपयोग हुआ। पूरे देश की राजनीति और सत्ता संरचना के वर्णक्रम में आमूल बदलाव आया, पर अदूरदर्शी, नासमझ नेताओं और उनके परिवारों के हाथों कई राज्यों की राजनीति केंद्रित होने के कारण देश को ऐसा नुकसान भी उठाना पड़ा जिसकी भरपाई संभव नहीं हो पा रही।

कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां इसे अपनी विजय बता सकती है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन वर्षों से ये इसकी आवाज उठा रहे थे। 2024 लोकसभा चुनाव में जाति जनगणना को एक बड़ा मुद्दा बनाया गया। यह भी सच है कि राहुल गांधी जाति जनगणना के साथ संपत्ति सर्वे से लेकर संख्या के आधार पर संसाधनों के बंटवारे जैसे अतिवादी वादे कर रहे थे। भाजपा का पहला स्टैंड था कि यह व्यावहारिक नहीं है और एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय में सरकार ने यही शपथ

पत्र दिया था। दूसरी ओर किसी भी मंत्री या नेता ने जाति जनगणना का नाम लेकर विरोध नहीं किया। बिहार में तो तब विपक्ष में रहते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई ने नीतीश कुमार द्वारा जाति सर्वे करने का समर्थन कर दिया। पिछले वर्ष के उत्तरार्ध से मोदी सरकार की ओर से जाति जनगणना करने का संकेत मिलने लगा। जब सरकार की ओर से आगामी जनगणना की बात आई तो गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले वर्ष अगस्त में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि समय आने पर इसका निर्णय होगा। भारत में मजहब परिवर्तन के बावजूद मुसलमानों में भी पूर्व हिंदुओं की जाति कायम है और उनकी गणना होगी। विपक्ष और आम भाजपा विरोधी इस पर कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त करेंगे, यह भी देखना होगा।

मुस्लिम जातियों की भी हो गणना

गणना सभी की होनी है तो उसमें मुस्लिम जातियों की भी होनी चाहिए। देश को पता चलना चाहिए कि जातिविहीन मजहब का भारतीय सच क्या है। राहुल गांधी हो या अन्य नेता जाति जनगणना की मांग का श्रेय लेने के साथ उनका मुसलमानों के अंदर जाति की गणना पर अपना स्टैंड स्पष्ट करना पड़ेगा। ऐसा तो नहीं हो सकता कि भारत में केवल हिंदुओं के अंदर जाति की गणना हो और दूसरे मजहब को इससे अलग रखा जाए। वे कभी भी हिंदुओं से बाहर जाति गणना की न कल्पना करते थे न बात। इसलिए जाति गणना पर राजनीति खासकर श्रेय लेने की राजनीति जितनी मानी जा रही है उतनी सरल सपाट और आसान नहीं है। जाति गणना से संबंधित कुछ बातें अवश्य ध्यान रखनी चाहिए। 2011 की जनगणना के समय भी जाति जनगणना की जबरदस्त मांग उठी थी और संसद का रिकॉर्ड देखें तो भाजपा भी सरकार से इसकी मांग कर रही थी। यूपीए सरकार ने इसे संविधान के तहत जनगणना आयुक्त के अधीन मान्य तरीके से कराने की जगह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के रूप में कराया तो उसके भी निहितार्थ थे। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रिपोर्ट जारी करने की घोषणा की, पूरा परिश्रम करने के बावजूद नहीं कर सकी क्योंकि पूरी रिपोर्ट त्रुटियों से भरी थी। लगभग 46 लाख जातियां और गोत्र आ गए थे। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति-जनजाति को छोड़कर अन्य जातियों की गणना नहीं करने का निर्णय लिया तो सोच यही थी कि अंग्रेज जाति भेद उभार कर भारत में अपनी सत्ता बनाये रखने के लक्ष्य से ऐसा कर रहे थे जिससे बचना है। यह सच है कि एक समय सामाजिक दृष्टि से गहरे अन्वेषण और व्यावहारिकता से निर्मित सशक्त जाति व्यवस्था भारत के स्वावलंबी और आदर्श देश का कारण था तो कालांतर में जाति भेद, ऊंच-नीच और छुआछूत ने देश को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया।

क्या ऊंच-नीच व भेदभाव से मुक्ति मिलेगी

ध्यान रखिए कि अंग्रेजों ने 1853 में नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंस में पहली जनगणना कराई और उसके बाद जातिवार गणना का विचार किया। तब सेन्शस एडमिनिस्ट्रेटर एचएच रिजले की अगुवाई में विचार हुआ और किसे व किस जाति का माना जाए, इसके लिए वर्ण व्यवस्था और पेशे के अनुसार जाति समूह बनाए गए। बावजूद 1901 में पहली जनगणना हुई लेकिन अंग्रेजों की दृष्टि से भी जाति पूर्ण जनगणना केवल 1931 में संभव हो सकी। दरअसल, भारत की जाति व्यवस्था को समझना अंग्रेजों के वश की बात नहीं थी। 1901 में 1646 जातियां थी तो 1931 की जनगणना में 4147 और 2011 में करीब 46 लाख। 1980 के मंडल आयोग रिपोर्ट में भी 3428 अन्य पिछड़ी जातियों की सूची थी। एक ही जाति श्रेणी के अलग-अलग राज्य के साथ एक ही राज्य में अलग-अलग नाम और गोत्र हैं। इसलिए शत- प्रतिशत मान्य और सुसंबद्ध जातिगत आंकड़ा देना गणना के बावजूद अत्यंत कठिन होगा। एक उदाहरण देखिए। 1931 में महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़े वर्ग में आने वाली जातियों की संख्या 494 थी, जबकि 2011 की गणना में यह संख्या 4 लाख 28 हजार 677 पाई गई। इससे कल्पना की जा सकती है कि जाति की गणना और फिर संपूर्ण स्पष्ट रिपोर्ट ले आना आसान नहीं होगा। मोदी सरकार ने 2011 की गणना पर गहराई से काम किया, इसलिए उसे इसका अनुभव है। मूल बात इस गणना के उद्देश्य की है। जब अधिसूचना जारी होगी तो पता चलेगा कि सरकार क्या उद्देश्य घोषित करती है। साफ है कि जाति जनगणना के पीछे दूरगामी सोच, भविष्य में उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रियाओं को संभालने की तैयारी और उसके सदुपयोग की आधारभूमि होनी चाहिए। विपक्ष के तेवर से साफ है कि इसके बाद इसे मंडल भाग 2 बनाने की रणनीति अपनाई जाएगी। अगर जनसंख्या उनके अनुसार निकली तो आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने पर राजनीति होगी। उस समय की परिस्थितियों को पहले की पृष्ठभूमि में देखने पर देश में सामाजिक अशांति और उथल-पुथल का डर पैदा होता है। अभी तक नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जाति, आरक्षण और अन्य मुद्दों पर दिखाई गई गंभीरता से उम्मीद की जा सकती है कि सत्ता की राजनीति करते हुए भी इसका हश्र वैसा नहीं होगा, जैसा मंडल और उसके नाम पर निकले नेताओं ने आरक्षण का किया। जाति जनगणना पर निर्णय के एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की प्रधानमंत्री से लंबी मुलाकात हुई। इसमें जाति गणना की रूपरेखा और इससे उत्पन्न भविष्य की परिस्थितियों पर भी विस्तृत बातचीत हुई होगी। पिछले वर्ष 2 सितंबर को पलक्कड में आयोजित समन्वय बैठक में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा था कि समाज के वंचित वर्ग के कल्याण के लिए जाति के आंकड़े इकट्ठे करने में समस्या नहीं है। लेकिन यह गंभीर मुद्दा है, राष्ट्र की एकता और अखंडता से जुड़ा है, इसलिए इसका राजनीतिक दुरुपयोग नहीं हो बल्कि उपयोग जन कल्याण के लिए हो। विपक्ष जो आरोप लगाये, संघ को व्यापक उद्देश्य से जाति गणना करने में समस्या नहीं रही है। संघ ने अपना मंतव्य सरकार के सामने स्पष्ट किया होगा। संघ का उद्देश्य हिंदू समाज के अंदर उसके स्व का भाव घनीभूत करते हुए भेदभाव समाप्त कर पूर्ण एकता स्थापित करना है। भेदभावपूर्ण जाति व्यवस्था भारत का मूल नहीं बल्कि कालांतर में विकृत होता गया भयानक सच है।

नकारात्मक मोड का पूर्वोपाय जरूरी

हिंदू समाज को विभाजित कर देश को कमजोर करने के लिए अनेक शक्तियां अंदर और बाहर सक्रिय हैं और जाति गणना की उग्र मांग के पीछे प्रत्यक्ष परोक्ष उनकी भूमिका भी है। जिस तरह राहुल गांधी या अखिलेश यादव सभाओं में पत्रकारों तक की जाति पूछते हुए डराते और शर्मसार करते देखे गए हैं वो भयभीत करने वाला है। यह समाज के वास्तविक वंचितों और पिछड़ों के कल्याण द्वारा जाति भेद समाप्त कर समता पर आधारित समाज निर्मित करने और देश की एकता व अखंडता को सशक्त करने की भूमिका तो नहीं हो सकती। सरकार, भाजपा, संघ तथा सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण में लगे दूसरे संगठनों को संपूर्ण परिस्थितियों की समझ है। इसलिए उम्मीद करनी चाहिए कि जाति के आंकड़े नए सिरे से विभाजन और जातीय विद्वेष, ईर्ष्या , घृणा उभारने का कारण नहीं बनेगा। यह जनगणना 1951 से अब तक की सबसे विस्तृत, व्यापक और समग्र गणना होगी जिसमें जाति गिनना एक भाग होगा। इसमें संभवतः एक-एक परिवार के संपूर्ण आर्थिक, वित्तीय जिसमें संपत्ति, कर्ज, वाहन, पेशा, शिक्षा आदि की संपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। लेकिन जाति गणना का कारक राजनीतिक वक्तव्य और विमर्श में सबसे प्रबल होता जाएगा, इसकी पूरी संभावना है। मोदी सरकार और देश में सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता अखंडता में निष्ठा रखने वाले ,उसके लिए काम करने वाले संगठनों, समूहों और व्यक्तियों का दायित्व है कि उस विमर्श को नकारात्मक मोड़ लेने से रोकने का पूर्वोपाय करें।

जातिगत जनगणना के हैं बहुआयाम

दृष्टिकोण

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

आखिरकार केंद्र सरकार ने जाति आधारित जनगणना को हरी झंडी देकर एक अच्छी पहल की है। इस गणना में धार्मिक और आर्थिक आंकड़े तो लिए ही जाएंगे, गरीबी और अमीरी के आंकड़े भी स्पष्ट तौर से रेखांकित हो जाएंगे। विभिन्न धर्मों के धर्मावलंबियों की संख्या भी सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि एक समय जातीय आधार पर जनगणना का विरोध कांग्रेस समेत अनेक राजनीतिक दल इसलिए कर रहे थे कि इससे जातिवाद और मजबूत होगा, जबकि एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में जाति तोड़ने के उपाय होने चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के पैरोकार बनकर ऐसे हालात पैदा कर दिए कि भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार को यह निर्णय लेना पड़ा। हालांकि भाजपा ने जातीय गिनती का कभी स्पष्ट रूप में विरोध नहीं किया। अलबत्ता देश की हकीकत यह है कि जाति तोड़ने के जितने भी सनातन उपाय किए गये हैं, वे असफल ही रहे हैं। विनायक दमोदर सावरकर ने तो हिन्दुओं का जातिगत ढांचा नष्ट करने का संकल्प भी लिया था, लेकिन वे विफल रहे। गणना की इस प्रणाली से कई अहम और नए पहलू सामने आएंगे।

मुस्लिम समाज में जातिप्रथा पर पर्दा

बृहत्तर हिन्दू समाज (हिन्दू, जैन, बौद्ध, सिख) में जिस जातीय संरचना को ब्राह्मणवादी व्यवस्था का दुष्चक्र माना जाता है, हकीकत में यह व्यवस्था कितनी पुख्ता है, इसका खुलासा होगा। मुस्लिम समाज में भी जातिप्रथा पर पर्दा डला हुआ है। आभिजात्य मुस्लिम वर्ग यही स्थिति बहाल रखना चाहता है, जिससे सरकारी योजनाओं के जो लाभ हैं वे पूर्व से ही संपन्न लोगों को मिलते रहें। जबकि मुसलमानों की सौ से अधिक जातियां हैं, परंतु इनकी जनगणना का आधार धर्म और लिंग है। अल्पसंख्यक समुदाओं में से एक पारसियों की घटती आबादी की स्थिति भी जातीय गणना से साफ होगी। क्योंकि हाल ही में इस समुदाय को प्रजनन सहायता योजना चलाकर जनसंख्या वृद्धि दर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पिछड़ों की समृद्ध जातियां, जाति आधारित जनगणना कराए जाने पर इसलिए दबाव डालती चली आ रही थीं, जिसमें पिछड़ों को उनकी जातीय प्रतिशत के हिसाब से आरक्षण सुविधा का लाभ मिले। आर्थिक और शैक्षिक आंकड़े सामने आने पर आरक्षण की सुविधा से यदि धनी पिछड़ों को अलग किया जाता है तो इन आंकड़ों की महत्ता सार्थक होगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को चार सौ पार रोकने में जातीय जनगणना और संविधान बदलने के मुद्दे विपक्ष के काम आए। इसी का परिणाम रहा कि उप्र में भाजपा की सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। इसी के चलते भाजपा स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से दो सीटें पीछे रह गई। पिछड़ने के इस कारण में उप्र के पिछड़ों की नाराजगी दिखाई दी।

आरक्षण जाति उत्थान का मूल नहीं

अतएव भाजपा और संघ असमंजस की स्थिति से उबरे और जातीय आधारित जनगणना कराने का अहम निर्णय ले लिया। जातिवार जनगणना और उससे वर्तमान आरक्षण पद्धति में परिवर्तन की

उम्मीद को लेकर पिछड़े तबके के अलंबदार लालू-मुलायम-शरद का जोर था कि पिछड़ी जातियों की गिनती अनुसूचित जाति व जनजातियों की तरह कराई जाए। क्योंकि आरक्षण के संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 16 की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह पहल जरूरी थी। लेकिन आरक्षण किसी भी जाति के समग्र उत्थान का मूल कभी नहीं बन सकता। क्योंकि आरक्षण के सामाजिक सरोकार केवल संसाधनों के बंटवारे और उपलब्ध अवसरों में भागीदारी से जुड़े हैं। इस आरक्षण की मांग शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार और अब ग्रामीण अकुशल बेरोजगारों के लिए सरकारी योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ गई हैं। परंतु जब तक सरकार समावेशी आर्थिक नीतियों को अमल में लाकर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों तक नहीं पहुंचती तब तक पिछड़ी या निम्न जाति अथवा आय के स्तर पर पिछले छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार नहीं आ सकता। लेकिन यहां सवाल उठता है कि पूंजीवाद की पोषक सरकारें समावेशी आर्थिक विकास की पक्षधर क्यों होगी? देश के राज्यों में ऐसी कई जातियां हैं जो क्षेत्रीयता के दायरे में हैं। इतनी प्रत्यक्ष जातियां होने के बावजूद मुसलमानों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि ये जातीय दुष्चक्र की गुंजलक में नहीं जकड़े हैं। दरअसल जाति-विच्छेद पर आवरण कुलीन मुस्लिमों की कुटिल चालाकी है। इनका मकसद विभिन्न मुस्लिम जातियों को एक सूत्र में बांधना कतई नहीं है। गोया, ये इस छद्म आवरण की ओट में सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर एकाधिकार रखना चाहते हैं, जिससे इनका और इनकी पीढ़ियों को लाभ मिलता रहे। इसलिए धर्म आधारित मुस्लिम जनगणना में जाति का खाना भी अब सुनिश्चित होगा। इससे तय होता कि किस श्रेणी की कितनी मुस्लिम आबादी है। इनकी शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी स्पष्ट होगी। 1931 में हुई जनगणना में बिहार और उड़ीसा में मुसलमानों की तीन बिरादरियों का जिक्र है, मुस्लिम डोम, मुस्लिम हलालखोर और मुस्लिम जुलाहे। बाकी जातियों को किस राजनीतिक जालसाजी के तहत हटाया गया, इसकी पड़ताल हो तो अच्छा है। यदि ऐसा होता है तो वास्तविक रूप से आर्थिक बदहाली झेल रही जातियों को सरकारी लाभ योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। अल्पसंख्यक समूहों में इस वक्त हमारे देश में पारसियों की घटती जनसंख्या चिंता का कारण है। इस आबादी को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने प्रजनन सहायता योजना समेत तीन योजनाओं को इसी वित्तीय वर्ष में लागू किया है। सर्वे के मुताबिक पारसियों की जनसंख्या 1941 में 1,14000 के मुकाबले 2011 में केवल 69000 रह गई। बीते दस साल में इनकी आबादी किस हाल में है, इसका खुलासा भी जातीय गणना से होगा।

घुसपैठियों के भी आंकड़े मिलेंगे

2011 की जाति आधारित जनगणना में ऐसे उपायों का भी सख्ती से पालन होगा, जिससे बांग्लादेशी घुसपैठिए इस पंजी में दर्ज नहीं होने पाएं? लेकिन ऐसा नहीं किया गया तो इन घुसपैठियों की भी गिनती हो जाएगी। ये घुसपैठिए देश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने और सुरक्षा की दृष्टि से भारी बोझ हैं। केंद्र सरकार ने स्वीकार किया है कि देश में दो करोड़ से अधिक बांग्लादेशी नाजायज तौर से रह रहे हैं। अपने मूल स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करती है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना, मध्यान्ह भोजन, बीपीएल और एपीएल के माध्यम से आहार का आधार बनाए जाने के कारण भी सटीक जनगणना है। इसलिए जातिवार जनसंख्यात्म लक्ष्य देश के गरीब व वंचित वर्ग को खाद्य और पेयजल जैसी सुरक्षा का उपाय तो बनेंगे ही, सरकारी सेवाओं में आरक्षण किस जाति और वर्ग के अधिक जरूरी है, इसकी भी झलक मिलेगी।

दोधारी तलवार है जातिगत जनगणना

दो टूक

संदीप सृजन

स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार

जातिगत जनगणना एक ऐसा विषय है जो भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में लंबे समय से चर्चा का केंद्र रहा है। यह न केवल सामाजिक संरचना को समझने का एक उपकरण है, बल्कि नीति निर्माण और संसाधन वितरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यदि इसे सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, तो यह भारत को एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की ओर ले जा सकता है। जातिगत जनगणना का इतिहास भारत में औपनिवेशिक काल से शुरू होता है। भारत में पहली बार व्यापक जनगणना 1881 में ब्रिटिश शासन के तहत आयोजित की गई थी, जिसमें जाति के आधार पर भी आंकड़े एकत्र किए गए। यह प्रक्रिया 1931 तक नियमित रूप से हर दस साल में दोहराई गई। 1931 की जनगणना में विभिन्न जातियों और उपजातियों की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की गई, जो आज भी कई नीतियों और आरक्षण प्रणालियों के लिए आधारभूत डेटा के रूप में उपयोग की जाती है।

1951 में जातिगत गणना बंद हुई

उदाहरण के लिए, 1931 के आंकड़ों के आधार पर ही मंडल आयोग ने 1980 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण की सिफारिश की थी। 1941 की जनगणना में भी जाति आधारित आंकड़े एकत्र किए गए, लेकिन द्वितीय विश्व युद्ध और अन्य प्रशासनिक कारणों से इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया। आजादी के बाद, 1951 की जनगणना में भारत सरकार ने जातिगत आंकड़े एकत्र करने को बंद करने का निर्णय लिया। केवल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आंकड़े एकत्र किए जाने लगे, जबकि अन्य जातियों के लिए कोई अलग डेटा संग्रह नहीं किया गया। 2011 में, यूपीए सरकार ने सामाजिक- आर्थिक और जातिगत जनगणना आयोजित की, जो 1931 के बाद पहली बार जाति आधारित डेटा संग्रह का प्रयास था। लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़े पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किए गए और इसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे। हाल के वर्षों में, विशेष रूप से बिहार में 2023 में आयोजित जाति आधारित सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को फिर से राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया। बिहार सरकार ने इस सर्वेक्षण को दो चरणों में पूरा किया, जिसमें पहले चरण में घरों की गिनती और दूसरे चरण में जातियों के आंकड़े एकत्र किए गए। केंद्र सरकार ने शुरू में इस सर्वेक्षण का विरोध किया, लेकिन बाद में इसे वापस ले लिया। 2025 में, केंद्र सरकार ने घोषणा की कि अगली राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित आंकड़े भी शामिल किए जाएंगे, जिसे कैबिनेट कमेटी ऑन पॉलिटिकल अफेयर्स ने मंजूरी दे दी है।

जातिगत गणना के लाभ

जातिगत जनगणना के समर्थक इसे सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण उपकरण मानते हैं। जातिगत जनगणना से विभिन्न जाति समूहों की शिक्षा, रोजगार, आय और संपत्ति के वितरण में असमानताओं का सटीक आकलन किया जा सकता है। यह डेटा

नीति निर्माताओं को उन समुदायों की पहचान करने में मदद करता है जो सामाजिक और आर्थिक रूप से सबसे अधिक हाशिए पर हैं। उदाहरण के लिए, बिहार के 2023 सर्वेक्षण ने दिखाया कि 84% आबादी सामाजिक-आर्थिक रूप से हाशिए पर है, जिसने नीति निर्माण में नए दृष्टिकोण को जन्म दिया। सटीक जाति आधारित डेटा के आधार पर सरकारें विशिष्ट समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाएं बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी विशेष जाति समूह में शिक्षा का स्तर बहुत कम है, तो उनके लिए विशेष शैक्षिक कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। जातिगत जनगणना से यह स्पष्ट हो सकता है कि किन क्षेत्रों या समुदायों में संसाधनों की अधिक आवश्यकता है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जा सकता है जो वास्तव में जरूरतमंद हैं। जातिगत जनगणना से नया डेटा मिलेगा, जिसके आधार पर आरक्षण कोटे को समायोजित किया जा सकता है। जातिगत जनगणना शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के लिए एक मूल्यवान डेटाबेस प्रदान कर सकती है, जिससे सामाजिक गतिशीलता, असमानता और विकास के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन संभव हो सकता है। जातिगत जनगणना से वंचित समुदायों को उनकी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा, जिससे सामाजिक एकता मजबूत होगी और लोकतंत्र में उनकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। जातिगत जनगणना के विरोधी इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से हानिकारक मानते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि जातिगत जनगणना से समाज में जातिगत तनाव और ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के आधार पर समूहों में बांट सकता है, जिससे राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना में व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाती है, जिसके दुरुपयोग की आशंका रहती है। यदि यह डेटा गलत हाथों में पड़ता है, तो यह सामाजिक भेदभाव को और बढ़ा सकता है। जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न समुदाय आरक्षण की नई मांगें उठा सकते हैं, जिससे सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50% आरक्षण की सीमा पहले ही कई राज्यों में चुनौती का विषय है। जातिगत जनगणना जाति व्यवस्था को और मजबूत कर सकती है, क्योंकि यह लोगों को उनकी जातिगत पहचान के प्रति और अधिक जागरूक करेगी। इससे आधुनिक लोकतंत्र के 'सार्वभौमिक नागरिक बोध' को नुकसान पहुंच सकता है। जातिगत जनगणना का डेटा राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए दुरुपयोग किया जा सकता है। क्षेत्रीय दल विशेष रूप से इसका उपयोग अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने के लिए कर सकते हैं।

वर्तमान स्थिति और विश्लेषण

विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट है कि जातिगत जनगणना एक दोधारी तलवार है। एक ओर, यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है। यह उन समुदायों को मुख्यधारा में लाने में मदद कर सकता है जो ऐतिहासिक रूप से वंचित रहे हैं। दूसरी ओर, इसके गलत उपयोग से सामाजिक तनाव, राजनीतिक अस्थिरता और जातिगत पहचान को और मजबूत करने का खतरा है। इसलिए, जातिगत जनगणना को लागू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पहला, डेटा संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी और गोपनीय बनाया जाना चाहिए ताकि व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन न हो। दूसरा, आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सख्त कानूनी ढांचा तैयार किया जाना चाहिए। तीसरा, जनगणना के परिणामों को केवल सामाजिक कल्याण और नीति निर्माण के लिए उपयोग किया जाना चाहिए, न कि राजनीतिक लाभ के लिए।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 4 मई 2025

वर्ल्ड लाफ्टर डे स्पेशल

इस बात से शायद ही कोई असहमत होगा कि आज के दौर में हंसना सबसे कठिन होता जा रहा है। जबकि कई स्टडीज से साबित हुआ है और हेल्थ स्पेशलिस्ट भी मानते हैं कि हंसने से अनेक शारीरिक, मानसिक लाभ मिलते हैं। यही नहीं हंसने वाले लोग हर तरह की परेशानियों को बेहतर तरीके से हैंडल भी कर लेते हैं। तो आप भी जी भर हंसिए-खिलखिलाइए।

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक-मानसिक गतिविधि माना जाता है। लेकिन हास्य को योगा का स्वरूप देकर पूरी दुनिया में पॉपुलर बनाने वाले डॉक्टर मदन कटारिया ने इसे स्वस्थ-खुशहाल जीवन की कुंजी बना दिया है।

हंसना-योगा साथ-साथ सिखाने वाले डॉ. मदन कटारिया

पर्सनालिटी
शैलेंद्र सिंह

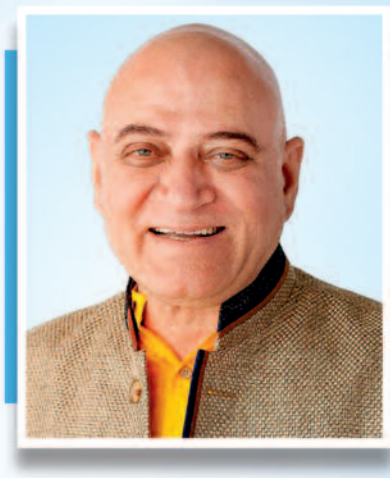

डॉक्टर मदन कटारिया, जिन्हें 'लाफ्टर गुरु' या 'गिगलिंग गुरु' के नाम से भी जाना जाता है, को अगर आधुनिक भारत का हास्य योगाचार्य कहें तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा। पारंपरिक योग की तरह ही आज पूरी दुनिया में हास्य योग की लोकप्रियता भी बढ़ती जा रही है। इसे पॉपुलर बनाने में सबसे बड़ी भूमिका रही है डॉक्टर मदन कटारिया की।

31 दिसंबर 1955 को महाराष्ट्र के एक गांव में पैदा हुए मदन कटारिया ने साल 1979 में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर से मेडिकल स्नातक की डिग्री हासिल की और एक सामान्य चिकित्सक की तरह मुंबई के एक अस्पताल में प्रैक्टिस करने लगे। लेकिन उसी दौर से वे मानने लगे थे कि हास्य एक औषधि के रूप में हमें स्वस्थ रखने में सहायक हो सकती है। जिसका सार यह था कि हंसी शरीर में एंडोर्फिन बढ़ाती है और तनाव कम करती है। डॉ. कटारिया को इन शोध ने गहराई से प्रभावित किया। हालांकि यह रिसर्च मूलरूप से उनकी नहीं थी, उन्होंने भी इसे किसी विश्वविद्यालय की रिसर्च के रूप में पढ़ा था, लेकिन इसे पढ़कर उन्हें खुद बहुत खुशी मिली थी और तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह इसे एक चिकित्सा पद्धति के रूप में विकसित करेंगे। इस तरह अपने मन में पल रहे लक्ष्य को पूरा करने में वह जुट गए।

ऐसे हुई शुरुआतः 13 मार्च 1995 को डॉ. मदन कटारिया ने मुंबई में अंधेरी वेस्ट के लोखंडवाला पार्क में महज 5 लोगों के साथ हंसी के स्वास्थ्य लाभों पर आधारित लाफ्टर क्लब की शुरुआत की थी। आज दुनिया के लगभग 120 देशों में लाफ्टर क्लब्स, जिनकी संख्या 6 हजार से ऊपर है, चल रहे हैं। पूरी दुनिया उन्हें न सिर्फ लाफ्टर गुरु बल्कि हंसी को अमृत चिकित्सा में बदल देने वाला डॉक्टर मानते हैं।

जान लिया था हंसी का रहस्यः वास्तव में अपनी युवावस्था में ही डॉ. कटारिया ने यह रहस्य पा लिया था कि हंसी महज इंसानी गतिविधि भर नहीं है बल्कि यह अपने आप में इंसान को कुदरत से मिला वरदान है। इसलिए उन्होंने आज के इस व्यस्त और तनावग्रस्त दुनिया में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए इसे एक आंदोलन का रूप दिया, जो आज पूरी दुनिया में लाफ्टर मूवमेंट के नाम से जाना जाता है। डॉ. कटारिया का लाफ्टर क्लब की स्थापना के पीछे एक सीधा सा विचार था कि हंसी, दुनिया की सबसे अच्छी दवा है। यदि लोग बिना किसी चुटकुले या कॉमेडी सुने-देखे भी हंसते हैं तो उन पर इस हंसी का सकारात्मक असर पड़ता है।

शुरू किया हास्य योगाः जब डॉ. कटारिया ने देखा कि लोगों को उनकी बातों में आकर्षण महसूस हो रहा है तो उन्होंने अपने इस हंसी योग में सांस लेने की तकनीक को भी शामिल किया और इसे प्राणायाम के साथ जोड़ लिया। जिस कारण आज हास्य योग, बेहद वैज्ञानिक योग में परिवर्तित हो चुका है। हास्य योग हंसने की एक ऐसी वैज्ञानिक विधि है, जो लाफ्टर योगा के रूप में दुनिया के सामने आई है। डॉ. कटारिया ने इस हास्य योग को एक सुप्रबंधित वैज्ञानिक प्रक्रिया में बदलने के लिए हास्य पर कई किताबें भी लिखी हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है- लाफ फॉर नो रीजन। उन्होंने टेड टॉक्स, बीबीसी और नेशनल जियोग्राफिक जैसे कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों में अपने इस हास्य योग के संबंध में लंबे व्याख्यान भी दिए हैं। हंसने को लेकर उनका एक प्रेरणाप्रद विचार है, 'हम हंसते नहीं क्योंकि हम खुश हैं, हम खुश होते हैं, क्योंकि हम हंस सकते हैं।'

ईजाद की नई तकनीकः वास्तव में आज पूरी दुनिया, हंसने को खुश और संतुष्ट रहने का साइंस मानती है। लेकिन शुरू में जब डॉ. मदन कटारिया मुंबई के पार्कों में लोगों को हंसी का महत्व बताया करते थे, तो लोग उनकी बात को मजाक मानकर एक कान से सुनते और दूसरे कान से निकाल देते थे। फिर भी डॉ. कटारिया अपने इस मिशन से पीछे नहीं हटे। कुछ समय बाद डॉ. मदन कटारिया ने जान-बूझकर हंसने यानी सिमूलेटिड लाफ्टर तकनीक विकसित की, जो आज एक योग के प्रारूप में लोगों द्वारा हर दिन अभ्यास की जाती है। लाफ्टर योगा केवल भारत में ही नहीं रुका बल्कि इसकी ख्याति देखते ही देखते साल 2023 तक 110 देशों में फैल चुकी थी। साल 2023 में ही पूरी दुनिया में लाफ्टर योगा कराने वाले क्लबों की संख्या 6 हजार से ज्यादा हो चुकी थी। आज हंसाने वाले उनके ये क्लब स्कूलों, वृद्धाश्रमों, जेलों और मल्टीनेशनल कंपनियों तक में चलते हैं और डॉक्टर मदन कटारिया को आज की दुनिया का हास्य गुरु बनाते हैं। *

हर परेशानी को भुलाकर हंसिए-खिलखिलाइए

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
जैसे किसी पुराने दोस्त ने
बिना कहे याद कर लिया हो।
जैसे मां ने सिर पर हाथ रखकर कहा हो
सब ठीक है बेटा।
जैसे किसी शाम हवा ने अचानक खुशबू ला दी हो
जो बचपन में बगिया से आती थी।
कभी-कभी यूं ही बेवजह हंसी आ जाती है
और तब लगता है
जिंदगी इतनी भी मुश्किल नहीं...।

-गुलजार

जी हां, इस व्यस्त और तनावभरी जिंदगी में हाल के दशकों में हमने हंसी के बहुत सारे फायदे सुने, जाने और महसूस किए हैं। इसलिए हर साल मई माह के पहले रविवार को मनाया जाने वाला विश्व हास्य दिवस, हर गुजरते साल के साथ दिन दूनी, रात चौगुनी रफ्तार से लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

बेसब्री से लोग करते हैं इंतजारः साल 1998 से मनाया जाने वाला यह हास्य दिवस, कुछ गिने-चुने अंतरराष्ट्रीय दिवसों में से है, जिसका लोग महीनों से इंतजार करते हैं। हालांकि यह इंतजार तो एक बहाना होता है, इसके पीछे छिपी असली बात यह है कि आज हंसी की महत्ता सर्वसिद्ध हो चुकी है। यही वजह है कि आज हास्य दिवस अपनी उपस्थिति से विश्व शांति और वैश्विक चेतना को बढ़ावा दे रहा है। यह दिन हम सबकी जिंदगी के तनाव को कम करता है, मूड को बेहतर करता है, जितनी भी हो सके जीवन को सकारात्मकता देता है। भला इस महंगाई के दौर में हंसी से ज्यादा फायदे का सौदा और क्या हो सकता है, जिसमें एक्सरसाइज भी हो, दवा भी हो और मेडिटेशन भी। हंसने से ये तीनों चीजें एक ही समय भरपूर और पूरी तरह से मुफ्त मिलती हैं। बावजूद इसके हंसना इतना आसान नहीं है, कुदरत की यह दौलत हर किसी को नहीं मिलती। तभी तो प्रेमलाल शिफा देहलवी ने कहा है-

या तो दीवाना हंसे या तुम जिसे तौफीक दो
वर्ना इस दुनिया में रहकर मुस्कुराता कौन है

केवल हंसी नहीं लाफ्टर योगाः साल 1998 में भारत के एक चिकित्सक डॉ. मदनलाल कटारिया ने हास्य दिवस की शुरुआत की थी। उनके मुताबिक यह अपने आपमें एक योग है, इसलिए हास्य को 'लाफ्टर योगा' माना जाता है। हंसना, सेहत के लिए रामबाण है। हंसने से शरीर में खून बढ़ता है, हंसने से हमारे शरीर में एंडोर्फिन, डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पी हार्मोंस रिलीज होते हैं। ये वही हार्मोन या रासायनिक स्राव हैं, जो हमारे दुखों, तकलीफों को चुटकी बजाकर गायब कर देते हैं और हम तरोताजा हो उठते हैं। ये हार्मोन हमारे मूड को बेहतर करते हैं, हमें हल्का-फुल्का महसूस कराते हैं। इसलिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि हंसी तनावनाशक है। यह तनाव पैदा करने वाले हार्मोन जैसे कि कॉर्टिसोल का खात्मा करता है।

अनेक देशों में हो रहा पॉपुलरः करीब 27 वर्ष पहले शुरू हुआ लाफ्टर डे, आज दुनिया के 72 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है, इसके पीछे उद्देश्य है गोला-बारूद और व्यापार युद्ध से झुलस रही दुनिया में भाईचारा और सद्भावना बढ़े। इस हास्य योगा मुहिम के जरिए लोग आपस में खुशियां बांटना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर उनकी तरह ही उनके आस-पास रहने वाले लोग भी हंसेंगे तो खुश रहेंगे, स्वस्थ रहेंगे, सकारात्मक रहेंगे और एक-दूसरे के काम आएंगे। यही वजह है कि आज भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में लोग पार्कों में मॉर्निंग वॉक करते हुए समूहबद्ध होकर हंसने, खिलखिलाने की खूब कोशिश करते हैं। इसीलिए हास्य दिवस की प्रासंगिकता और इसकी स्वास्थ्य संबंधी महत्ता दिन पर दिन बढ़ती जा रही है।

दिल की बीमारियां रहती हैं दूरः हंसना सिर्फ हमारे शरीर में अच्छा अनुभूत होने वाला रासायनिक परिवर्तन ही नहीं करता। यह हमें शारीरिक रूप से भी स्वस्थ करता है। हंसना एक कार्डियो एक्सरसाइज है। हंसने से हमारे दिल की धड़कनें तेज होती हैं, हंसी फेफड़ों तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंचाती है, एक अच्छी हंसी हमारे ब्लड प्रेशर को संतुलित रखती है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का मानना है कि 10-15 मिनट की रोजाना की हंसी हमारी 30 से 40 प्रतिशत तक दिल की बीमारी की आशंका कम कर देती है। हालांकि इसके साथ कुछ और कारक भी होते हैं, लेकिन दिल की सेहत के लिए हंसना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि हंसने से हमारा इम्यून सिस्टम भी मजबूत रहता है, शरीर की कोशिकाएं सक्रिय रहती हैं, एंटीबॉडीज का उत्पादन लगातार बढ़ता है और यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में मजबूत बनाता है।

परेशानियों से दिलाए छुटकाराः कभी-कभी लगता है कि जैसे आज पूरी दुनिया में हंसी के विरुद्ध कोई अघोषित युद्ध चल रहा है। अगर गौर से देखें तो दुनिया की ज्यादातर हरकतें, लोगों के हंसने यानी खुश रहने के विरुद्ध हैं। दुनिया में बढ़ती महंगाई, बढ़े हुए काम के घंटों से व्याप्त तनाव, वर्क फ्रॉम होम के कारण घरों तक चला आया दफ्तर का तनाव, सोशल मीडिया पर होने वाले टेंशनफुल कमेंट्स, वीडियोज और न जाने ऐसी कौन-कौन सी हमारी रोजमर्रा की गतिविधियां हैं, जो कि हमें हंसने नहीं देतीं। हर समय डिप्रेशन और डिजिटल टॉक्सिंस में डुबोए रखती हैं। हंसी इन सबकी अकेली ऐसी काट है, जो हमें इन सब परेशानियों से छुटकारा दिलाती है और डिजिटल जहर को भी बड़ी आसानी से डिटॉक्स कर देती है। इसीलिए दुनिया की अनगिनत परेशानियों से अगर कोई एक ताकत हर समय मजबूती से लड़ते हुए दिखती है, तो वह हंसी ही है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध में यह सिद्ध हुआ है कि जो लोग नियमित तौर पर कॉमेडी वीडियो देखते हैं, वो परेशानियों से अच्छी तरह से निपट सकते हैं और उनके शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया उन लोगों से बेहतर होती है, जो हमेशा गंभीर और तनाव की मुद्रा में रहते हैं। यह अकारण नहीं है कि सोशल मीडिया हो या पारंपरिक टीवी मीडिया, सबसे ज्यादा हंसी ही बिकती है, सबसे ज्यादा कॉमेडी शोज ही देखे जाते हैं। *

कारगर हो रही लाफ्टर थेरेपी

हम सब इस बात से अवगत हैं कि हाल के सालों में जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल ज्यादा व्यस्त, ज्यादा आत्मकेंद्रित हुई है, उसी तरह से हम पर कई तरह के मानसिक अवसादों और विकारों ने हमला किया है। आप यकीन मानिए, आज दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य की सबसे असरदार और सबसे सटीक दवा हंसना ही है। पूरी दुनिया में डॉक्टर लाफ्टर थेरेपी को मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे कारगर दवा मानते हैं। इसे ह्यूमर थैरेपी कहा जाता है और आज यह भारत में बड़े-बड़े संगठनों और कॉरपोरेट मीटिंग्स का हिस्सा बन गया है। अमेरिका से लेकर यूरोप तक आज ह्यूमर थैरेपी या लाफ्टर क्लब 10 बिलियन डॉलर से बड़ा बिजनेस बन चुकी है। इसलिए अगर कोई कहे कि हंसने से क्या मिलता है, तो कहिए यह एक्सरसाइज है, मेडिसिन है और मेडिटेशन भी है यानी थ्री इन वन है। जो हमें खुशी देती है और रोमांचित करती है।

हास्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

इक आम न मिलता

कुछ लोगों को काम न मिलता,
लेकिन हमको आराम न मिलता।
दफ्तर की कुर्सी पे दो घंटे,
सोने का इंतजाम न मिलता।
भर-भर थैले फल घर लाऊं,
खाने को इक आम न मिलता।
भरा कबाड़ से है घर सारा,
बेचूं कैसे, सही दाम न मिलता।
पन्ने भर-भर लिखी शायरी,
पर हमको कभी नाम न मिलता।

दर्द-ए-सिर भला भागे कैसे,
ढूंढे पर भी बाम न मिलता।
प्रेम पत्र तो अनगिन भेजे,
उत्तर में पैगाम न मिलता।
खूब लगाते मक्खन अफसर को,
फिर भी कोई ईनाम न मिलता।
रोज न पड़ती डांट अफसर की,
सुबह जो ट्रैफिक जाम न मिलता।
उधार चुकाने वाला हमको,
किसी सुबह, किसी शाम न मिलता।

व्यंग्य
अंशुमाली रस्तोगी

कुछ तो लोग कहेंगे

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते।

कुछ लोग कहते हैं। लेकिन क्यों कहते हैं, वे भी नहीं जानते। कहना उनकी आदत है। कहना उनकी बीमारी है। नहीं कहेंगे तो उनका दो वक्त का खाना हजम नहीं होगा। जुबान में अटकाहट-सी महसूस होगी। पेट में किसिम-किसिम की मरोड़ें पैदा होंगी।

किसी को कुछ भी कह देना, हम भारतीयों की जन्मजात फितरत रही है। चाहे सामने वाले से मतलब हो या न हो, फिर भी उसके बारे में हम कुछ भी कहने की छूट ले ही लेते हैं और, किसी के बुरा मानने की तो हम परवाह ही नहीं करते। परवाह करने लगे तो जमीर टोकेगा कि क्या हो गया है तुम्हें!

वैसे, लोगों के कुछ भी कहने पर एक शोध अवश्य होना चाहिए। आखिर पता तो लगे कि लोग क्यों कुछ भी कह देते हैं? अपने निजी अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि कहने वालों में सबसे बड़ी तादाद पढ़े-लिखे लोगों की होती है। पढ़ी-लिखी जमात ऐसा मानती है कि वो कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है। अच्छा देखेगी तो कुछ कहेगी। खराब देखेगी तो कुछ कहेगी। गंदा देखेगी तो कुछ कहेगी। महसूस करेगी तो कुछ कहेगी। मतलब, उसे हर वक्त कुछ न कुछ कहना ही है, कहने को वो अपनी शान समझती है। कभी खामोश नहीं रहती। उसके आगे तो प्रायः कैंची भी फेल हो जाया करती है। अकसर सोचता हूं कि यह जमात आखिर ऐसा क्या खाती है, जो कुछ भी कहती रहती है हर वक्त!

जानते हैं, मुझसे लोग इसलिए परेशान रहते हैं कि मैं कभी कुछ क्यों नहीं कहता? मुझे कुरेदते हैं, मुझे उलहाना देते हैं। मुझे लालच तक देते हैं, लेकिन मैं कभी कुछ नहीं कहता। कुछ न कहना, मेरी फितरत में शामिल हो चुका है।

लेखक लोग अपनी किताबें मुझे भेजते हैं। फिर कहते हैं कि मैं उन पर कुछ कहूं। जब कुछ नहीं कहता तो बुरा मान जाते हैं। मुझे मनघुन्ना तक साबित कर देते हैं। तब भी मैं उनसे कुछ नहीं कहता। सोचता हूं कि क्या कहूं? कहने वालों की भीड़ में एक शख्स ऐसा भी तो होना चाहिए, जो कुछ न कहे। कहने वालों को और कहने वालों की, सिर्फ सुने। यही तो मैं करने की कोशिश किया करता हूं। किंतु लोग हैं कि बुरा मान जाते हैं। मेरे कुछ न कहने को 'अदरवाइज' ले लेते हैं। अब जो ले लेते हैं तो लें, मैं ऐसा ही हूं! क्या करूं।

यू नो, लोगों के पास बहुत समय है, लेकिन दूसरों के लिए नहीं, आपस में मिलने-जुलने और बतियाने के लिए नहीं, कुछ भी किसी को भी कहने और लंबी-लंबी बेतुकी चर्चाओं के लिए। कुछ भी कहने के मामले में सोशल मीडिया का हाल सबसे बुरा है। किसी के पन्ने या दीवार पर जैसे ही दस्तक दीजिए, कुछ न कुछ आड़ा-तिरछा कहता हुआ ही मिलेगा। यहां लोग सार्थक बहुत कम लिखते या कहते हैं, ज्यादातर सिर्फ खुन्नस निकालते हैं। वे इसी में खुश हैं, उन्हें लगता है कि ऐसा कर वे बहुत महान काम कर रहे हैं। महान लोगों से सोशल मीडिया का मंच खदबदा रहा है।

आज की तारीख में कुछ भी कहना, दुनिया भर में एक लाइलाज बीमारी-सी बनती जा रही है। जुबान कैंची से अधिक खतरनाक हो चली है। दिल फरेबी हो गए हैं, आंखें शातिरता का पैमाना बन गई हैं। मन कुटिलता में तब्दील होते जा रहे हैं। भावना, संवेदना, सहनशीलता, इंसानियत की बातें किताबों में ही सिमट कर रह गई हैं। अच्छा और मीठा कहते-बोलते लोग कम मिलते हैं। तरह-तरह के उपदेश, प्रवचन और ज्ञान हर किसी के पास बहुत है, मगर व्हाट्सएप के स्टेटस पर चढ़ाने के लिए ही।

कम बोलते लोग मुझे भाते हैं। उनसे ही बोलना मुझे अच्छा भी लगता है। उनके बीच जाकर मुझे सुकून मिलता है। इसीलिए मैं भी कम ही कहता और बोलता हूं ताकि फिजा में प्रदूषित शब्दों का जहर कम घुल सके। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि विगत लगभग एक सदी में मुंशी प्रेमचंद हिंदी के सर्वाधिक पढ़े जाने वाले कथाकार हैं। इसकी वजह है कि जीवन के लगभग हर पक्ष और संवेदना पर उन्होंने मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनकी लगभग 300 कहानियों में से 15 व्यंग्यात्मक कहानियों का संकलन 'प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं' हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इसमें हम (मोटेराम जी शास्त्री, शादी की वजह, दो बैलों की कथा, निमंत्रण, सत्याग्रह, रसिक संपादक, गुरुमंत्र, स्वांग) समेत कई ऐसी मशहूर कहानियां पढ़ सकते हैं, जिसमें समाज, राजनीति, व्यवस्था में व्याप्त विद्रूप और इंसानी चरित्र की निकृष्टता और उसके दोहरेपन पर कटाक्ष किया गया है। इनमें प्रेमचंद बेहद सहजता से चुटकी लेकर पाठक को बहुत कुछ सोचने पर विवश करते हैं। आमतौर पर जीवन की विडंबनाओं से उपजने वाली तकलीफ और करुणा को अपनी कहानियों का विषय बनाने वाले प्रेमचंद की व्यंग्य कथा-लेखक की भी छवि, इन कहानियों से निर्मित होती है। पुस्तक की भूमिका में संपादक ने उचित ही कहा है, 'प्रेमचंद की इन कहानियों में जीवन के अनेक रंग हैं, जो सहज हास्य और शिष्ट व्यंग्य की पगडंडी पर दौड़ते दिखते हैं।' *

पुस्तकः प्रेमचंद की व्यंग्य कथाएं, **संपादनः** पल्लव,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** राजपाल एंड संस, दिल्ली

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

तरकश

संजय के. दीक्षित

सीएस और सीआईसी पर मौन

छत्तीसगढ़ ब्यूरोक्रेसी में इस समय नए चीफ सिकरेट्री और चीफ इंफार्मेशन कमिश्नर हॉट टॉपिक है मगर इन दोनों विषयों पर सिस्टम खामोश है। सीआईसी के लिए 16 अप्रैल को सलेक्शन कमेटी की बैठक होनी थी। मगर सीएम के बस्तर दौरे की वजह से टल गई। इसके बाद पखवाड़ा गुजर गया, अगली बैठक की कोई सुगबुगाहट नहीं है। कुछ दिन पहले तक सीएस अमिताभ जैन का सीआईसी बनना तय माना जा रहा था, किंतु रिटायर डीजीपी अशोक जुनेजा की इंट्री के बाद इस पर धूंध छा गया है। फिर भी पलड़ा अमिताभ की ही भारी बताया जा रहा है। उधर, नए मुख्य सचिव की तस्वीर भी साफ नहीं हो पा रही है। इस शीर्ष पद के लिए रेणु पिल्ले, सुब्रत साहू, अमित अग्रवाल, ऋचा शर्मा और मनोज पिंगुआ पात्रता रखते हैं। पर आम परसेप्शन ये बन गया है कि मुख्य मुकाबला सुब्रत साहू और मनोज पिंगुआ के बीच होगा। रेणु पिल्ले, अमित या ऋचा को 80 से 90 परसेंट लोग रेस से बाहर बता रहे हैं। इन तीनों में से कोई एक नाम अगर आश्चर्यजनक रूप से सामने आ गया तो, वो किसी अदृश्य शक्ति का कमाल होगा। इसमें भारत सरकार का इंटरफेयरेंस भी एक हो सकता है। जैसे मध्यप्रदेश, ओड़िसा, राजस्थान और हरियाणा में हुआ। संभवतः यही वजह है कि सुब्रत और मनोज का नाम तो लोग ले रहे मगर कांफिडेंट कोई नहीं। आखिर, एमपी में अनुराग जैन का नाम दिल्ली से तब आ गया था, जब राज्य सरकार ने सीएस अपाइंटमेंट की नोटशीट चला दी थी। बहरहाल, छत्तीसगढ़ में देखना है मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इन पांच में से किसे मौका देते हैं।

यमराज बड़ा या पटवारी!

पंजीयन विभाग के 10 सुधारों के आगाज के मौके पर राजस्व और पंजीयन विभाग आज सबके निशाने पर रहा। यहां तक कि हवा का रुख देख राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा बोले...जनता को राजस्व विभाग के चक्कर से अब छूटकारा मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भड़ास भी आज बाहर आ गया। पटवारी, तहसीलदारों की मनमानियों का जिक्र करते हुए उन्होंने यहां तक कह डाला कि पटवारी यमराज से बड़े हो गए हैं...जिंदा आदमी को कागज में मार देते हैं। फिर जिंदा आदमी को साबित करने महीनों, सालों कोर्ट का चक्कर लगाना पड़ जाता है। मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के बाद किसी विभाग के खटराल मुलाजिमों के बारे में उनका पहली बार इस तरह गुस्सा बाहर आया होगा। वहीं, पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि सुधारों के लिए किस तरह उन्हें उंगली टेढ़ी करनी पड़ी। उन्होंने दिलचस्प किस्सा बताते हुए कहा कि 10 परसेंट जो कभी नहीं सुधरते, पंजीयन विभाग में वे आंदोलन का माहौल बनाने लगे थे। उन्होंने छह लोगों की फाइल तैयार करवाई। फिर मंत्रालय में बुलाया। बोला...देख लो, इसमें क्या करना है। उसके बाद सभी के जोश ठंडे पड़ गए। उन्होंने इसका भी खुलासा किया, उन छह फाइलों में से तीन ही सही थी, तीन फाइलों में फर्जी पेपर रखे थे। ओपी के कहने का आशय यह था कि किसी भी सुधार के लिए लंबा पापड़ बेलना पड़ता है, विरोधों का सामना करना पड़ता है। उसमें सियासत भी आड़े आती है।

कलेक्टरों की निगरानी

महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में कलेक्टरों की पुअर रिपोर्ट मिलने के बाद सीएम सचिवालय ने कलेक्टरों पर निगरानी का काम प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए अटल मॉनिटरिंग पोर्टल बनाया गया है। इस पोर्टल से कलेक्टरों की मुश्किलें इसलिए बढ़ेगी कि अब वे आंकड़ों की बाजीगरी नहीं कर पाएंगे। जाहिर है, सीएम सचिवालय अपने स्तर पर विभागों से डेटा लेकर कलेक्टरों को आईना दिखाता रहेगा कि उनके जिले में क्या चल रहा है। सीएम सचिवालय ने उदाहरण के लिए कलेक्टरों से सभी 33 जिलों की राजस्व कोर्ट का डेटा शेयर किया है। इसमें बस्तर संभाग को छोड़ दें तो सरगुजा और मैदानी इलाकों का बुरा हाल है। कई जिलों में 50 परसेंट भी राजस्व मामलों का निबटारा नहीं हुआ है।

डीएमएफ में बिजी कलेक्टर

दरअसल, कलेक्टरों के राजस्व न्यायालय में दिलचस्पी न लेने की एक बड़ी वजह यह है कि राज्य बनने के बाद इस पर सिस्टम ने ध्यान नहीं दिया। मध्यप्रदेश के दौर में सन 2000 तक बड़े-बड़े कलेक्टर कोर्ट में बैठकर राजस्व केस निबटाते थे। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ में पैसे का फ्लो ऐसे बढ़ा....ब्यूरोक्रेसी यह भूल गई कि ईश्वर ने उन्हें देश की सबसे प्रतिष्ठित सर्विस के लिए चुना है तो ईश्वर को थैंक्स के नाम पर कुछ अच्छा भी कर जाएं। जाहिर है, राज्य निर्माण के बाद नवंबर 2000 से 2002 तक सिस्टम सेट होने में लगा। 2003 से 2010 तक नौकरशाही खेत-खलिहान, फार्म हाउस बनाने में उलझी रही। इसके बाद कलेक्टरों के पास डीएमएफ आ गया। डीएमएफ के बाद कलेक्टरों के पास राजस्व कोर्ट में बैठने का फुरसत कहां। 60 फीसदी कलेक्टर सुबह से कैलकुलेटर लेकर बैठ जाते हैं...और जो थोड़े-बहुत अच्छे हैं, उन्हें लगता है कि जमीन-जायदाद के पचड़े में फालतू पड़ना क्यों? यही वजह है कि पिछले एक दशक में कलेक्टर्स अपने न्यायालयीन दायित्व को लगभग भूल गए। अधिकांश कलेक्टरों ने अपना कोर्ट अपर कलेक्टरों के हवाले कर दिया है। बहरहाल, सीएम सचिवालय ने अब मॉनिटरिंग शुरू की है...पीएस टू सीएम सुबोध सिंह इसे देख रहे हैं...उन्होंने सभी कलेक्टरों को मैसेज कर खबरदार भी किया है....तो उम्मीद करें कि छत्तीसगढ़ में कलेक्टर कोर्ट की रौनक लौटेगी।

दो को सजा, दो को ईनाम

मध्यप्रदेश के बंटवारे के बाद दो-चार स्वाभिमानी ब्यूरोक्रेट्स भोपाल से रायपुर आए थे, उनमें आईएएस केके चक्रवर्ती भी शामिल थे। उन्होंने ही 2003 में छत्तीसगढ़ का पहला विधानसभा चुनाव कराया। उसके बाद वे सेंट्रल डेपुटेशन पर दिल्ली चले गए। उनके बाद 2008 का विधानसभा चुनाव डॉ0 आलोक शुक्ला, 2009 का लोकसभा, 2013 का विधानसभा और 2014 का लोकसभा चुनाव सुनील कुजूर, 2018 का विधानसभा और 2019 का लोकसभा चुनाव सुब्रत साहू तथा 2013 का विधानसभा और 2024 का लोकसभा चुनाव रीना बाबा कंगाले ने बतौर सीईओ कराया। इनमें से डॉ0 आलोक शुक्ला और सुनील कुजूर के टेन्योर के दौरान विधानसभा चुनाव में कुछ ऐसा हुआ कि रमन सरकार को नागवार गुजरा। आचार संहिता में हाई प्रोफाइल डीजीपी विश्वरंजन से लेकर कई अफसरों की छुट्टी हो गई। आलम यह हुआ कि आलोक को लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ छोड़कर दिल्ली जाना पड़ गया...और सुनील कुजूर ने भले ही एक विधानसभा और दो लोकसभा चुनाव कराने का रिकार्ड बनाया, मगर सरकार की नाराजगी ऐसी तीव्र थी कि उन्हें लंबे समय तक प्रमोशन से वंचित रहना पड़ा। प्रमोटी आईपीएस राजीव श्रीवास्तव जब डीजी हो गए तो बैजेंद्र कुमार पहुंच गए सीएम के पास। उसके बाद कुजूर फिर प्रमुख सचिव बनें। अलबत्ता, सुब्रत साहू और रीना कंगाले को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जीत का ईनाम मिला। 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की करारी हार हुई थी और कांग्रेस की ऐतिहासिक विजय। सुब्रत को लोकसभा चुनाव के बाद सीएम सचिवालय की पोस्टिंग मिली तो 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी की आश्चर्यजनक जीत के लिए रीना कंगाले को फूड में पोस्टिंग देकर सरकार ने बड़ा संदेश दिया है।

तीन अफसरों का पेनल

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नियुक्त करने के लिए राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों का पेनल भारत निर्वाचन आयोग को भेजा था। इनमें यशवंत कुमार, शिखा राजपूत और केडी कुंजाम शामिल है। यशवंत चूकि राजभवन में सचिव रहे हैं इसलिए प्रोफाइल बढ़ियां होने के चक्कर में वे बेचारे फंस गए। निर्वाचन आयोग ने उनके नाम पर टिक लगा दिया। हालांकि, संकेत हैं कुछ दिन बाद सरकार उन्हें निर्वाचन आयोग से इजाजत लेकर कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी देगी, जैसा कि पहले होता आया है। वैसे भी अगला विधानसभा चुनाव नवंबर 2028 में है। और ये भी आवश्यक नहीं कि यशवंत ही चुनाव कराएंगे। हो सकता है, उसके पहले उनका प्रभार बदल जाए। उनके पहले भी कई सीईओ रहे, जिन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं कराया। सुब्रत से पहले निधि छिब्बर भी विधानसभा चुनाव से पहले डेपुटेशन पर चली गईं थीं।

मंत्री और लाल बत्ती उलझी

लगता है, विष्णुदेव साय कैबिनेट का विस्तार किसी ग्रह-नक्षत्र का शिकार हो गया है। क्योंकि, पहलगाम की आतंकी घटना के बाद अब कुछ महीनों तक कम-से-कम कोई राज्य सरकार मंत्रिमंडल विस्तार या सर्जरी की बात तो नहीं ही करेगा। यही हाल लाल बत्ती में भी होगा। जिन्हें निगम-मंडलों में पोस्टिंग मिल गई, वे किस्मती रहे। सभी ने झंका-मंका के साथ अपना पदभार ग्रहण कर लिया। मगर कुछ दिनों के लिए अब इस पर ब्रेक समझिए। बीजेपी के अंदरखाने की जानकारी रखने वालों का कहना है कि मंत्रिमंडल विस्तार पर राहू-केतु की कुदृष्टि पड़ गई है। मुख्यमंत्री को इसके लिए कोई अनुष्ठान करा लेना चाहिए। ताकि, पाकिस्तान से युद्ध ठीकठाक निबटने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की बात बढ़ाई जा सकें।

सीएस की भाषण कला

जैसे-जैसे रिटायरमेंट का समय नजदीक आता जा रहा, सीएस अमिताभ जैन के चेहरे की रौनक बढ़ती जा रही, वैसे ही उनके भाषण कला में निखार आता जा रहा है। नवा रायपुर के एक बड़े होटल में पंजीयन विभाग के कार्यक्रम में उन्होंने ऐसे सधे और मारक अंदाज में भाषण दिया कि पूछिए मत! उन्होंने हरीत, लाल और सुधार क्रांति की बातें कर डालीं। उन्होंने राजस्व विभाग के खटराल सिस्टम को निशाने पर लेते हुए कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों का अधिकार कम कर ये सरकार जनता को सुविधाएं मुहैया करा रही है...ये एक बड़ा विजनरी बदलाव है।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. काफी जोर होने के बाद भी राज्य सरकार ने राहुल देव को बिलासपुर का कलेक्टर क्यों नहीं बनाया?
2. क्या छत्तीसगढ कैडर के फर्स्ट आईएएस सोनमणि बोरा अगले प्रिंसिपल सिकरेट्री होम होंगे?

'अधिक गोरी' नहीं होने के कारण रिजेक्ट...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने सनसनीखेज खुलासा किया है कि एक नामी टेलकम पाउडर बनाने वाली कंपनी ने उनके स्किन के कलर को लेकर उन्हें रिजेक्ट किया था। चित्रांगदा सिंह ने हजारों ख्वाहिशें ऐसी फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी। चित्रांगदा सिंह को हाल ही में फिल्म गैसलाइट में देखा गया है। यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके अलावा सारा अली खान और विक्रांत मेस्सी की अहम भूमिका है। उन्होंने 2005 में आई फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी से डेब्यू किया था। इसके पहले उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में काम किया है। अब उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने अपनी जर्नी के बारे में बात की है। चित्रांगदा सिंह ने खुलासा किया कि उन्हें एक बड़ी टेलकम पाउडर ब्रांड ने रिजेक्ट किया था। वह कहती हैं, मैं म्यूजिक वीडियो करती थी लेकिन मुझे एक बड़े टेलकम पाउडर कंपनी ने अधिक गोरी नहीं होने के कारण रिजेक्ट कर दिया था। तब मैंने फिल्म के लिए ऑडिशन दिया और मुझे लगा कि मुझमें वह बात नहीं है और तभी मुझे फिल्म का ऑफर आया।

ठंडे बस्ते में गई सल्लू की गंगा राम

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 'सिकंदर' के बाद से अपनी नई फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बने हैं। खबर थी कि वह 'गंगा राम' नाम की फिल्म की तैयारी कर रहे हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। खबर है कि बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान ने अपनी आगामी फिल्म 'गंगा राम' को फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस फैसले के पीछे उनके फैंस की नाराजगी और चिंता है, जिन्होंने फिल्म की घोषणा के बाद सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर अपनी नाखुशी जाहिर की थी। 'गंगा राम' में सलमान खान के साथ संजय दत्त मुख्य भूमिका में नजर आने वाले थे और इस फिल्म को नए डायरेक्टर कृष अहिर निर्देशित करने वाले थे, लेकिन जैसे ही फिल्म की घोषणा हुई, सलमान के फैंस ने इस प्रोजेक्ट पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

फुलेरा में सज गया चुनावी मैदान होगा जोरदार घमासान...

मुंबई। फुलेरा गांव की 'पंचायत' वापस आ रही है। प्राइम वीडियो के पसंदीदा शो 'पंचायत' के चौथे सीजन का टीजर आज जारी हो गया है। जो इस बात की झलक दिखाता है कि इस बार फुलेरा में प्रधानी का चुनाव होने जा रहा है। प्रधान जी के सामने एक बार फिर भूषण यानी कि बनराकस चुनौती बनकर खड़ा है। अब चुनाव का नतीजा क्या रहता है और क्या भूषण प्रधान जी पर भारी पड़ेगा, ये 2 जुलाई को ही पता चलेगा। प्राइम वीडियो की ओर से इस टीजर को ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर जारी किया गया है। टीजर की शुरूआत होती है एक वॉइस ओवर और पंचायत के कुछ सीन के साथ। वॉइस ओवर में कहा जाता है, "भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और इस लोकतंत्र का एक छोटा सा हिस्सा है हमारा फुलेरा गांव। जहां इस साल होगा बड़ा घमासान, जब इलेक्शन में लड़ बैठेंगे हमारे प्रधान जी और भूषण। आइयेगा जरूर हमारे फुलेरा का चुनाव देखने।"

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) **कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.**(RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, फिल्ड अधिकारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर, वेतन योग्यतानुसार संपर्कः- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, सिटी ऑफिस, 434 चतुर्थतल प्रगतिशील बिंदु लालपुर रायपुर छत्तीसगढ़ 7746000016, 7747000019, 7747000016, 7746000019.(RO-074)

कुक/ड्रायवर

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी. आई. पी. चौक के पास रायपुर में सभी घरेलू कार्य एवं शाकाहारी खाना बनाने हेतु कुक एंव गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटका, तंबाखु या किसी तरह का नशा न करने वाले **संपर्क करें 9300593000.**(RO-7215)

शिक्षक

आवश्यकता है- श्री अरविंद विद्यालय कचना, रायपुर में प्राथमिक शिक्षण हेतु D.El.Ed. डिग्रीधारी शिक्षक/शिक्षिका चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता दी जाएगी। तत्काल आवेदन करें। **वेतन योग्यता अनुसार (गैस गोदाम रास्ता सत्यम नगर) संपर्क- 9691691012, 9424214917.** (RO-7324)

आवश्यकता है- शिक्षक चाहिए मदर्स इंटरनेशनल स्कूल ग्राम- गोढी, धरसीवा, रायपुर में शिक्षण हेतु समवेत छत्तीसगढ़ संस्था (c/o समवेत भवन) को तत्काल आवेदन D.El.Ed. डिग्रीधारी व अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार **संपर्क- 9691691012, 7000907132.** (RO-7325)

लॉन्ड्री वर्क

आवश्यकता है- ड्राई क्लीन शॉप में अनुभवी महिला /पुरुष प्रेस करने वाले की आवश्यकता है **लॉन्ड्री स्पेशल , महोबा बाजार ,रायपुर मो. - 7326847433 , 8819021779.** (RO-4187)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा सँभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। **स्थान तेलीबंधा, रायपुर सम्पर्क करेः 9575042814.**(RO-7328)

आवश्यकता है- घर में काम काज /साफ सफाई के लिए एक लड़की की आवश्यकता है। 24 घंटे रहना खाना सब फ्री , पता - दुर्ग ,**संपर्क करे मो.- 93406-40169, 88393-13449.**(आरो न.-7176)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- रायपुर, शंकर नगर vip वी आई पी कॉलोनी में घरेलू काम , झाड़ु पोंछा, चौका, बर्तन तथा साफ सफाई के लिए पति पत्नी (फैमिली) की आवश्कता है, रहने के लिए कमरा उपलब्ध है, , **संपर्क करें 94252 05358, 9424205358.** (RO-02)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु एक अनुभवीं सुपरवाइजर की आवश्यकता हैं। **सम्पर्क करें- मो. नं. 9425208857.**(RO-6976)

आवश्यकता

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर /जनरेटर सर्विस सेंटर में मार्केटिंग कार्य हेतु युवक तथा आईटीआई इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है। वर्क एरिया संपूर्ण छत्तीसगढ़. **7898900131, 7694954356.**(RO-389)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल में कार्य करने हेतु कंप्यूटर ऑपरेटर, गद्दीदार, हेल्पर, कंप्यूटर बिलिंग ऑपरेटर, गार्ड, किचन क्लीनर एवं वेटर्स की आवश्यकता है, 12 घंटे ड्यूटी **संपर्क करें:- होटल प्रिंस बार मो.- 8518811111.** (आरो नं.-737)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है रिसाली रूआबांधा को प्राथमिकता **पता - A -26 आकांक्षा कुंज रिसाली भिलाई मो 9329011025.** (आरो नं.-735)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

इलेक्ट्रीशियन/गार्ड

टेक्सटाईल रिपनिंग (धागा) मिल, रायपुर (छत्तीसगढ़)
नई टेक्सटाईल धागा मिल में साफ व ठंडे वातावरण में मशीन चलाने हेतु नये/पुराने अनुभवी वर्कर्स (पुरूष/महिला), ITI फिटर, ITI इलेक्ट्रिशियन, सिक्यूरिटी गार्ड चाहिए। रहने की उत्तम सुविधा व कैंटीन मिल में उपलब्ध
पहले दिन से PF/ESIC कवरेज व पेमेन्ट सीधे बैंक खाते में। 240 दिन से अधिक हाजरी पर छुट्टी का पैसा अलग।
संपर्क करें। **8357065592 8462933820**

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु - पेट्रोल पंप सुपरवाइजर एवं पेट्रोल /डीजल डालने हेतु स्टॉफ की आवश्यकता, (समय -12:00 से शाम 04:00 तक) **संपर्क मो. न. - 9685652002/ 8085098391 पता - 15 रिक्रिएशन ग्राउंड चौबे कॉलोनी रायपुर (छ.ग.)** (RO-7327)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/ युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित **संपर्क करें- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर मो.- 8109135400.** (RO-627)

आवश्यकता

आवश्यकता है- पंडरी/भाटागांव कोरियर आंफिस में डाक-पार्सल बांटने लडको की आवश्यकता है। पार्टटाइम फुलटाइम दोनोंचाहिए। **जीएमएस कोरियर ए-4, पगारिया काम्प्लेक्स, पुरानाबस स्टैंड, पंडरी रायपुर, काल-वाटशप 9893101226, 9399676408.** (RO-63)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

कुक/घरेलु कार्य

आवश्यकता है- खाना बनाने एवं घरेलू कार्य करने हेतु ईमानदार लड़की/ महिला की आवश्यकता है । रहने खाने की सुविधा फ्री , वेतन योग्यतानुसार , परित्यक्ता ,विधवा, बेसहारा को प्राथमिकता । **संपर्क करें- 88393-04037, 74890-17986**(आरो न.-7178)

फील्ड/ड्रायवर

आवश्यकता है- फील्ड में कार्य करने पढ़े लिखे लड़के एवं घरेलू कार चलाने लड़कों की आवश्यकता है। बाइक होना अनिवार्य है। **भिलाई नेहरूनगर 7000673668 /9425518007,** Salary- 12000(आरो नं.-736)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- नये खुल रहे सलवार सूट के शोरूम में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं हेल्पर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी 10000/- से 15000/- तक कमीशन अलग से **कटोरा तालाब रायपुर- 8959500030.** (RO-7326)

आवश्यकता है- रायपुर स्थित हार्डवेयर शॉप में काम करने के लिए लड़के/ लड़कियों की फुल टाइम पार्ट टाइम हो सकता है **मोबाइल 9406016466 मिलने का समय 10 से 1** (RO-3851)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास सैलरी 10,000 रहना खाना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15,000 से 20,000 स्थानः- म.प. उज्जैन । Co- **9630773028, 9691233111.** (RO-329)

हरिभूमि क्लासीफाईड

टेक्नीशियन/ऑफिस स्टाफ

आवश्यकता है- इंडस्ट्रियल सप्लाई/ सिविल इंस्ट्रूमेंट शॉप हेतु इलेक्ट्रिकल बैकग्राउंड वाले टेक्निकल व्यक्ति की आवश्यकता है. 2 से 3 वर्ष के अनुभवी को प्राथमिकता। ऑफिस स्टाफ हेतु 12वीं पास युवक भी चाहिए. आकर्षक **वेतन- बी. आर. इंस्ट्रूमेंट एंड इक्विपमेंटस, शॉप नंबर- 26, शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स, जी.ई.रोड, रायपुर। मोबाइल- 7000744416, 7416234506.**(RO-1644)

डिलीवरी कार्य

आवश्यकता है- होम डिलीवरी का कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। स्वयं का मोटरसाइकिल और स्मार्टफोन होना अनिवार्य इच्छुक **संपर्क करें- 9754160228.** (RO-7216)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- प्राइम लोकेशन दो मंजिला मकान आवास और गोदाम हेतु उपयुक्त रायपुर बिलासपुर मेंन रोड से सटे 50 मीटर अंदर संई सुतार भवन के पास रमन मंदिर वार्ड फाफाडीह में दो मंजिला मकान (4 BHK) 1250 वर्ग फुट बिल्ड अप एरिया बिक्री हेतु उपलब्ध है। **संपर्क - 8602012979, 9098132372.** (RO-7329)

मकान बेचना है- प्लाट साइज- 60x24 = 1440 कंस्ट्रक्शन एरिया- 3550 किराया- 30,000/- माह (तीनफ्लोर) वॉलफोर्ड के समीप रिंग रोड नंबर -01, भाटागांव रायपुर (नए बस स्टैंड के समीप) मूल्य- 90 लाख मो. नंबर **9575086006.**(RO-7313)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

जमीन/प्लाट

प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग बायपास टोलप्लाजा, किआ शोरूम के पास रेसिडेंशियल व कमर्शियल सर्व सुविधा युक्त प्लाट – विकसित क्लोज्ड कैंपस, CC रोड, नाली, मंदिर, स्ट्रीट लाइट, मैरिज हॉल सहित। तुरंत मकान बना सकते हैं। **संपर्कः 7247006610, 7247006609.** (आरो न.-7175)

जमीन/ प्लॉट उपलब्ध है- दुर्ग जिले में फॉर्महाउस के लिए जमीन, कृषि जमीन, छोटे बड़े प्लाट, ऑफिस, सबसे बढ़िया दाम में खरीदी बिक्री की गारंटी, कृपया इसी महीने के B1 नक्शा खसरा ही लाये। विवादित जमीन वाले बिल्कुल **संपर्क ना करें। एस एस प्रॉपर्टीज, ओम परिसर, दुर्ग- 07389902902.** (आरो नं.-738)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज

- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82/ 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉ. प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित हायर सेकेण्डरी, ग्रेजुएट, अविवाहित सजातीय हिन्दू जाति बंधन नहीं, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा। साधारण विवाह।
9131453175

वधु चाहिए- पंजाबी 30 वर्षीय युवक 5 फुट 8 इंच (B.Sc .Ag.) Sales Officer एवं व्यवसायी परिवार के इकलौते बेटे हेतु वधु चाहिए। दहेज बंधन नहीं। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें। छत्तीसगढ़ को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7509396155 (7331)

वर चाहिए

GROOM WANTED
29Yr Muslim Doctor (Pursuing Post Graduation) from a respected family, Seeks alliance with a Well educated Muslim P.G. Doctor (any Specialization) Professionally Well settled from a deeny good family background
8435639998

वर चाहिए- रंग गोरा स्मार्ट 36 वर्षीय, हाईट 5 फुट 6 इंच व्यावसायिक लड़का (अनाथ एवं विकलांग) के लिए वधु चाहिए तलाकशुदा भी स्वीकार्य है। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- 8435278895 (7330)

मैरिज ब्यूरो

मैरिज ब्यूरो
योग्य महाराष्ट्रीयन वर वधु की तलाश हेतु श्री स्वामी समर्थ उपासना मंडल भिलाई- दुर्ग द्वारा संचालित शोध वधू-वारांचा मैरिज ब्यूरो में अपना नाम रजिस्टर करने संपर्क करें
9131455917

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Price per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100%. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Display
GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /-1 Sunday	800 /-1 Sunday
900 /-2 Sunday	1200 /-2 Sunday
1200/-3 Sunday	1500/-3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

जैकेट के शेष

धंधा है पर गंदा है यह.......

की स्ट्रिप पर अस्सी रुपए और सौ रुपए की स्ट्रिप पर आठ सौ रुपए तक लिखने को तैयार थे।

केस 05 एमआरपी से 80 फीसदी तक बढ़ाकर दे सकते हैं

- रिपोर्टर- रुटीन की दवा डॉक्टर कमीशन पर लिखते हैं। क्या दवा की एमआरपी बदली जा सकती है?

- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- जी बिलकुल हो जाएगा। हमारे पास मल्टीविटामिन और रुटीन की दवा मिलेगी।

-रिपोर्टर- कितना परसेंट अधिक एमआरपी में दवा दे पाएंगे हमें?

-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- मल्टीविटामिन की दवाई 120 की है। अब आप डॉक्टर की क्या कमीशन फिक्स करते हैं। 40 से 60 प्रतिशत ऑफ करते हैं तब भी आप फायदे में रहेंगे।

-रिपोर्टर- दवा लेने के लिए क्या करना होगा हमें?

- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- आपको वेबसाइट बनानी होगी। अगर हमसे दवा लेंगे तो एमआरपी हमारी होगी ब्रांड भी हमारा होगा। हम 25 डिब्बे से कम नहीं देते हैं। एमआरपी के हिसाब से 80 परसेंट बढ़ा कर दे सकते हैं।

केस 06 एक ईमानदार भी मिला, कहा एमआरपी नहीं बढ़ा सकते

-रिपोर्टर- अधिक एमआरपी में दवा आप हमें दे सकते हैं क्या?

-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- यह तो संभव नहीं है। प्रोडक्ट में जो एमआरपी आप देख रहे हैं उसी में मिलेगी आपको।

रिपोर्टर- डॉक्टर कमीशन में दवा लिखते हैं इसलिए चाहते है अधिक एमआरपी में दवा मिल जाती तो अच्छा होता।

फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हम यह नहीं कर सकते..।

हमने कहा हम ...

चाहते है वह प्रिंट हो सकता है?

-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हां प्रिंट हो जाएगा। हमारे कंपनी के बैच से 100 से 150 पैकेट में एमआरपी में बदलाव हो जाएगा। यह एक साल तक मिलेगा आपको।

- रिपोर्टर- क्या सरकार द्वारा तय रेट को बदल सकते हैं?

- फार्मा कंपनी प्रतिनिधि - नहीं, उसे हम नहीं बदल सकते हैं। हमारी कंपनी के प्रोडक्ट में एमआरपी आपके अनुसार मिल जाएगी। सरकार ने जिस दवा के दाम तय किए हैं, उसकी एमआरपी बदलने में खतरा है।

हमने कहा-बिरगांव में ....

गैस्ट्रिक जैसी सामान्य बीमारी से जुड़ी दवाएं चाहिए थी।

-फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- किस दवा को कितनी मात्रा में आप लेते हैं उस हिसाब से एमआरपी में बदलाव हो सकता है।

- रिपोर्टर- आप दवा का एमआएपी कितना बढ़ा कर दे सकते हैं?

फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- अगर कोई दवा डीपीसी में नहीं है तो आप जितना कहेंगे उतनी एमआरपी में आपको दवा हम दें देंगे। जितनी चाहें एमआरपी प्रिंट कर देंगे।

हमने कहा-डॉक्टर ज्यादा ....

मैं दवाओं की सूची आपको भेजता हूं। आप उसे चुने फिर मैं आपको बता दूंगा कितना अधिक एमआरपी मिल जाएगा आपको।

रिपोर्टर- जनरल मेडेसिन मिलता है क्या आपके पास?

फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- दवाएं है आप जिस पर्ची में जेनेरिक बना दीजिए हो जाएगा।

फार्मा कंपनी ने ....

फीसदी कमीशन कहता है। हमें उससे अधिक दाम में दवा चाहिए।

0 फार्मा कंपनी प्रतिनिधि- हम आपको 40 परसेंट तक अधिक एमआरपी में दवा दे सकते हैं। 130 की दवा 1 हजार तक कर सकते हैं। 20 प्रतिशत डॉक्टर को देते हैं तो 700 का लाभ आपको मिलेगा।

खसरा अलग, रकबे ....

भुगतान अब तक नहीं किया गया है। हरिभूमि को मिले दस्तावेजों में भी इसका उल्लेख है।

रजिस्ट्री में 10 ....

मुक्ति मिलेगी। रजिस्ट्री कराने वाले हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा में बताया रजिस्ट्री में 15-20 मिनट लगे, साथ ही साथ नामांतरण भी हो गया, इससे लंबे इंतजार से मुक्ति मिली। मुख्यमंत्री ने कहा, ऑफलाइन व्यवस्था को बंद कर ऑनलाइन करते हुए सरकार भ्रष्टाचार के रास्ते बंद कर रही है। कोयला, आबकारी सेक्टर में किए गए सुधारों की तर्ज पर भूमि पंजीयन की प्रक्रिया में रीफार्म किया गया है। इससे आम जनता को राहत मिलेगी। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहां सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। राज्य सरकार सभी स्तर पर डिजिटल गवर्नेंस को अपना कर सुशासन स्थापना की दिशा में कार्य करते हुए शासकीय काम-काज में पारदर्शिता ला रही है। साथ ही शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर इनका लाभ आमजन तक समय पर पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रीफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म पर जोर देते हैं। प्रधानमंत्री ने तकनीक को बढ़ावा देकर नागरिक सेवाओं की डिलीवरी को आसान बनाने का जो रास्ता दिखाया है, उस पर अग्रसर होते हुए राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में लगातार रीफार्म कर रही है। उन्होंने कहा, पहले रजिस्ट्री और नामांतरण के लिए लोगों को महीनों चक्कर लगाना पड़ता था। अब ये कार्य मिनटों में होंगे।

यह जनता की इज ऑफ लिविंग को बढ़ाने का कार्य- जैन

मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा, रजिस्ट्री विभाग में आज लागू हुए नवीन सुधार सरलता, सुगमता और सुविधा की क्रांति के बारे में है। एक साथ लाखों लोगों को सुविधा देने का कार्य इन सुधारों से हो सकेगा। अधिकारियों के अधिकारों को कम करना एक बड़ा विजनरी काम है। उन्होंने कहा, हमें इस कार्य को करने का अवसर मिला। यह जनता की इज ऑफ लिविंग को बढ़ाने का कार्य है।

आटो डीड जनरेशन से नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर- अलरमेल मंगई : वाणिज्यिक कर विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी. ने पंजीयन विभाग में लागू हुए रिफॉर्म्स की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, आमजनों को अब रजिस्ट्री कराने रजिस्ट्री आफिस जाने की भी जरूरत नहीं है। अब घर बैठे रजिस्ट्री होगी। संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद राजस्व विभाग में नामांतरण के लिए आवेदन नही लगाना पड़ेगा, अब संपत्ति की रजिस्ट्री के साथ समय से नामांतरण हो जाएगा। जमीन की फर्जी खरीदी-बिक्री और धोखाधड़ी पर रोक लग जाएगी। किसी भी जमीन की आधार आधारित प्रमाणीकरण की सुविधा अर्थात आधार लिंक की वजह से बायोमैट्रिक पहचान धोखाधड़ी को रोकेगी। पंजीयन प्रक्रिया आनलाइन कर दी गई है। आटो डीड जनरेशन की सुविधा भी आरंभ होने से पक्षकार को दस्तावेज बनाने, स्टांप खरीदने, एप्वाइंटमेंट लेने तथा पंजीयन प्रस्तुत करने अलग-अलग लोगों जैसे डीड राइटर, स्टांप वेंडर आदि के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला ....

लोगों के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। भारत माला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, विजय जैन, उमा देवी और केदार तिवारी को ईओडब्लू ने गिरफ्तार किया है। इन पर जमीन के फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से करोड़ों रुपए का घोटाला करने का आरोप है। ईओडब्लू में दर्ज एफआईआर के मुताबिक तत्कालीन एसडीएम निर्भय साहू, तहसीलदार शशिकांत कुर्रे, नायब तहसीलदार लखेश्वर किरण और आरआई रोशन वर्मा घोटाले में शामिल हैं। इसके अलावा, पटवारी दिनेश पटेल, जितेंद्र साहू, लेखराम देवांगन और बसंती धृतलहरे के नाम भी एफआईआर में हैं, जो कथित तौर पर इस घोटाले के साजिशकर्ता थे।

जल संसाधन विभाग के अफसर भी घोटाले में शामिल : भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला मामले में जल संसाधन विभाग के अफसरों के शामिल होने की जानकारी सूत्रों ने दी है। जल संसाधन विभाग के तीन से ज्यादा अफसरों के खिलाफ ईओडब्लू द्वारा अपराध दर्ज किए जाने की जानकारी सूत्रों ने दी है। अफसरों पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भारत माला प्रोजेक्ट की फंड की राशि गलत तरीके से ट्रांसफर करने का आरोप है।

आरोपी के अकाउंट ....

का आरोप लगाया है। ईओडब्लू ने जिन लोगों के गिरफ्तार किया है, उनके खिलाफ पुख्ता सबूत मिले, इसके बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

पेज एक के शेष

कहीं टंकी लीकेज तो कहीं ...

भी कराए जा रहे हैं, लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही एवं कामचोरी के कारण अभी तक लक्ष्य की तुलना में 50 प्रतिशत कार्य भी पूर्ण नहीं हो पाए हैं। वहीं जिन ग्रामों में यह कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, उनमें भी अनेकों ग्रामों में पानी की सप्लाई तक शुरू नहीं हो पाई हैं। इसके कई कारण है। किसी ग्राम में पानी टंकी लीकेज है, तो कहीं टंकी के बोरवेल सूख गए हैं, तो कहीं टंकी और पाइप लाइन बिछाने के कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। इसके अलावा कई पाइप लाइन कनेक्शन से घरों में काफी कम पानी आ रहा है, जिसके कारण भीषण गर्मी के दिनों में इन ग्रामों में पेयजल की समस्या बनी हुई है। इधर पीएचई विभाग के जिला अधिकारी इस मामले में कुछ भी जानकारी देने से बच रहे हैं।

कार्य पूर्ण कराए बगैर कई ठेकेदारों को कर दिया गया भुगतान: जिले में अभी तक जल जीवन मिशन योजना के तहत केंद्र से 1450.91 लाख रुपए एवं राज्य से 5778.43 लाख रुपए कुल 7229.71 लाख रुपए राशि जारी की गई है। जारी राशि के एवज में अब तक संबंधित निर्माण एजेंसियों को ठेकेदारों 6615.71 लाख रुपए का भुगतान भी किया गया है, जो जारी राशि का 95.66 प्रतिशत है। यह राशि जारी होने के बाद भी कई कार्य अधूरे हैं। सूत्रों की मानें, तो अधिकारियों की लापरवाही के कारण कई ठेकेदारों को कार्य पूर्ण हुए बगैर भुगतान कर दिया गया है। यही वजह है कि एडवांस में भुगतान होने के कारण कई ठेकेदारों ने काम अधूरा छोड़कर काम करना बंद कर दिया है।

पीएचई विभाग में शिकायत के बाद भी निराकरण नहीं: इस योजना के तहत घर-घर नल कनेक्शन के अधूरे कार्य, बोरवेल सूखने सहित अन्य समस्याओं को लेकर पीएचई विभाग में शिकायत भी की गई है। तिल्दा-नेवरा जनपद पंचायत के सभापति देवव्रत शर्मा ने इस संबंध में 30 अप्रैल को शिकायत भी की थी, लेकिन इन शिकायतों का अभी तक निराकरण नहीं किया गया है। इस शिकायत के साथ उन्होंने इन ग्रामों में पेयजल की समस्या के निराकरण के लिए बोरवेल खनन कर हैंड पंप लगाने की मांग की थी।

पाक से आयात पर रोक, डाक-पार्सल ...

किए गए हैं। एक अधिसूचना में, डीजीएस ने मालवाहक पोत अधिनियम की धारा 411 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया। अधिसूचना में कहा गया है, पाकिस्तान के झंडे वाले जहाज को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भारतीय झंडे वाला जहाज पाकिस्तान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जाएगा। डीजीएस ने कहा कि यह आदेश भारतीय संपत्तियों, कार्गो और संबंधित बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जारी किया गया है। पहलगाम हमले के तार 'सीमा पार' से जुड़े होने का हवाला देते हुए भारत ने हमले में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने का संकल्प जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान कहा था कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की 'पूरी अभियानगत छूट' है। भारत ने हमले के बाद कठोर कदम उठाते हुए सिंधु जल संधि स्थगित करने, पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने, अटारी एकीकृत जांच चौकी को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया था। भारत ने राजनयिक संबंधों को भी कमतर करने का फैसला किया था। भारत के कदमों की प्रतिक्रिया में, पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया और तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार सहित भारत के साथ सभी व्यापार को स्थगित कर दिया। पाकिस्तान ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने को अस्वीकार कर दिया और कहा कि पानी के प्रवाह को रोकने के किसी भी कदम को 'युद्ध की कार्रवाई' के रूप में देखा जाएगा।

पाकिस्तान से भारत क्या आता था? : पहले सीमेंट, जिप्सम, फल, तांबा, और नमक जैसे उत्पाद आयात होते थे, लेकिन 2019 के बाद आयात लगभग शून्य हो गया. 2024 में पाकिस्तान से भारत का आयात मात्र 48 लाख डॉलर रहा। यह सिर्फ जरूरी चीजें जैसे सेंधा नमक और मुल्तानी मिट्टी ही मंगाता था। अब यह भी पूरी तरह से बंद हो जाएगा।

मंदिर में उत्सव के दौरान भगदड़ दो ...

मंदिर की संकरी गलियों में उमड़ पड़े। इसी दौरान बिजली का तार टूटने से करंट फैल गया और भगदड़ मच गई। पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने बताया कि छह लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लोगों का राज्य के विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। अधिकारी ने कहा, इस उत्सव के लिए कम से कम 30,000 से 40,000 लोग एकत्र हुए थे और कुछ लोग एक ढलान पर खड़े थे। ढलान पर कुछ लोग गिर गए जिससे अन्य लोग एक-दूसरे पर गिर गए। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लोग ढलान पर गिर गए जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई।

पारंपरिक कपड़े पहने तो पहुंचना होगा...

बोतल साथ ले जाने की अनुमति दी गई है। नीट-यूजी 2025 में 22 लाख से अधिक छात्रों के बैठने की उम्मीद है। यह परीक्षा देश में विभिन्न मेडिकल कोर्सेज की 2.5 लाख सीटों के लिए आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़ के सभी जिले में इसके लिए परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। रायपुर में 27 केंद्रों में यह परीक्षा होगी। सभी केंद्रों में परीक्षा से पूर्व ही जैमर लगा दिया गया है।

गरियाबंद में 8 लाख का ईनामी नक्सली...

: ग्राम मोतीपानी के मध्य जंगल क्षेत्र में सर्चिंग के लिए रवाना हुई। इसी दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए फायरिंग की।करीब आधे घंटे चली इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया, जिसकी पहचान डीव्हीसीएम योगेश के रूप में हुई है। योगेश पर शासन द्वारा 8 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। मुठभेड़ के बाद इलाके में की गई सघन सर्चिंग के दौरान एक एसएलआर हथियार, भारी विस्फोटक सामग्री और अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद हुई है।

युवा व्यवसायी ...

युवा व्यावसायी 35 वर्षीय इंद्रजीत सिंह बाबरा शुकवार की रात लगभग 10 बजे किसी काम से घर से निकले थे और रात को संगम चौक के समीप रुके। इस दौरान जब उन्होंने अपनी स्कूटी स्टार्ट करने का प्रयास किया तो वे अचानक ही हार्ट अटैक आने से जमीन पर गिर गए।

गेवरा जाने वाली लोकल पहुंच...

दिया है। बिलासपुर से रायपुर, नागपुर होते हुए अमृतसर तक चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह बिलासपुर-गेवरारोड लोकल बनकर सुबह बिलासपुर स्टेशन से 7.30 बजे रवाना की जाती है। यही ट्रेन गेवरा से वापस छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस बनकर बिलासपुर और अमृतसर के लिए दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर निकलती है। प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह बिलासपुर-गेवरारोड छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कम लोकल स्टेशन से रवाना की गई थी। यह ट्रेन सुबह 11.30 बजे कोरबा पहुंचने के बाद गेवरा के लिए रवाना होने के बाद वापस दोपहर 1 बजे वापस होकर कोरबा स्टेशन पहुंचती है, जहां से दोपहर डेढ़ बजे बिलासपुर के लिए रवाना की जाती है।

पाकिस्तानी महिला से शादी करने वाला जवान बर्खास्त

नई दिल्ली । केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने पाकिस्तानी महिला से शादी की बात 'छिपाने' वाले अपने जवान मुनीर अहमद को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। बल ने अहमद के कृत्य राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अहमद सेवा से बर्खास्त किये जाने से पहले सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में पदस्थ थे। आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अहमद को उन नियमों के तहत 'सेवा से बर्खास्त' किया गया है जिनके तहत जांच करने की आवश्यकता नहीं है।

प्रिंस हैरी गृह मंत्री के समक्ष उठाएंगे सुरक्षा का मामला

लंदन। प्रिंस हैरी ने कहा है कि वह ब्रिटेन की गृह मंत्री यवेटे कूपर को पत्र लिखकर अपनी पत्नी मेगन मार्कल और बच्चों आर्ची और लिलीबेट के लिए देश में रहने के दौरान उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी अपनी चिंताओं से अवगत कराएंगे। महाराजा चार्ल्स तृतीय के 40 वर्षीय छोटे बेटे हैरी शुक्रवार को इस मुद्दे पर लंदन की अपीलीय अदालत में अपनी लड़ाई हार चुके हैं। लेकिन उन्होंने 'ब्रिटिश ब्रॉडकॉस्टिंग कॉर्पोरेशन' (बीबीसी) को दिए गए एक साक्षात्कार में आरोप लगाते हुए इसे 'सत्ता प्रतिष्ठान की साजिश' करार दिया था। अमेरिका में रहने वाले ड्यूक ऑफ ससेक्स (हैरी) अब शाही दायित्वों से मुक्त हैं। हैरी ने खुलासा किया कि उन्होंने कानूनी विवादों और अपनी पत्नी और बच्चों की सुरक्षा के डर के कारण अपने पिता से बात नहीं की है।

राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। आय में व्यवधान आ सकते हैं, खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। खर्चों में वृद्धि होगी,स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन — अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी,संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है।

सिंह — पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला — आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक — वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे,वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु — रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है।

मकर — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं।

कुंभ — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है।

मीन — रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। परिवार का भी सहयोग मिलेगा, वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, सरायकेला–खरसावाँ ।
ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
(तृतीय कॉल)
ई–टेंडर रेफरेन्स नं०–प०नि०वि०/सरायकेला/03
दिनांक 02.05.2025

1.	कार्य का नाम	काण्ड्रा–चौका सेक्शन के चैनेज 51+780 कि०मी० में अवस्थित टॉल प्लाजा में User Fee का Collection ।
2.	राशि (Annual Potential Collection)	रु० 13.5115120 करोड़ (रुपये तेरह करोड़ एकावन लाख पन्द्रह हजार एक सौ बीस) मात्र
3.	परिमाण विपत्र मूल्य	रु० 20,000.00 (बीस हजार रुपये) मात्र
4.	बीड जमानत राशि	रु० 27,03,000.00 (सताईस लाख तीन हजार रुपये) मात्र
5.	User Fee Collection की अवधि	02 (दो) वर्ष
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि/समय	26.05.2025 12:00 बजे दोपहर तक
7.	वेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	06.05.2025 10:30 बजे अपराह्न
8.	निविदा प्रकाशन करनेवाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, सरायकेला–खरसावाँ ।
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9199867872
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2401010

नियम एवं शर्त्ते के लिए बेबसाईट–www.jharkhandtenders.gov.in पर देखें ।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल,
सरायकेला–खरसावाँ ।

PR 351557 Road(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,चतरा
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सूचना संख्या :– RDD/SD/CHATRA/05/2024-25/RE-03

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	चतरा जिलान्तर्गत प्रखण्ड पत्थलगडडा पंचायत सिंघानी में परसोनिया नदी में पुल निर्माण।	5,40,86,200.00	10,82,000.00	10,000.00	24 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि –07.05.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक–07.05.2025 से दिनांक–16.05.2025 के अपराह्न 05:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, चतरा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 19.05.2025 अपराह्न 02:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, चतरा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9431060939 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,चतरा

PR 351596 Rural Development(25-26).D

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्रम सं (1): ई - निविदा संख्या: डीआरएम-इंजी. - बीएसपी-टी-29-2025-26, दिनांक: 24.04.2025

कार्य: बिलासपुर मंडल अंतर्गत 1 किमी (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार) के डाउन प्रभाव वाले ट्रैक आधारित गेज फेस रेल लुब्रिकेटर की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और संचालन कार्य (05 वर्षों के लिए)।

निविदा मूल्य (रु) : 31,25,05,056/- **अमानत राशि (रु):** 17,12,500/- **कार्य पूर्णता की अवधि:** 60 माह, **निविदा जमा की आरंभ तिथी:-** दिनांक :05.05.2025, **निविदा जमा की अंतिम तिथी:-** दिनांक : 19.05.2025 के 11-00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओ हेतु ई- टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/AM/39 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
नागपुर मंडल में विभिन्न एस एंड टी कार्यों के लिए

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा सूचना क्रमांक: ST-3TRR/NGP/Garha/G-BTC/25 दिनांक: 01.05.2025

कार्य: नागपुर मंडल में एसएंडटी सम्बंधित कार्य - **(1)** TRR(S) - 27.616 Tkm। **(2)** गरहा यार्ड स्टेशन पर 52 Kg टर्नआउट का 60 Kg (12 में 1) टर्नआउट द्वारा नवीनीकरण (5 संख्या)। **(3)** गोंदिया जंक्शन - बालाघाट जंक्शन - TRR(P) 29.000 Tkm।

निविदा मूल्य: ₹ 1,56,92,535/-,
बिड सिक्युरिटी: ₹ 2,28,500/-,
समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।
निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **23.05.2025** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता,
AIM/04-20 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/25/17, दिनांक 29.04.2025.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1.	05241219	माइक्रोकंट्रोलर लोजिक कार्ड नं. 3 (एम.एल.बी.आई.) फॉर सी.ई.एल. मेक	07.05.2025	119 नग
2.	02254014	ब्रेक शू मीडियम फॉसफोरस	13.05.2025	32196 नग
3.	02254091	"ऑयल कुलिंग रेडिएटर फॉर कनवर्टर"	13.05.2025	24 नग
4.	02251224A	पेंटोग्राफ माउंटिंग इंसुलेटर एज पर सी.एल.डब्ल्यू.डी.आर.जी.नं. सी.एल.डब्ल्यू./ई.एस./एस.के.–4/ ए.सी./आई.–1/ए.एल.टी.–के.	14.05.2025	728 नग
5.	03251381	ब्रेक शू की टू आर.डी.एस.ओ. डी.आर.जी. नं. डब्ल्यू./बी.जी.–6150, ए.एल.टी.–2	20.05.2025	128977 नग
6.	03251410	स्लैक एडजस्टर कंपलीट टाईप आई.आर.एस.ए.–600 फॉर बॉक्सएन वैगन टू आर.डी.एस.ओ.डी.आर.जी. नं. डब्ल्यू.डी.–82064–एस.–01– आर.सी., ए.एल.टी.नं.–12	23.05.2025	1101 नग
7.	03252020	साईड फ्रेम फ्रिक्शन लाईनर एज पर आर.डी.एस.ओ. ड्राइंग नं. एस.के.– 69594 ए.एल.टी.नं. 37ए आएटम नं.–7	23.05.2025	21411 नग
8.	03252779	लोक बोल्ट साईजः डाया 22.2 एम.एम. ऑर 7/8 ईंच	29.05.2025	59151 सेट

निविदा खुलने/बंद होने का समयः- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर **www.ireps.gov.in** पर देख सकते है।

सीपीआर/10/37 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

C-PDCL कार्यपालन अभियंता नगर संभाग (पश्चिम), भिलाई
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

// बिजली बंद होने की आवश्यक सूचना //

समस्त सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि **मानसून पूर्व आवश्यक सुधार** कार्य हेतु निम्न दर्शाये गये जोन अंतर्गत दर्शाये गये **11 के.व्ही फीडर** में उनके सम्मुख दर्शित तिथि एवं समय में **विद्युत प्रवाह अवरूध्द** रहेगा। विवरण निम्नानुसार है -

जोन का नाम	दिनांक व दिन	समय	11 के.व्ही. फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
वैशाली नगर जोन	06/05/25 मंगलवार	सुबह 10.00 से 03.00 बजे तक	गोल मार्केट फीडर	वैशालीनगर, गोल मार्केट, शांति नगर सड़क नंबर 01 से 06, पॉलीवाल डेयरी के आसपास का क्षेत्र ।
	08/05/25 गुरूवार		गुरूनानक नगर फीडर	वैशालीनगर, शांति नगर, यूको बैंक के आसपास का क्षेत्र, अंबेडकर नगर, नगर निगम के आसपास का क्षेत्र, टंकी नं 2, त्रिकोण पार्क के आसपास का क्षेत्र ।
	10/05/25 शनिवार		शांति नगर फीडर	एम.जी.एम., सुपरिणय भवन, शांति नगर, के. पी. एस. स्कूल के आसपास का क्षेत्र, सुंदर नगर, वैशालीनगर, दशहरा मैदान वैशालीनगर, शांति नगर, सडक 23 से 30 तक वैशालीनगर, पोस्ट आफिस के आसपास का क्षेत्र।
नेहरू नगर जोन	05/05/25 सोमवार	सुबह 9.30 से 02.00 बजे तक	रॉयल ग्रीन	रॉयल ग्रीन, पार्क व्यु. के. शुभम मार्ट, चौहान ग्रीनवैली ब्लाक अ, ब, एवं आसपास का क्षेत्र।
	06/05/25 मंगलवार		खम्हरिया	जुनवानी बस्ती, चौहान ग्रीनवैली, दीनदयाल कॉलोनी, खम्हरिया कुटेलाभाटा एवं आसपास का क्षेत्र
	07/05/25 बुधवार		वंदेमातरम	परियापारा वंदे मातरम अपाटमेंट, सूर्या अपार्टमेंट, चौहान ड्रीम होम, मॉडल टाउन एवं आसपास का क्षेत्र
सुपेला जोन	05/05/25 सोमवार	प्रातः 8 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक	आकाश गंगा-2	टी.वी.एस. शोरूम, अमोद भवन, सत्संग भवन, कान्ट्रेक्टर कॉलोनी, रिनॉल्ट शोरूम, शास्त्री हॉस्पिटल, सुधीर एस. रे, कमला मेडिकल, लक्ष्मी मेडिकल, पांच रास्ता आदि क्षेत्र ।
	06/05/25 मंगलवार		दक्षिण गंगोत्री	दक्षिण गंगोत्री प्रिया कम्प्यूटर, कम्पू वर्ल्ड, एवन इलेक्ट्रानिकस, टाइटन शोरूम, नवभारत प्रेस, खादीम शोरूम, व्यम. हॉस्पिटल, गुरूनाथ हॉस्पिटल, सर्कस ग्राउंड, प्रियदर्शनी परिसर आदि क्षेत्र ।
	07/05/25 बुधवार		सिरसा रोड	गुरूनानक नगर, फैण्डस् कैफे, पांच मंदिर, अशोक आटा चक्की आदि क्षेत्र ।
	08/05/25 गुरूवार		केम्प 1	वृन्दा नगर, प्रेम नगर, केम्प - 1, अर्जुन नगर, 18 – नंबर रोड, अटल आवास, दशहरा मैदान, आंध्रा स्कूल, मुक्ति धाम, गौसिया मस्जिद आदि क्षेत्र ।
	09/05/25 शुक्रवार		संजय नगर	वेंकटेश्वर टॉकीज, नूर मस्जिद लक्ष्मी मार्केट क्षेत्र आदि। शंकरपारा रावणभाठा, शीतला मंदिर शनि मंदिर तालाब आदि क्षेत्र ।
	10/05/25 शनिवार		सुपेला फीडर	आम्रपाली, गौरव पथ रोड, शासकीय स्कूल वृंदानगर, छपरा कॉलोनी, सुंदर नगर, जैन मंदिर आदि क्षेत्र ।
रिसाली जोन	05/05/25 सोमवार	सुबह 9.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक	रिसाली बस्ती	आशीष नगर पूर्व, वी.आई.पी. नगर के आस-पास का क्षेत्र ।
	06/05/25 मंगलवार		अवधपुरी	प्रियंका नगर,दया नगर अवधपुरी, शांति कुजं, श्री राम टावर के आस-पास का क्षेत्र ।
	07/05/25 बुधवार		प्रगति नगर	आशीष नगर सड़क - 1,2 प्रियदर्शनी परिसर प्रगति नगर के आस-पास का क्षेत्र ।
	08/05/25 गुरूवार		पेट्रोल पंप	एच.आई.जी. 1-100, एम.आई.जी 1 - 500-700,800, 1000, श्री. राम चौक के आस-पास का क्षेत्र ।
	10/05/25 शनिवार		रेलवे, मिलन चौक	एम.आई.जी. 2. 200-300, एल.आई.जी. 200-300, मिलन चौक, एम.आई.जी 1-820–924,,एल.आई.जी. 1-200 एम.आई.जी. 1 19-150, रेलवे केबिन, डिविजन ऑफिस एस. सेन्ट्रल एक्साइज ऑफिस टी. आर .ई. ऑफिस के आस-पास का क्षेत्र ।

(विद्युत अवरोध की सूचना प्रभावित फीडरों के उपभोक्ताओं को एस.एम.एस. के माध्यम से दी जा रही है ।)
उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है।

कार्यपालन अभियंता नगर संभाग (पश्चिम)
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि., भिलाई

शब्द पहेली - 5856

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -5855 का हल

सूडोकु नवताल - 5866

★★★★☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5865 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

कर की बात
बिजनेस डेस्क

अगर ज्यादा कट गया है टैक्स तो घबराएं नहीं, पूरा पैसा होगा वापस

एक्सपर्ट बोले, टीडीएस कटने के बाद भी आसानी से वापस पा सकते पैसे ■ गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने से कट जाता है पैसा ■ ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड क्लेम कर सकते हैं आप ■ फॉर्म 26एएस की मदद से लगा सकते हैं

अगर आप भी आईटीआर जमा करवाते हैं और आपका पैसा ज्यादा कट गया है तो घबराएं नहीं, यह सारा पैसा आपको वापस मिल सकता है। बस आपको थोड़ा संयम के साथ कुछ नियमों का पालन करना होगा। टीडीएस यानी टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स, एक ऐसा टैक्स है जो आपकी कमाई पर स्त्रोत पर ही काट लिया जाता है। चाहे आपकी सैलरी हो, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज हो, किराए की आय हो या प्रोफेशनल फीस, इन सब पर टीडीएस कट सकता है। लेकिन कई बार गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने की वजह से जरूरत से ज्यादा टीडीएस कट जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है, तो घबराने की जरूरत नहीं। आप न सिर्फ ये चेक कर सकते हैं कि कितना टीडीएस कटा, बल्कि ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड भी क्लेम कर सकते हैं।

टीडीएस क्या होता है : सबसे पहले समझते हैं कि टीडीएस है क्या। मान लीजिए आप किसी कंपनी में काम करते हैं और आपकी सैलरी 50,000 रुपये महीना है। कंपनी आपको पूरी सैलरी देने से पहले उसमें से कुछ टैक्स काट लेती है और उसे सरकार के पास जमा कर देती है। यही टीडीएस है। ये टैक्स आपकी कमाई के हिसाब से और सरकार के टैक्स स्लैब के आधार पर कटता है। सैलरी के अलावा, बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज पर, किराए की आय पर, या फ्रीलांस काम की फीस पर भी टीडीएस कट सकता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि आपकी कुल आय टैक्सेबल लिमिट से कम होती है, फिर भी टीडीएस कट जाता है। या फिर गलत टैक्स स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स काट लिया जाता है। ऐसे में आप ज्यादा कटे हुए टैक्स को रिफंड के तौर पर वापस पा सकते हैं। इसके लिए आपको पहले चेक करना होगा कि कितना टीडीएस कटा और क्या वो सही था।

ज्यादा टीडीएस कटने का पता कैसे लगाएं

टैक्स और इनवेस्टमेंट एक्सपर्ट बताते हैं, अगर आपको लगता है कि आपका टीडीएस जरूरत से ज्यादा कट गया है, तो सबसे पहले आपको अपनी टैक्स डिटेल्स चेक करनी होंगी। इसके लिए फॉर्म 26एएस आपको मदद कर सकता है।"

कैसे चेक करें

सबसे पहले फॉर्म 26एएस डाउनलोड करें। फॉर्म 26एएस एक तरह का टैक्स स्टेटमेंट है, जिसमें आपके पूरे साल के टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। ये इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मिलता है। इसे चेक करने के लिए इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट **www.incometax.gov.in** पर जाएं। अगर आपने पहले रजिस्टर नहीं किया है, तो 'रजिस्टर यूअरसेल्फ ' पर क्लिक करके अपना पैन नंबर, नाम, जन्मतिथि और दूसरी डिटेल्स डालकर रजिस्टर करें। रजिस्ट्रेशन के बाद, अपने पैन नंबर (जो यूजर आईडी होता है) और पासवर्ड से लॉगिन करें। लॉगिन करने के बाद 'व्यू टैक्स क्रेडिट स्टेटमेंट (फॉर्म 26एएस)' का ऑप्शन चुनें। आपको एक नई वेबसाइट टीआरएसीईएस पर ले जाया जाएगा। यहां से आप फॉर्म 26एएस डाउनलोड कर सकते हैं। इस फॉर्म में आपको सारी डिटेल्स मिलेंगी, जैसे कितना टीडीएस कटा है, किसने काटा (जैसे आपका एम्प्लॉयर या बैंक), और वो टैक्स सरकार के पास जमा हुआ या नहीं। फॉर्म 16 या टीडीएस सर्टिफिकेट से मिलान करें

एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है

अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपका एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है। ये एक ऐसा डॉक्यूमेंट है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर कटे टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। अगर आपने फ्रीलांसिंग की है या किराए की आय है, तो आपको टीडीएस सर्टिफिकेट मिलता है। इन डॉक्यूमेंट्स में दी गई टीडीएस की रकम को फॉर्म 26एएस से मिलाएं। अगर कोई गड़बड़ी दिखे, जैसे फॉर्म 26एएस में ज्यादा टीडीएस दिख रहा हो, तो ये ज्यादा कटने का सबूत है।

टैक्सेबल इनकम का हिसाब लगाएं

अब आपको अपनी कुल आय और टैक्स स्लैब का हिसाब लगाना होगा। मान लीजिए आपकी सालाना आय 7 लाख रुपये से कम है, तो न्यू टैक्स रिजीम में आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। लेकिन अगर आपका टीडीएस कट गया है, तो वो पूरा रकम रिफंड के लिए क्लेम की जा सकती है। इसके लिए आप अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद ले सकते हैं या ऑनलाइन टैक्स कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां बताते चलें कि इस साल के बजट में न्यू टैक्स रिजीम में सालाना आय की लिमिट 12 लाख रुपये सालाना कर दी गई है।

टीडीएस का रिफंड कैसे क्लेम करें?

जैन कहते हैं, "अगर आपको पक्का पता चल गया है कि आपका टीडीएस ज्यादा कट गया है, तो अब बात आती है रिफंड क्लेम करने की। इसके लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना होगा।" आइए, इसे स्टेप-बाय-स्टेप समझते हैं।

समय पर आईटीआर फाइल करें

जितनी जल्दी आप आईटीआर फाइल करेंगे, उतनी जल्दी आपका रिफंड प्रोसेस शुरू होगा। आमतौर पर आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई होती है, लेकिन अगर आप ये डेडलाइन मिस कर देते हैं, तो भी आप लेट फीस के साथ रिटर्न फाइल कर सकते हैं। आईटीआर फाइल करते समय सही आईटीआर फॉर्म चुनें। अगर आप सैलरीड हैं, तो आईटीआर-1 या आईटीआर-2 काम करेगा। अगर बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम है, तो आईटीआर-3 या आईटीआर-4 चुनें। फॉर्म 26एएस और फॉर्म 16 की डिटेल्स के आधार पर अपनी आय और टीडीएस की जानकारी सही-सही भरें। अगर आपने टैक्स बचाने के लिए कोई इन्वेस्टमेंट किया है (जैसे पीपीएफ, ईएलएसएस, या इंश्योरेंस), तो उसकी डिटेल्स भी डालें।

रिफंड की डिटेल्स सही भरें

आईटीआर फॉर्म में एक सेक्शन होता है, जहां आपको अपने बैंक अकाउंट की डिटेल्स देनी होती हैं, जैसे अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड। ये इसलिए जरूरी है क्योंकि आपका रिफंड सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा। सुनिश्चित करें कि ये डिटेल्स बिल्कुल सही हों, वरना रिफंड में देरी हो सकती है।

आईटीआर को वेरीफाई करें

आईटीआर फाइल करने के बाद उसे वेरीफाई करना जरूरी है। आप इसे ऑनलाइन आधार ओटीपी के जरिए, डिजिटल सिग्नेचर से, या आईटीआर-V फॉर्म को प्रिंट करके इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भेजकर वेरीफाई कर सकते हैं। वेरिफिकेशन के बिना आपका रिफंड प्रोसेस शुरू नहीं होगा।

रिफंड का स्टेटस कैसे चेक करें?

आईटीआर फाइल करने के बाद आप अपने रिफंड का स्टेटस चेक कर सकते हैं। इसके लिए इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लॉगिन करें। 'व्यू रिटर्न फॉर्म' ऑप्शन पर क्लिक करें। अपने फाइनेंशियल ईयर और आईटीआर फॉर्म का स्टेटस चुनें।

यह मिलेगी जानकारी

यहां आपको पता चलेगा कि आपका रिफंड प्रोसेस हो रहा है, अप्रूव हो गया है, या किसी वजह से रिजेक्ट हुआ है। अगर रिफंड में देरी हो रही है, तो आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या ऑनलाइन फाइल कर सकते हैं।

रिफंड में देरी होने पर क्या करें?

कई बार रिफंड प्रोसेस में 6 महीने तक का समय लग सकता है। अगर आपको लगता है कि देरी हो रही है, तो सबसे पहले चेक करें कि आपका आईटीआर सही तरीके से फाइल और वेरीफाई हुआ है या नहीं। अगर कोई गलती हुई है, तो आप रिवाइज्ड आईटीआर फाइल कर सकते हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से संपर्क करें और अपनी पैन डिटेल्स देकर रिफंड स्टेटस के बारे में पूछें। अगर डिपार्टमेंट की तरफ से देरी होती है, तो आपको 6% सालाना की दर से ब्याज भी मिल सकता है।"

टीडीएस कटने से कैसे बचें?

बलवंत जैन कहते हैं, "अगर आपकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो आप टीडीएस कटने से बच सकते हैं। इसके लिए फॉर्म 15जी (अगर आप 60 साल से कम उम्र के हैं) या फॉर्म 15एच (60 साल से ज्यादा उम्र के लिए) अपने बैंक या एम्प्लॉयर को जमा करें। ये फॉर्म बताते हैं कि आपकी आय टैक्सेबल नहीं है, इसलिए टीडीएस नहीं काटा जाए। अपने एम्प्लॉयर को अपनी इन्वेस्टमेंट डिटेल्स (जैसे पीपीएफ, इंश्योरेंस) समय पर दें, ताकि वो सही टैक्स कैलकुलेट करें। वे आगे कहते हैं, इन स्टेप्स को फॉलो करके आप न सिर्फ ज्यादा टीडीएस कटने की समस्या को पकड़ सकते हैं, बल्कि रिफंड भी आसानी से क्लेम कर सकते हैं। बस जरूरी है कि आप सही जानकारी के साथ समय पर कदम उठाएं।

टैक्स के लिए कौन सी रिजीम बेहतर

1. पुरानी टैक्स रिजीम

पुरानी टैक्स रिजीम में आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, जैसे कि धारा 80सी के तहत कटौती, धारा 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा कटौती, आदि।

2. नई टैक्स रिजीम

नई टैक्स रिजीम में टैक्स दरें कम हैं, लेकिन अधिकांश कटौतियों और छूटों को हटा दिया गया है।

इन कारकों पर निर्भर

1. आपकी आय

यदि आपकी आय अधिक है और आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

2. आपके निवेश

यदि आप विभिन्न निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं जो टैक्स कटौती के लिए योग्य हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

3. आपकी आवश्यकताएं

यदि आप एक सरल और कम टैक्स दर वाली रिजीम चाहते हैं, तो नई टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

विशेषज्ञ से परामर्श लें

यह अनुशंसा की जाती है कि आप अपनी व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति और आवश्यकताओं का मूल्यांकन करें और एक टैक्स विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छी टैक्स रिजीम का चयन कर सकें।

इन इक्विटी फंड्स ने एक साल में 29 फीसदी तक रिटर्न दिया

पिछले एक साल के दौरान शेयर बाजार में काफी उथल-पुथल का माहौल देखने को मिला। इस माहौल की वजह से इक्विटी में पैसे लगाने वाले निवेशकों में काफी बेचैनी भी रही है। फिर चाहे वे इक्विटी में सीधे निवेश करने वाले इनवेस्टर हों या इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले छोटे निवेशक, लेकिन इस उथल-पुथल के बीच भी इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की हर कैटेगरी की कुछ स्कीम्स ने पिछले 1 साल में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। इन कैटेगरी टॉपर स्कीम्स के डायरेक्ट प्लान्स का पिछले एक साल का रिटर्न 12% से लेकर 29% तक रहा है। इससे पता चलता है कि इन म्यूचुअल फंड स्कीम्स के मैनेजर्स की निवेश रणनीति बाजार की हलचलों के बीच भी निवेशकों को मुनाफा दिलाने में सफल रही है। निवेशक भी इन फंडों में निवेश कर खुद को खुशनसीब मान रहे हैं। चूंकि जब बाजार में गिरावट का दौर था तब ये फंड अच्छा मुनाफा दे रहे थे।

ज्यादा मुनाफा देने वाला टॉप इक्विटी फंड/1 साल का रिटर्न

- मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड : 23.59% (रेगुलर), 25.29% (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड : 14.79% (रेगुलर), 16.13% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड : 14.87% (रेगुलर), 15.63% (डायरेक्ट)
- एसबीआई मल्टीकैप फंड : 13.43% (रेगुलर), 14.36 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड : 16.43% (रेगुलर), 17.86% (डायरेक्ट)
- बंधन स्मॉल कैप फंड : 12.99% (रेगुलर), 14.52% (डायरेक्ट)
- यूटीआई वैल्यू फंड : 12.78% (रेगुलर), 13.56% (डायरेक्ट)
- व्हाइटओक कैपिटल ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड : 13.13% (रेगुलर), 15 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड : 11.86% (रेगुलर), 13.11% (डायरेक्ट)
- यूटीआई डिविडेंड यील्ड फंड : 11.80% (रेगुलर), 12.48% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड : 15.25% (रेगुलर), 16.52% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसीफार्मा एंड हेल्थकेयर फंड (कैटेगरी : थीमैटिक/सेक्टोरल फंड) : 28.13% (रेगुलर), 29.69% (डायरेक्ट)

लार्ज कैप और सेक्टोरल फंड रहे आगे

अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप करने वाले फंड्स के एक साल के रिटर्न को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इस लिस्ट में एचडीएफसी फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड के डायरेक्ट प्लान ने सबसे ज्यादा 29.69% रिटर्न दिया है. जबकि 25.29% रिटर्न के साथ मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड का डायरेक्ट प्लान दूसरे नंबर पर है. दिलचस्प बात यह है कि कैटेगरी में टॉप करने वाले इस लार्ज कैप फंड का 1 साल का मुनाफा स्मॉल कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, बंधन स्मॉल कैप फंड से काफी अधिक है, जिसके डायरेक्ट प्लान का 1 साल का रिटर्न 14.52% है. मिड कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड के डायरेक्ट प्लान का रिटर्न भी 17.86% ही है. यानी उथल-पुथल भरे बाजार में टॉप लार्ज कैप फंड ने इन दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है.

पिछले रिटर्न के जारी रहने की गारंटी नहीं

हमने एएमएफआई के पोर्टल पर मौजूद रिटर्न के जो आंकड़े लिए हैं, वे 25 अप्रैल 2025 अपडेटेड हैं. इन पर पिछले कुछ दिनों के दौरान शेयर बाजार में हुई रिकवरी का असर भी नजर आ रहा है. आपको बता दें कि पिछले 1 महीने के दौरान निफ्टी 50 (निफ्टी 50) इंडेक्स करीब 5% बढ़ा है, जबकि मौजूदा कैलेंडर इयर (2025) के दौरान अब तक (वाईटीडी) इस इंडेक्स में करीब 2.5% की बढ़त दिखी है.

पीएफ ट्रांसफर और विड्रॉल करना अब बेहद आसान, ईपीएफओ ने कर दिया सिस्टम अपग्रेड

बिजनेस डेस्क

कर्मचारियों के लिए एक बेहद सूकून भरी बात है। दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पेंशन निकासी से जुड़ी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कई नए बदलावों की घोषणा की। इन बदलावों का उद्देश्य क्लेम की प्रक्रिया को तेज करना और कागजी काम को कम करना है। कुछ डिजिटल और पेपरलेस उपायों से न केवल समय बचेगा, बल्कि क्लेम रिजेक्शन की संभावना भी बेहद कम होगी। ईपीएफओ सदस्य थोड़ी सावधानी के साथ आसानी से अपने क्लेम को हासिल कर सकेंगे। दावों के निपटानों में भी तेजी आएगी।

जानिए क्या-क्या बदला गया है

- ■ घर की मरम्मत करवाने के लिए एडवांस : अब कर्मचारी खुद ही डिक्लेरेशन देकर पैराग्राफ 68बी(7) के तहत घर में कुछ काम करवाने के लिए या मरम्मत करने के लिए एडवांस ले सकेंगे।
- ■ बैंक अकाउंट लिंक करना हुआ आसान : अब बैंक खाते को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) से जोड़ने के लिए न तो नियोक्ता की मंजूरी चाहिए और न ही बैंक दस्तावेज़ अपलोड करने की जरूरत है।
- ■ चेहरे की पहचान से यूएएन एक्टिवेशन : अब उमंग ऐप के जरिए फेस ऑथेंटिकेशन से भी यूएएन को एक्टिव किया जा सकता है।
- ■ फॉर्म 13 में बदलाव : ईपीएफओ ने ट्रांसफर क्लेम प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए फॉर्म 13 को नया रूप दिया है।
- ■ पेंशनर्स के लिए डिअरनेस रिलीफ में संशोधन: पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत दरों को भी संशोधित किया गया है।
- ■ ईपीएफओ का कहना है कि इन डिजिटल और पेपरलेस उपायों से न केवल समय बचेगा, बल्कि क्लेम रिजेक्शन की संभावना भी कम होगी।
- ■ सेल्फ डिक्लरेशन से घर सुधार के लिए पीएफ निकालना आसान

अब चेक या पासबुक की कॉपी अपलोड करने की जरूरत नहीं

ईपीएफओ के नए सर्कुलर से पीएफ क्लेम की प्रक्रिया और भी आसान हो गई है। अब खाते से जुड़ी जानकारी के लिए चेक लीफ या पासबुक की फोटो अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके अलावा, बैंक अकाउंट लिंक कराने के लिए नियोक्ता (एम्प्लॉयर) की मंजूरी भी जरूरी नहीं रह गई है।

अब सदस्य बैंक खाता लिंक कर सकेंगे

इस बदलाव से कमज़ोर क्वालिटी की फोटो या गलत दस्तावेज़ अपलोड होने की वजह से जो क्लेम रिजेक्ट होते थे, उनकी संख्या काफी कम होगी। साथ ही, सदस्यों को ज्यादा तेज़ और सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। ईपीएफओ ने अपने सॉफ्टवेयर सिस्टम को अपग्रेड किया है, जिससे अब पीएफ निकालने के दावों की जांच और मंजूरी की प्रक्रिया अपने आप हो जाएगी।

HMS शिव साईटिका तेल
शिव सायटिका
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है 94060-21769
नकली माल से सावधान

बिजनेस साइट

आज होगी नीट यूजी परीक्षा

गोल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रंजीत कुमार ने कहा - आत्मविश्वास रखें, रिवीजन पर दें जोर

GOAL®
Educational Services Pvt. Ltd.
Nation's Leading Institute

रायपुर। देशभर में आज नीट यूजी परीक्षा का आयोजन होने जा रहा है। परीक्षा की तैयारी में जुटे लाखों छात्र अब अंतिम चरण में हैं। परीक्षा केंद्रों की जानकारी मिल चुकी है और छात्र अब मानसिक तैयारी में लगे हुए हैं। छत्तीसगढ़ स्थित गोल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर रंजीत कुमार ने नीट की तैयारी कर रहे छात्रों को परीक्षा से पहले तनावमुक्त रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि छात्रों को इस समय अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना चाहिए। सालभर की सुनियोजित पढ़ाई पर भरोसा रखें और इस अंतिम समय में नई चीजें सीखने की बजाय पुराने सिलेबस का रिवीजन करना अधिक लाभदायक होगा। रंजीत कुमार ने यह भी कहा कि मानसिक संतुलन बनाए रखते हुए सामान्य छात्र भी इस प्रतिस्पर्धी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्र पर जाते समय छात्र अपने साथ आधार कार्ड, प्रवेश पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो तथा ट्रांसपैरेंट पानी की बोतल अवश्य रखें। परीक्षा केंद्र में पहुंचने के बाद शांत मन से अपनी सीट पर बैठें और प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें। जो भाग सरल लगे, उसे पहले हल करें और समय प्रबंधन का विशेष ध्यान रखें। गोल इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि 4 मई को शाम 6:30 बजे संस्थान की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रश्नपत्र के उत्तर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधाएं: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधाएं: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दाश M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर,
समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहांसे • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्युकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

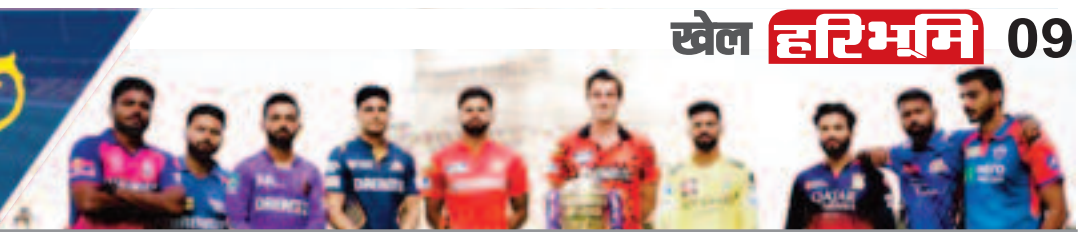

ब्रुइन ने दिलाई मैनचेस्टर सिटी को महत्वपूर्ण जीत

मैनचेस्टर। केविन डी ब्रुइन के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार रात को यहां वॉल्वरहैम्प्टन वांडरर्स पर 1-0 से महत्वपूर्ण जीत हासिल की जिससे वह इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर पहुंच गया। बेल्जियम के रहने वाले डी ब्रुइन इस सत्र के आखिर में मैनचेस्टर सिटी को छोड़ देंगे लेकिन उन्होंने लीग के पिछले छह मुकाबलों में जीत हासिल करने वाली टीम के खिलाफ 35वें मिनट में गोल करके साबित कर दिया कि वह अब भी टीम के लिए काफी मायने रखते हैं। इस जीत से मैनचेस्टर सिटी के 35 मैच में 64 अंक हो गए हैं और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस तरह से वह चैंपियंस लीग में जगह बनाने का प्रबल दावेदार बन गया है। मैनचेस्टर सिटी अब दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल से तीन अंक पीछे है जिसके 34 मैच में 67 अंक हैं। लिवरपूल पहले ही खिताब अपने नाम पर सुरक्षित कर चुका है। उसके 34 मैच में 82 अंक हैं।

रूड और ड्रेपर में होगा खिताबी मुकाबला

मैड्रिड। कैस्पर रूड ने दर्द निवारक दवाइयों की मदद से पसली की चोट पर काबू पाकर फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को सीधे सेटों में हराया और मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाई। रूड ने मैच के दौरान तीन बार अपनी पसली का इलाज करवाया और काजा मैगिका सेंटर कोर्ट पर 6-4, 7-5 से जीत हासिल की। नॉर्वे के 15वीं रैंकिंग के खिलाड़ी रूड ने अर्जेंटीना के 21वीं रैंकिंग के खिलाड़ी सेरुंडोलो के खिलाफ 18 में से 15 ब्रेक प्वाइंट बचाए। फाइनल में रूड का सामना जैक ड्रेपर से होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में लोरेंजो मुसेटी को 6-3, 7-6 (4) से हराकर साल के तीसरे फाइनल में जगह बनाई।

खास खबर

किरण को निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण

नई दिल्ली। पुरुष राइफल थ्री-पोजीशन के मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को कुमार सुरेंद्र सिंह स्मारक निशानेबाजी चैंपियनशिप में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता। अगले महीने म्यूनिख में होने वाले विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नौसेना के इस निशानेबाज ने 24 निशानों से 251.5 अंक हासिल कर सेना के विवेक शर्मा को 1.4 अंक से पीछे छोड़ा। सेना के ही विशाल सिंह (230.1) ने कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र के पार्थ राकेश माने ने पुरुषों के जूनियर वर्ग का खिताब 0.1 अंक के मामूली अंतर से अपने नाम किया।

मैं डोपिंग के कारण अस्थाई तौर पर निलंबित हूं

जोहानिसबर्ग। दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने शनिवार को चौंकाने वाला खुलासा किया कि 'नशे में मौज-मस्ती' के लिए इस्तेमाल होने वाले प्रतिबंधित ड्रग के सेवन के कारण वह अस्थायी निलंबन झेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने पिछले महीने गुजरात टाइटंस के लिए दो मैच खेलने के बाद निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़ दिया था। रबाडा इस महीने के आखिर में 30 साल के हो जाएंगे। उन्होंने 'दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन' के माध्यम से एक बयान जारी किया। रबाडा ने इस बयान में अपनी गलती के लिए माफी मांगते हुए कहा, 'जैसा की खबरों में बताया गया है कि मैं निजी कारणों से आईपीएल में भाग लेने के बाद दक्षिण अफ्रीका लौटा हूं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि जांच में ऐसे प्रतिबंधित पदार्थ की पुष्टि हुई है जिसका इस्तेमाल नशे में मौज मस्ती के लिए किया जाता है। मैं अस्थाई तौर पर निलंबन झेल रहा हूं और अपने पसंदीदा खेल में वापसी के लिए उत्सुक हूं।'

भारत के लिए अच्छा कप्तान बनेगा गिल

मुंबई। अफगानिस्तान के टी20 कप्तान राशिद खान ने शनिवार को कहा कि शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग में सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिये ही नहीं बल्कि भारत के लिये भी बहुत अच्छे कप्तान साबित होंगे। गिल ने गुजरात टाइटंस की मोर्चे से अगुवाई करते हुए इस सत्र में दस मैचों में अब तक 465 रन बनाये हैं। राशिद ने कहा, 'शुभमन गिल का कप्तानी करते हुए यह दूसरा साल है। वह लगातार बेहतर हो रहा है। भविष्य में वह भारत के बेहतरीन कप्तानों में से होगा। सिर्फ गुजरात टाइटंस के लिए नहीं बल्कि भारत के लिए भी। उसके पास कौशल और प्रतिभा है।'

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलुरु	11	8	3	16
मुंबई	11	7	4	14
गुजरात	10	7	3	14
पंजाब	10	6	3	13
दिल्ली	10	6	4	12
लखनऊ	10	5	5	10
कोलकाता	10	4	5	9
राजस्थान	11	3	8	6
हैदराबाद	10	3	7	6
चेन्नई	11	2	9	4

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
505 रन
बेंगलुरु

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
19 विकेट
गुजरात

आईपीएल : रोमारियो शेफर्ड ने 14 गेंद में बनाए 53 रन

आखिरी गेंद पर जीता बेंगलुरु, शीर्ष पर बनाई जगह, चेन्नई को दो रन से हराया

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

यश दयाल ने बेहतरीन आखिरी ओवर डालकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को शनिवार को आईपीएल के रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर चेन्नई सुपर किंग्स पर दो रन से जीत दिलाई। आयुष म्हात्रे ने 94 रन बनाकर रोमारियो शेफर्ड के 14 गेंद में अर्धशतक को लगभग बेमानी साबित कर ही दिया था।

आरसीबी ने विराट कोहली (62 रन), जैकब बेथेल (55 रन) और शेफर्ड के 14 गेंद में नाबाद 53 रन की मदद से पांच विकेट पर 213 रन बनाए। इसके बाद 17 वर्ष के म्हात्रे ने 48 गेंद में नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 94 रन बनाकर चेन्नई को जीत के बहुत करीब पहुंचा दिया लेकिन आखिर में टीम पांच विकेट पर 211 रन ही बना सकी।

इस जीत के बाद आरसीबी 11 मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गई है और उसका प्लेआफ में प्रवेश लगभग तय है जबकि प्लेआफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी चेन्नई 11 मैचों में चार अंक लेकर आखिरी स्थान पर है। म्हात्रे और रविंद्र जडेजा (नाबाद 77) ने तीसरे विकेट के लिए 114 रन की साझेदारी की। म्हात्रे ने पावरप्ले में भुवनेश्वर कुमार को एक ओवर में 26 रन निकाले और रनगति धीमी नहीं पड़ने दी।

रोमारियो शेफर्ड ने केवल 14 गेंदों में अर्धशतक जड़ा और आईपीएल इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

स्कोर बोर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
बेथेल का ब्रेविस बो पथिराना	55	33	8	2
कोहली का खलील बो कुरेन	62	33	5	5
देवदत्त का जडेजा बो पथिराना	17	15	1	1
रजत का कुरेन बो पथिराना	11	15	1	0
जितेश शर्मा का ब्रेविस बो नूर	07	08	1	0
टिम डेविड नाबाद	02	03	0	0
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	53	14	4	6

अतिरिक्त : 06, कुल : 20 ओवर में 213/5
गेंदबाजी : खलील 3-0-65-0, कम्बोज 3-0-25-0, नूर 4-0-26-1, जडेजा 3-0-26-1, कुरेन 3-0-34-1, पथिराना 3-0-26-3.

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4	6
म्हात्रे का पंड्या बो एंगिडि	94	48	9	5
रशीद का शेफर्ड बो पंड्या	14	11	1	1
कुरेन का शर्मा बो एंगिडि	05	05	1	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	77	45	8	2
ब्रेविस पगबाधा बो एंगिडि	00	01	0	0
धोनी पगबाधा बो दयाल	12	08	0	1
शिवम दुबे नाबाद	08	03	0	1

अतिरिक्त : 01, कुल : 20 ओवर में 211/5
गेंदबाजी : कृणाल 3-0-24-1, भुवनेश्वर 4-0-55-0, दयाल 4-0-41-1, एंगिडि 4-0-30-3, सुयश 4-0-43-0, शेफर्ड 1-0-18-0.

खबर संक्षेप

खिलाड़ी अब कैमरे का सामने करने को तैयार

मुंबई। भारत के दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का कहना है कि वर्तमान समय के क्रिकेटर यह बताने से नहीं हिचकिचाते हैं कि उनके दायरे में क्या हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि एक खिलाड़ी का ब्रांड प्रशासक या प्रसारक जितना शक्तिशाली हो गया है। भारत के पूर्व कप्तान कुंबले भी हेडन की इस बात से सहमत थे कि जो खिलाड़ी पहले अपने ड्रेसिंग रूम में कैमरा रखने के लिए सहमत नहीं होते थे, वे अब माइक पकड़कर टीम की रणनीतियों पर चर्चा करने में खुश होते हैं।

अरुणाचल प्रदेश में खेलो इंडिया सुविधा हुआ शुरू

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में एक बहुउद्देश्यीय हॉल का उद्घाटन करते हुए विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में समावेशी खेल विकास को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आठ करोड़ रुपए की लागत से बना यह हॉल केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह हॉल मुक्केबाजी, बैडमिंटन, जूडो, वुशु, कराटे, ताइक्वांडो, भारोत्तोलन, टेबल टेनिस और वॉलीबॉल सहित कई इनडोर खेलों के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की आस्ट्रेलिया में लगातार चौथी हार

एजेंसी ▶▶| पर्थ

भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम ने जुझारू प्रदर्शन किया लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के लगातार चौथे मैच में उसे 2-3 से पराजय का सामना करना पड़ा। भारत के लिए नवनीत कौर (35वां मिनट) और लालरेम्सियामी (59वां) ने गोल दागे जबकि आस्ट्रेलिया के लिए ग्रेस स्टीवर्ट (दूसरा), जेड स्मिथ (36वां) और ग्रेटा हायेस (42वां) ने गोल किए।

भारत को आस्ट्रेलिया ए ने 5-3 और 3-2 से हराया था। इसके बाद सीनियर आस्ट्रेलियाई टीम ने एक मई को भारतीय टीम को 2-0 से मात दी। आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा। पहले क्वार्टर में आस्ट्रेलिया ने दूसरे ही मिनट में गोल करके बढत बना ली। भारत ने बराबरी के गोल का भरसक प्रयास किया लेकिन कामयाबी नहीं मिली। दूसरे क्वार्टर में भारत ने एक पेनल्टी कॉर्नर बचाया। भारत के लिए बराबरी का गोल 35वें मिनट में नवनीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर दागा लेकिन आस्ट्रेलिया ने अगले ही मिनट जेड के फील्ड गोल पर फिर बढत बना ली। आस्ट्रेलिया को दो और पेनल्टी कॉर्नर मिले और ग्रेटा ने 42वें मिनट में एक और गोल किया।

सनराइजर्स के खराब प्रदर्शन का कारण अप्रभावी गेंदबाजी

अहमदाबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अपनी टीम के खराब प्रदर्शन के लिए अप्रभावी गेंदबाजी और पिच की बदलती परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराया। शुक्रवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 रन से हार के बाद सनराइजर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। उनादकट ने कहा, 'आईपीएल में खेलने के अपने अनुभव से मैं कह सकता हूं कि किसी टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए उसके गेंदबाजी विभाग में तीन या चार ऐसे खिलाड़ी होने चाहिए जो लगातार बेहतर प्रदर्शन करें। इस बार हमारी टीम में इसकी कमी दिखी। हमारे अगर दो गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे तो बाकी तीन उनका सहयोग नहीं कर रहे थे।

हेमराज और अंजलि पर चार और छह साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। लंबी दूरी के धावक हेमराज गुर्जर और अंजलि कुमारी पर नाडा की डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल ने पिछले साल डोप परीक्षण में विफल होने के बाद क्रमशः चार और छह साल का प्रतिबंध लगाया है। पच्चीस साल के गुर्जर ने 2023 राष्ट्रीय अंतर-राज्यीय चैंपियनशिप में 5000 मीटर कांस्य के अलावा 2023 और 2024 में राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनके प्रतिबंध का समय 20 अप्रैल से शुरू हुआ। गुर्जर ने पिछले साल विश्व एथलेटिक्स क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था। पिछले साल उनके डोप नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ डार्बेपोएटिन पाए जाने के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा उन्हें अस्थायी तौर पर निलंबित किया गया था। नाडा की वेबसाइट पर नवीनतम जानकारी के अनुसार अंजलि की छह साल की प्रतिबंध अवधि 31 मार्च से शुरू होती है। इसमें हालांकि अधिक विवरण नहीं दिया गया है। उन्होंने पिछले साल विश्व एथलेटिक्स क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया था।

भारत हटा, अब पाकिस्तान नहीं उज्बेकिस्तान मेजबान

कराची। पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने जिस मध्य एशियाई वॉलीबॉल टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था, वह अब इस्लामाबाद की बजाय उज्बेकिस्तान के ताशकंद में खेला जाएगा। यह जानकारी पाकिस्तान महासंघ के एक अधिकारी ने शनिवार को दी। पाकिस्तान वॉलीबॉल महासंघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मध्य एशिया वॉलीबॉल संघ ने इस आयोजन को उज्बेकिस्तान में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है। इस अधिकारी ने कहा, 'भारत के पीछे हटने के बावजूद यह पाकिस्तान वॉलीबॉल के लिए बहुत बड़ी निराशा है। हम सीएवीए की आम सभा के फैसले को पूरी तरह समझते हैं।' पाकिस्तान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के बीच होने वाले टूर्नामेंट की निर्धारित तारीखों में हालांकि कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
शाखाः महगांव (छ.ग.) BRANCH: MAHAGAON (C.G.)

मांग सूचना

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत

ऋणी एवं जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	प्रकार / सीमा / बकाया ऋण
ऋणी- श्री बालेश्वर गिरी पुत्र स्व. बुद्धू गिरी, महादेवपारा, अनरोखा, नरकालो के पास, चंद्रमेढ़ा, भैयाथान, जिला- सूरजपुर, छत्तीसगढ़, पिन 497229	**श्री बालेश्वर गिरी पुत्र स्व. बुद्धू गिरी** के नाम पर भूमि खसरा नं. **952/3**, ग्राम- अनरोखा, प.ह.नं. 23, आरएनएम- भटगांव, तहसील- भटगांव, जिला- सूरजपुर, छत्तीसगढ़ पिन नं. 497235, क्षेत्रफल- **0.040** हेक्टेयर भूमि पर निर्मित भवन सहित।	CENT HOME LOAN ₹ 10,00,000.00 दिनांक **14.04.2025** तक कुल देय धनराशि ₹ **10,33,230.68** NPA Dt. **31.03.2025**
बिक्री विलेख के अनुसार संपत्ति की चौहद्दीः उत्तर- सड़क, **दक्षिण-** भोला तिवारी की भूमि, **पूर्व-** मनमती की भूमि, **पश्चिम-** बालेश्वर गिरी की कृषि भूमि।		

उपर्युक्त उल्लेखित उधारकर्ता एवं जमानतदारों ने उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को बंधक रखकर **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, शाखाः महगांव (छ.ग.)** से ऊपर उल्लेखित अनुसार ऋण सुविधा प्राप्त की है तथा ऊपर उल्लेखित जमानतदारों ने गारंटी उपलब्ध करवाई है, उधारकर्ता ऋण स्वीकृति के नियम तथा शर्तों का पालन करने में असफल हो चुके हैं। रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार खाता अनियमित होने पर ऊपर उल्लेखित दिनांक को एनपीए के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है। बैंक द्वारा उपरोक्त वर्णित बकाया ऋण राशि की वसूली के लिए सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के नोटिस दिनांकित (ऊपर उल्लेखित अनुसार) ऋणी व जमानतदारों को अंतिम ज्ञात पते पर भेजा गया था जो बिना सुपुर्दगी के वापस लौट गया है। जिसके पश्चात् यह प्रकाशन जारी किया जा रहा है जिसके माध्यम से देनदारों व जमानतदारों को ऊपर उल्लेखित धनराशि ब्याज दर (संविदात्मक दर), लागत व्यय इत्यादि के साथ इस सूचना के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर भुगतान करने कहा गया है जिसमें चूक करने पर निम्नलिखित बंधक संपत्तियों पर उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के प्रावधानों के अंतर्गत बैंक की बकाया धनराशि की वसूली हेतु कार्यवाही की जाएगी। ऋणी एवं जमानतदार संपत्ति स्वामी का ध्यान वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूति आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

दिनांकः 03.05.2025, स्थानः महगांव (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

04052025-Cit-12_Layout 1 04-May-25 12:37 AM Page 1

खबर संक्षेप

उत्तरी गुजरात में भूकंप के हल्के झटके

अहमदाबाद। उत्तरी गुजरात में शुक्रवार देर रात 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंपीय अनुसंधान संस्थान ने यह जानकारी दी। जिला प्राधिकारियों ने बताया कि जान-माल के किसी प्रकार के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आईएसआर ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया कि भूकंप शुक्रवार देर रात तीन बजकर 35 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र बनासकांठा जिले में वाव के पास था। गांधीनगर स्थित संस्थान ने कहा कि भूकंप वाव से लगभग 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व (ईएनई) में 4.9 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) के अनुसार, गुजरात भूकंप के लिहाज से अत्यधिक जोखिम वाला क्षेत्र है।

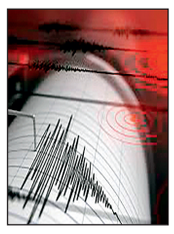

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में बोले केंद्रीय मंत्री

वैश्विक कंपनियां आईआईसीटी के साथ काम करने के लिए इच्छुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ मुंबई

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यहां कहा कि वैश्विक कंपनियां देश के युवाओं की रचनात्मक ऊर्जा का दोहन करने के लिए नव घोषित भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के साथ काम करने की इच्छुक हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने सात प्रमुख कंपनियों (जियोस्टार, गूगल, एडोब, मेटा, एप्पल, एनवीडिया और माइक्रोसॉफ्ट) द्वारा यहां वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के दौरान आईआईसीटी के साथ आशय पत्रों के आदान-प्रदान के बाद यह कहा। वैष्णव केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन और सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू की उपस्थिति में आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया।

जियोस्टार ने किया 10 अरब डॉलर का निवेश

मुंबई स्ट्रीमिंग मंच जियोस्टार ने तीन साल में भारत में कंटेंट में 10 अरब डॉलर का निवेश किया है। कंपनी के वाइस चेयरमैन उदय शंकर ने शनिवार को यह जानकारी दी। यहां पहले विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के एक सत्र में उन्होंने कहा कि उद्योग को दो-तीन बड़े चालकों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।

सैफ को पसंद है महाभारत की कहानी

वेव्स समिट में अभिनेता सैफ अली खान भी पहुंचे हैं। यहां उन्होंने नेटफ्लिक्स के सह-सीईओ टेड सारंडोस के साथ बातचीत में अपनी सिनेमाई समझ को बताया। सैफ अली खान ने बताया कि उन्हें किस तरह की फिल्में पसंद आती हैं। उन्होंने वैश्विक सिनेमा और कहानी कहने वाले प्रारूपों के विकसित परिदृश्य के बारे में भी बात की। सैफ अली खान ने कहा 'मुझे ऐतिहासिक फिल्में पसंद आती हैं। जो फिल्में दूसरी संस्कृति की होती हैं, शायद जापानी फिल्में भी पसंद आती हैं।

सीआईआई और फिक्की साथ-साथ

आईआईसीटी की स्थापना सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा व्यापार निकाय फिक्की और उद्योग निकाय सीआईआई के साथ रणनीतिक सहयोग से प्रतिष्ठित आईआईटी और आईआईएम की तर्ज पर एक राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में की जा रही है। वैष्णव ने कहा, भारत में मीडिया और मनोरंजन की दुनिया में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की क्षमता है। यह संस्थान उस दिशा में पहला कदम है और हमें इस पर काम करना है। मंत्री ने कहा कि आईआईसीटी के साथ काम करने के लिए वैश्विक कंपनियां इच्छुक हैं।

उत्तराखंड में निर्माणाधीन भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग

रेल सुरंग को आकार दे रहे 'शिव और शक्ति'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हिमालय में सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक, उत्तराखंड में निर्माणाधीन भारत की सबसे लंबी रेल सुरंग को जर्मनी में बनी सुरंग खोदने वाली मशीनें 'शिव और शक्ति' आकार दे रही हैं। इन मशीनों का नाम हिंदू देवताओं के नाम पर शिव और शक्ति रखा गया है - जो 'देवभूमि'कहे जाने वाले राज्य की आध्यात्मिक विरासत से प्रेरित है। देवप्रयाग-जनसू जुड़वां सुरंगें हैं जो एक दूसरे से 25 मीटर की दूरी पर समानांतर चलती हैं। करीब 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल संपर्क परियोजना की 14.57 किलोमीटर लंबी सुरंगों में से एक सुरंग को 16 अप्रैल को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था, जिसकी खुदाई 'शक्ति' नामक सुरंग बोरिंग मशीन (टीबीएम) द्वारा की गई। निर्माण स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि टीबीएम 'शिव' से इस वर्ष जून में दूसरी सुरंग का काम भी पूरा होने की उम्मीद है।

नाम रखना काफी दुर्लभ

हिंदू धर्म में भगवान शिव को सर्वशक्तिमान देवता के रूप में पूजा जाता है और शक्ति को शिव की पत्नी पार्वती के रूप में माना जाता है जिन्हें मातृ शक्ति का प्रतीक माना जाता है। एक निर्माण विशेषज्ञ ने बिना कोई कारण बताए कहा, सुरंग खोदने वाली मशीनों का नाम अलग-अलग पुरुष और महिला के नाम पर रखना काफी दुर्लभ है। आमतौर पर, टीबीएम को पारंपरिक रूप से महिला नाम दिए जाते हैं। एलएंडटी के अधिकारियों ने बताया कि जर्मन कंपनी हेरेनक्नेच एजी को दो टीबीएम का ऑर्डर देते समय इन मशीन को नाम देने को लेकर काफी मंथन किया।

कब्ज का काल
कब्ज नाल

आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध
एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob. : 93032-42200

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
मेडिसीन विभाग
•खून की कमी
•खून कम बनना
•सांस से संबंधित बीमारियां
•डायबीटिज
•थायराइड
•हेपेटाइटिस बी
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़,
होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

सड़क पर गंभीर चोटों के साथ मिला वकील का शव

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के केंगेरी में सीवी रमन एस्टेट के पास एनआईसीई रोड पर 46 वर्षीय एक वकील का शव मिला। उसके शरीर पर गंभीर चोट पाए गए। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जगदीश एच के रूप में हुई है और वह केंगेरी के एसएमवी लेआउट का निवासी था। पुलिस ने बताया कि मृतक के रिश्तेदार की शिकायत के आधार पर शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे हुई इस घटना के संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायत में वकील के रिश्तेदार ने आरोप लगाया है कि जगदीश का शव उसकी कार से करीब 150 मीटर दूर पड़ा मिला और कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त थी।

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
■कमर
■जांघ,
■आर्म
■वक्ष स्थल
■शरीर के अन्य
हिस्सों का लेजर द्वारा
लाइपोसक्शन
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में
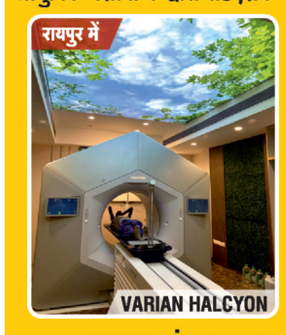
VARIAN HALCYON
भिलाई में
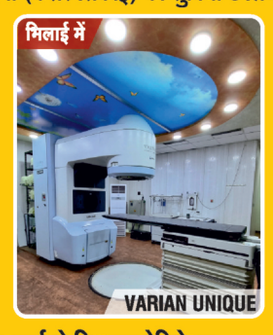
VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

संजीवनी
कैंसर केयर हॉस्पिटल
अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी (कैंसर का सेंकाई से इलाज)
एवं सटीक स्टेजिंग हेतु पेट स्कैन

मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ट्रीटमेंट के लिए पूर्ण NABH से मान्य
आयुष्मान भारत से नि:शुल्क रेडियोथेरेपी
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी, रायपुर
7389904010, 07714081010

HONDA
The Power of Dreams
How we move you.
CREATE ► TRANSCEND, AUGMENT
Shine 100

शुभारंभ ऑफ़र

इंस्टेंट कैशबैक ₹5100#
डाउनपेमेंट ₹4999*
₹0* प्रोसेसिंग फी डॉक्यूमेंटेशन चार्जेज़ एडवांस EMI
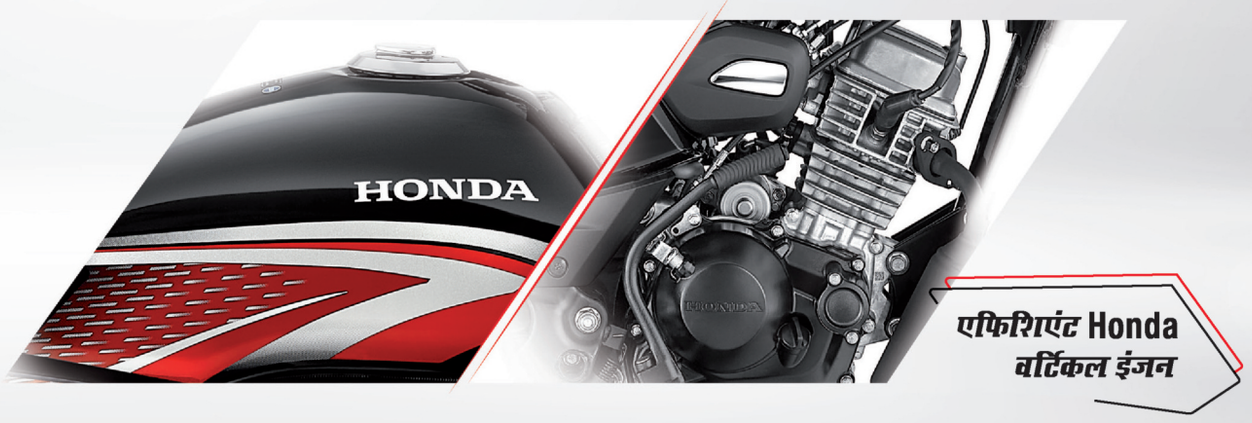
एफिशिएंट Honda वर्टिकल इंजन
डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें
अधिक जानकारी के लिए
7230032200 पर मिस्ड कॉल दें
#*स्कीम 31st May 2025 तक मान्य
Terms and conditions apply. #The Instant Cashback offer of ₹5100 is available on purchase of Shine100. #The offer may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #The scheme is offered by Authorized Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of Shine100 from Authorized Main Dealers and Associate Dealers. #The Instant Cashback offer is only applicable in following states – Bihar, Jharkhand, Gujarat, Tamil Nadu, Haryana, Punjab, Chandigarh, Rajasthan, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Uttarakhand, Chhattisgarh, Puducherry, Dadra & Nagar Haveli, Daman & Diu and Andaman & Nicobar. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. Nil Extra charges (0/- processing fee, 0/- Documentation Charge & 0/- Advance EMI) are applicable on Shine 100 model only. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Additional Cashback offer is available on selected Honda2wheelers models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. Customers can avail 5% cashback, up to a maximum of ₹5000/-. Valid on one transaction per card/order during the offer period. The scheme is available at selected outlets only. The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 31st May 2025. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.
Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) – 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in
Honda Exclusive Authorized Dealerships: AARANG: V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; **ABHANPUR:** Patel Honda - 9009328660; **BAGBHARA:** Sri Sai Honda - 7697767777; **BALODA BAZAR:** Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; **BASNA:** Laxmi Honda - 9174137571; **BEERGAON:** Vishwanath Honda - 9300133077; **PALARI:** Shri Ram Honda - 8305759763; **BEMETARA:** Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; **BHAKARA:** Nitesh Honda - 9907975628; **BHATAPARA:** Kiran Honda - 9111353292; **BHILAI:** Aan Honda (Nehru Nagar) - 9584378238, 9826635600; Aan Honda (Powerhouse) - 9584378238, 9826635600; **BIJAPUR:** Ansh Honda - 9424299203; **CHARODA:** Rahul Honda - 9827193194; **CHARAMA:** Neeraj Honda - 9425230052; **CHUIKHADAN:** Shri Radhey Honda - 9691692500; **DALLIRAJHARA:** Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; **DHAMTARI:** ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; **DHARSIVA:** R S.Honda - 9669880000; **DONGARGARH:** Gagan Honda - 9806869214; **DURG:** Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; **FINGESHWAR:** Bangani Honda- 9425402966; **GIDHORI:** Subhkamana Auto -7389320271; **GUNDERDEHI:** Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; **GURUR:** Baba Honda - 9827936712; **JAGDALPUR:** Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; **KONDAGAON:** Danteshwari Honda - 9294566660; **SUKMA:** Akash Honda - 9424287457, 7587341845; **PHARASGAON:** Shri Deo Honda - 9993861735; **KANKER:** Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; **KASDOL:** Laxmi Honda - 8871233553; **KESHKAL:** Chattishgarh Honda - 9993293467; **KHAIRAGARH:** Akshat Honda - 9406534734; **KURUD:** Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; **MAGALOAD:** Dewangan Honda - 9098136447; **MAHASAMUND:** Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; **NAGRI:** Nahta Honda- 9424211105; **NAWAGARH:** Raja Honda - 9826067896; **PAKHANJUR:** Disha Honda - 6261666932, 9406453860, **PANDUKA (GARIABAND):** Shresth Honda - 8109902966; **RAIPUR:** A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; **RAJIM:** Gulab Honda - 8839708788; **RAJNANDGAON:** Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 94242157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; **SEJBAHAR:** R.S Honda - 9754123000; **KHARORA:** B.K Honda - 9867224777; **TILDA:** Agrawal Honda - 9424200104; **UTAI:** Ganpati Honda - 09926083389; **SARAIPALI:** Pukraj Honda - 8889798000.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com